शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची एवं पटना से प्रकाशित

रांची ● गुरुवार, 23 नवंबर 2023 ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 10, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 215

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

www.lagatar.in

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.4	18.0
जमशेदपुर	29.2	17.5
डालटनगंज	30.5	14.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * * *

इंटरनेशनल

- इजराइल-हमास युद्ध विराम आज सुबह से शुरू होगा
- इजरायल करेगा 300 फिलिस्तीनी बंधकों को रिहा
- भारत ने कनाडाई नागरिकों के लिए शुरू की ई-वीजा
- 6.7 की तीव्रता वाले भूकंप से दहला वानूआतू

नेशनल

- सिलक्यारा सुरंग में अबतक 45 मीटर ड्रिलिंग पूरी
- आईआईएम इंदौर हिंदी में पढ़ाएगा नेतृत्व विकास का पाठ
- मोहम्मद अजहरुद्दीन नाकाम नेता : असदुद्दीन ओवैसी
- आईएमडीबी 2023 के सबसे लोकप्रिय स्टार बने शाहरुख

स्टेट

- एक्सएलआरआई और एसआरआइएचईआर में एमओयू
- युवा कांग्रेस का लोस स्तरीय मिलन समारोह चक्रधरपुर में
- आदिवासियों की जमीन सुरक्षित नहीं : लोबिन हेंब्रम
- नक्सलियों ने 16 से 22 दिसंबर तक किया भारत बंद का ऐलान

स्पोर्ट्स

- क्रोएशिया ने किया यूरो 2024 के लिए क्वालीफाई
- अर्जेंटीना ने विश्व कप क्वालीफाइंग में ब्राजील को हराया
- एशियाई पैरा तीरंदाजी में भारत ने जीते नौ पदक
- राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप में झारखंड ने चंडीगढ़ को हराया

सुर्खियां

अब लीजधारक नहीं कर सकेंगे जमीन का हस्तांतरण

किसने क्या कहा

- यह तय करना है,इजराइल-हमास युद्ध क्षेत्रीय संघर्ष का रूप न ले : **नरेंद्र मोदी**
- 'हेराल्ड' मामले में ईडी की कार्रवाई राजनीति में नया निचला स्तर : **कपिल सिब्बल**
- ईडी की कार्रवाई से कांग्रेस डरने वाली नहीं है : **-मल्लिकार्जुन खड़गे**

सर्राफा

सोना (बिक्री)	58,200
चांदी (किलो)	76,000

कैबिनेट के फैसले

सरकारी भूमि की लीज सिर्फ 30 साल के लिए होगी

कौशल आनंद। रांची

अब सरकारी भूमि की लीज बंदोबस्ती 30 साल के लिए ही होगी. विशेष परिस्थिति में या अपवाद स्वरूप ही 30 से अधिक या अधिकतम 99 वर्ष के लिए लीज बंदोबस्ती की जा सकेगी. इतना ही नहीं अब कोई भी लीज धारक अपने नाम बंदोबस्त जमीन को भारत सरकार और झारखंड सरकार की संस्था या उपक्रमों को छोड़ कर अन्य किसी निजी संस्था और प्रतिष्ठान या फिर कंपनी को सरकारी भूमि का हस्तांतरण नहीं कर सकेंगे. इस आशय का निर्णय बुधवार को कैबिनेट की बैठक में लिया गया. सरकार ने फैसला लिया है कि अब सरकारी भूमि की लीज बंदोबस्ती 30 वर्षों तक के लिए ही होगी. झारखंड सरकार के विभिन्न विभागों तथा विभिन्न संस्था और उपक्रमों को निःशुल्क स्थायी हस्तांतरण किया जाएगा. भारत सरकार की संस्था एवं उनके विभिन्न उपक्रमों को अपवाद में स्थायी हस्तांतरण किया जाएगा.

कैबिनेट की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार गैर मजरुआ आम भूमि को छोड़ कर अन्य सरकारी भूमि अन्य किसी राज्य सरकार के संस्था या उपक्रम को हस्तांतरण किया जा सकेगा. वहीं निजी संस्था के सामाजिक कार्य स्वास्थ्य, शिक्षा सेवा के लिए तथा औद्योगिक और खनन कार्य के लिए हस्तांतरण होगा. इसके अलावा निजी संस्थाओं को लीज बंदोबस्ती तभी होगी, जब सरकारी भूमि उक्त संस्थान के प्रोजेक्ट की भूमि में समाविष्ट हो और उक्त सरकारी भूमि का क्षेत्रफल संस्थान के कुल भूमि की तुलना में 20 प्रतिशत से अधिक न हो. नई नीति में स्पष्ट किया गया है कि गैर मजरुआ आम भूमि का हस्तांतरण सामान्य तौर पर नहीं किया जाए. इसका हस्तांतरण विशेष परिस्थिति में अपवाद स्वरूप झारखंड सरकार के विभागों, संस्थाओं और उपक्रमों को होगा.

कैबिनेट की बैठक में 32 प्रस्तावों को मिली मंजूरी

जानकारी देतीं कैबिनेट सचिव वंदना डाडेल

पांच साल तक जमीन का उपयोग नहीं हुआ तो लीज होगी रद्द

नयी नीति में स्पष्ट किया गया है कि जिस प्रयोजन के लिए जमीन लीज में दी गयी है. वह कार्य पांच वर्षों तक नहीं हुआ, तो फिर दो वर्ष का अतिरिक्त समय दिया जाएगा. इसके बाद भी कार्य नहीं हुआ, तो राज्यादेश रद्द कर जमीन जिला प्रशासन अपने कब्जे में ले लेगा. इसका कोई मुआवजा भी देय नहीं होगा. मंत्रिपरिषद की बैठक में लीज के लिए नवीकरण की प्रक्रिया और सलामी निर्धारण पर भी फैसला लिया है.

सबलीज देने से पहले मंत्रिपरिषद की स्वीकृति अनिवार्य

जंगल-झाड़ी किस्म की भूमि के हस्तांतरण के क्रम में वन संबंधित विभिन्न नियम-अधिनियम, केंद्रीय वन पर्यावरण मंत्रालय और राज्य सरकार के वन तथा राजस्व निबंधन विभाग के दिशा-निर्देशों का अनुपालन हो. सरकारी भूमि जो लीज पर दी हुई है, उसे सब लीज पर देने के पहले मंत्रिपरिषद की अनुमति लेनी होगी.

एसटी/एससी केस की जांच इंस्पेक्टर और दरोगा भी कर सकेंगे

कैबिनेट की बैठक में एक अन्य अहम प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गयी. जिसके तहत अब अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 के तहत दर्ज केस का अनुसंधान इंस्पेक्टर व दारोगा भी कर सकेंगे. इससे पहले सिर्फ डीएसपी स्तर के अधिकारी को अनुसंधान करने का अधिकार था. ऐसा निर्णय राज्य में मामलों की संख्या को देखते हुए सरकार की तरफ से ऐसा फैसला लिया गया है. झारखंड में मामले लगातार बढ़ रहे हैं और अनुसंधान करने वाले डीएसपी की संख्या उतनी नहीं है कि अनुसंधान जल्दी किया जा सके.

अब असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए पीएचडी होना जरूरी नहीं

झारखंड के विश्वविद्यालयों में अस्टिटेंट प्रोफेसर नियुक्ति के लिए पीएचडी की बाध्यता खत्म कर दी गई है. यह निर्णय झारखंड केबिनेट में लिया गया है. मालूम हो कि इससे पहले विश्वविद्यायल अनुदान आयोग (यूजीसी) ने पीएचडी की बाध्यता को खत्म कर दिया था. अब झारखंड में भी यूजीसी नेट और सेट/जेट क्वालिफाई किए अभ्यर्थी स्टिटेंट प्रोफेसर बन सकते है.

झारखंड विधानसभा का मनाया गया स्थापना दिवस

झारखंड विधानसभा का 23वां स्थापना दिवस बुधवार को धूमधाम से मनाया गया. उत्कृष्ट विधायक रामचंद्र सिंह समेत विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 36 लोगों को इस स्थापना दिवस पर सम्मानित और पुरस्कृत किया गया. राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने की. **-फोटो रमीज**

घाटशिला की श्रेयशी ने जू. केबीसी में जीते 25 लाख

घाटशिला। एचसीएल/आईसीसी कंपनी के पूर्व कर्मचारी तथा कराटेकार गोपाल कृष्ण बनर्जी की 11 वर्षीय पोती श्रेयशी बनर्जी ने मंगलवार की देर शाम कौन बनेगा करोड़पति के जूनियर वर्ग के कार्यक्रम में न सिर्फ चयनित हुई, बल्कि हॉटसीट पर बैठ कर महानायक अमिताभ बच्चन के प्रश्नों का सही जवाब देते हुए 15वें पायदान पर केबीसी जूनियर में पहुंच गई. साथ ही 25 लाख रुपए का इनाम की राशि जिसे पॉइंट का नाम दिया गया है, उसे जीत लिया. श्रेयशी के दादाजी गोपाल कृष्ण बनर्जी ने बताया कि उनकी पोती बचपन से मेधावी थी और घाटशिला के संत नंदलाल स्मृति विद्या मंदिर से बचपन में शिक्षा हासिल की है. वर्तमान में श्रेयसी के पिता ओडिशा के झारसुगुड़ा में कार्यरत हैं. उनकी माता भी सरकारी जॉब करती हैं.

जामताड़ा में 5 साइबर अपराधी गिरफ्तार

जामताड़ा। जिले के एसपी अनिमेष नैथानी के निर्देश पुलिस ने छापेमारी कर 5 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. छापेमारी में लोहरबंधा, बरमुंडी, दुधानी व लोकनियां गांव से आरोपियों को पकड़ा गया. जबकि एक आरोपी भाग गया. यह जनकारी एसपी ने दी. कहा कि लोहरबंधा से सहादत अंसारी, बरमुंडी से रिजवान व राकेश मंडल, दुधानी से विकास मंडल व नारायणपुर के लोकनिया से अशोक दास को गिरफ्तार किया गया है. पकड़े गए आरोपियों के पास से 16 मोबाइल, 21 सिम कार्ड, एक लैपटॉप, 25 हजार नकद और एक बुलेट जब्त की गई है. पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ जामताड़ा साइबर थाना में एफआईआर दर्ज की है. एसपी ने बताया कि साइबर अपराधी यू-ट्यूब चैनल के ओनर्स को ई-मेल भेज कर सब्सक्राइबर बढ़ने पर भुगतान का झांसा देकर ओनर्स का मोबाइल नंबर व अन्य जानकारियां प्राप्त कर लेते थे. इसके बाद आये कॉल से फोन करने वाले की बैंक डिटेल प्राप्त कर ठगी करते थे. **-पूरी खबर पेज 6 पर**

ब्रीफ खबरें

आवास बोर्ड की बैठक में राजस्व बढ़ाने पर चर्चा

रांची। झारखंड राज्य आवास बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान ने बोर्ड के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर बोर्ड के कार्यों की समीक्षा की. बैठक में सभी प्रमंडलीय कार्यपालक अभियंता, मुख्य अभियंता, विधि पदाधिकारी और सचिव मौजूद थे. अध्यक्ष ने पदाधिकारियों से बोर्ड की प्रापर्टी की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली. विकास योजनाओं पर चर्चा की और राजस्व बढ़ाने पर जोर दिया. सभी कार्यपालक अभियंताओं को निर्देश दिया कि नये बने सभी फ्लैटों की लॉटरी करवा कर लाभुकों को आवास हैंडओवर किया जाए. बैठक में बोर्ड के सचिव विनय मनीष लकड़ा, मुख्य अभियंता नरेंद्र शर्मा समेत कई पदाधिकारी मौजूद थे.

साहिबगंज एसपी को ईडी ने भेजा दूसरा समन

रांची। ईडी के गवाहों को भड़काने के आरोपी साहिबगंज के एसपी नौशाद आलम को ईडी ने बुधवार को दूसरा समन जारी किया है. उन्हें 28 नवंबर को पूछताछ के लिए बुलाया गया है. इससे पहले 10 नवंबर को पहला समन भेजा था. जिसमें 22 नवंबर को हिनू स्थित क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचने को कहा था. इस समन के बाद वे ईडी कार्यालय नहीं पहुंचे. उन्होंने ईडी को चिट्ठी लिखी और समय की मांग की. जिसके बाद ईडी ने दूसरा समन जारी किया है. ईडी को लिखी चिट्ठी में उन्होंने कहा है कि पुलिस मुख्यालय से इस संबंध में मंतव्य मांगा है. उन्होंने मुख्यालय में अधिकारियों से मुलाकात की है. **-पूरी खबर पेज 5 पर**

भारत ने शुरू की कनाडा के लिए वीजा सेवा

ओटावा/नई दिल्ली। भारत ने एक कनाडाई सिख अलगाववादी नेता की हत्या में भारत सरकार की संभावित संलिप्तता के कनाडा के आरोपों को लेकर शुरू हुए राजनयिक विवाद के बाद वहां के नागरिकों के लिए निलंबित की गई इलेक्ट्रॉनिक वीजा सेवा को बुधवार को बहाल कर दिया. इस निर्णय को दोनों देशों के बीच तनाव कम करने की दिशा में एक कदम माना जा रहा है. सितंबर में भारत और कनाडा के रिश्तों में तब तनाव पैदा हो गया जब कनाडा के पीएम ट्रूडो ने निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता का आरोप लगाया था.

राहुल की शिकायत चुनाव आयोग पहुंची

नई दिल्ली। भाजपा ने पीएम नरेंद्र मोदी के लिए राहुल गांधी और खड़गे पर अपशब्दों के इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग से मुलाकात कर, राहुल और खड़गे के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है. भाजपा के राधा मोहन अग्रवाल और ओम पाठक ने चुनाव आयोग से मुलाकात कर शिकायत की कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी के ओबीसी समुदाय से जुड़े होने को लेकर गलत बयानबाज़ी की है. वहीं, राहुल गांधी ने पीएम के लिए पनौती और जेबकतरे जैसे अपशब्दों का इस्तेमाल कर मॉडल कोड ऑफ कन्डक्ट और कानूनों का घोर उल्लंघन किया है.

6 जिलों की नर्सरियों में एक भी पौधे की बिक्री नहीं

हाल ए वन विभाग

रवि भारती। रांची

झारखंड का वन विभाग एक पहेली बन गया है. पौधों की उत्तरजीविता का वन विभाग को पता नहीं है. वन विभाग कभी कहता है कि 5 फीसदी पौधे मर जाते हैं, तो कभी 18 से 20% पौधे मर जाते हैं. खुद वन विभाग के आंकड़े बता रहे कि राज्य की 57 नर्सरियों में 57.17 लाख पौधे उगाए गए, लेकिन 30, 96,727 की बिक्री नहीं हुई. नर्सरी मैनेजमेंट में विभाग का सालाना बजट लगभग 50 करोड़ का होता है.

नौ नर्सरियों में एक भी पौधे की बिक्री नहीं : 5 जिले की नौ नर्सरियों ने 8.17 लाख पौधे उगाए, लेकिन एक भी पौधे की बिक्री नहीं हुई. जामा- दुमका नर्सरी में 50-50 हजार, मसलिया, काठीकुंड, रामगढ़ (दुमका), जामा, जामताड़ा व नीमडीह में 1-1 लाख पौधे उगाए गए. वहीं रांची के नामकुम में 117455 पौधे उगाए, लेकिन सभी जगह पौधों का खरीदार नहीं मिला. **-शेष पेज 10 पर**

57 नर्सरी में उगाए गए 57.17 लाख पौधे, नहीं बिके 31 लाख

इन नर्सरियों में शत-प्रतिशत बिक्री

बालूमाथ, सिमरिया, बरही, रामगढ़ वन, रामगढ़ टू, पतरातू, गोविंदपुर, तोपचांची, टुंडी,बहरागोड़ा, चाकुलिया, घाटशिला और डुमरिया की नर्सरी से शत-प्रतिशत पौधों की बिक्री हुई है.

क्या है वन विभाग की योजना : वन विभाग की योजना कम कीमत में पौधा बेच कर लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का है. इस कारण छोटे पौधों की कीमत प्रति पौधा पांच रुपए रखी गई है. जबकि अपग्रेटेड बड़े पौधों की कीमत प्रति पौधा 15 रुपए रखी गई है. इसके बावजूद वन विभाग को कोई खरीदार नहीं मिल रहा. वन विभाग की नर्सरियों मे औसतन फलदार सहित 35 प्रजाति के पौधे उगाए जाते हैं.

जांच की आंच में वन विभाग

पौधों की खराब क्वालिटी और इसकी उत्तरजीविता को ले वन विभाग जांच की आंच में है. बिरसा हरित ग्राम योजना में प्रति एकड़ 3.56 लाख खर्च करके पौधे लगाये गये, लेकिन 41% तक मर गये. साहिबगंज और पाकुड़ में 40 से 41% तक पौधे मरे. दुमका व धनबाद में 16 से 20% पौधे मर गये . **इन नर्सरियों में पौधे ही नहीं उगाए गए :** नवाडीह, मरकच्चो, सतगांवा, लातेहार, सेन्हा, तेनुघाट, कुड़ू, गोमिया, बेंगाबाद, चैनपुर, जमुआ, पेटरवार, बगोदर, सरिया, जरीडीह, मोहनपुर, रायडीह, तोरपा, सिल्ली, सिमडेगा, नवाडीह, देवगढ़ रेंज वन, देवघर रेंज टू, कुरडेग, देवीपुर, मधुपुर, रंका, दारू, विष्णुगढ़ और चंदवारा.

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजीव साहू के अनुसार वन विभाग के स्थायी पौधशाला में मौजूद पौधों को लेकर आमजन में जागरुकता की कमी है. इसके लिए विभाग की ओर से लोगों को जागरुक किया जा रहा है, ताकि लोग वन विभाग के ही नर्सरी से पौधा ले सकें. पौधशाला में स्टॉक रखना पड़ता है ताकि वह अगले साल भी काम आ सके.

बिहार में फिर विशेष राज्य का झुनझुना

उठी मांग

ज्ञानवर्द्धन मिश्र। पटना

बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग में अब 'हकीकत कम, फसाना अधिक' दिखता है. यह ऐसा मुद्दा है, जिसे खास मौके पर भुनाने की कोशिश की जाती रही है. बिहार में विशेष राज्य का दर्जा की मांग इन दिनों एक बार फिर सुर्खियों में है.

बिहार मंत्रिमंडल ने बुधवार को बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने के लिए केंद्र सरकार से अनुरोध करने का प्रस्ताव पारित किया है. केंद्र सरकार से अनुरोध किया गया है कि बिहार के लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए बिहार को शीघ्र विशेष राज्य का दर्जा मिले. गौरतलब है कि सीएम नीतीश कुमार बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग 2010 से ही कर रहे हैं. इसके लिए 24 नवंबर 2012 को गांधी मैदान में व 17 मार्च 2013 को दिल्ली में अधिकार रैली भी की थी.

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर जानकारी देते हुए कहा कि यदि केंद्र सरकार द्वारा बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिल जाए, तो सरकार इस काम को बहुत कम समय में ही पूरा कर लेगी. ऐसे में तय है कि 2024 लोकसभा चुनाव में बिहार में एक बार फिर आरक्षण के साथ -साथ बिहार को विशेष दर्मांजा देने की मांग चुनावी एजेंडा बनेगा.

कैबिनेट में केंद्र से अनुरोध का प्रस्ताव पारित

- केंद्र की यूपीए सरकार ने खारिज किया था प्रस्ताव
- तब केंद्र में ताकतवर मंत्री हुआ करते थे लालू प्रसाद
- प्रधानमंत्री कर रहे हैं बिहार की भरपूर मदद : सुशील मोदी

अब किसी राज्य को विशेष दर्जा नहीं

राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि 14 वें वित्त आयोग ने "विशेष राज्य" की अवधारणा को ही अमान्य कर दिया,अब किसी राज्य को विशेष दर्जा नहीं दिया जा सकता, इसलिए पीएम बिहार को विशेष आर्थिक पैकेज देकर विशेष दर्जा से कई गुना अधिक मदद कर रहे हैं. नीतीश जब विरोधी खेमे में रहते हैं, तब अड़ंगेबाजी करते हैं और चुनाव पास देख केंद्र को बदनाम करने के लिए विशेष दर्जे की मांग शुरू कर देते हैं.

केंद्र की ओर से मिल रही भरपूर मदद : मोदी ने कहा कि जब नीतीश और लालू केंद्र में मंत्री रहे, तब इन्होंने विशेष राज्य का दर्जा क्यों नहीं दिलवाया? एक लाख करोड़ से अधिक राशि खर्च कर बिहार में जो आधा दर्जन मेगा ब्रिज और 4, 6- लेन सड़कें बन रही है, वह क्या केंद्रीय मदद नहीं है? क्या बिना केंद्रीय मदद के राज्य के 2.5 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आ गए?

पप्पू, पनौती और राहुल गांधी...

सुरजीत सिंह

टिप्पणी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वर्ल्ड कप क्रिकेट में भारतीय टीम की हार का जिक्र करते हुए "पनौती" शब्द का उल्लेख किया. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लिए बिना यह बोला. समर्थकों ने इसका स्वागत किया. खूब ताली बजी. कांग्रेस के नेताओं ने तुरंत इसे पूरे देश में फैलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी. चुनावी रैली में यह कहा गया. संभव है, चुनाव में इसका फायदा भी मिले. संभव है प्रधानमंत्री मोदी के नाम के साथ "पनौती" शब्द ठीक वैसे ही जुड़ जाए, जैसे कि कभी राहुल गांधी के साथ "पप्पू" शब्द जुड़ा था. यह अलग बात है कि जो शब्द राहुल गांधी ने बोले, वह पहली बार नहीं आया. देश के एक बड़े वर्ग में यह शब्द खूब बोला जा रहा. मीम्स और चुटकुले बनाए जा रहे हैं. पर, इन सबसे अलग सबसे बड़ा नुकसान राहुल गांधी को ही हुआ है और होगा.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत भाजपा के तमाम नेताओं ने पिछले दस सालों में राहुल गांधी पर इस तरह के कई हमले किए. राहुल गांधी के नाम के साथ कई अपमानजनक उपनाम जोड़े. राहुल गांधी ने कभी इनका जवाब नहीं दिया. संघर्ष किया. हमेशा ऐसे शब्दों से खुद को दूर रखा, जो किसी के लिए अपमानजनक हो. यही कारण है कि देश के बहुत सारे लोग राहुल गांधी को बिल्कुल ही अलग तरह का राजनेता मानने लगे थे. मीडिया में इसे लेकर कई लेख भी प्रकाशित हुए. जिसमें बताया गया कि राहुल गांधी दूसरे राजनेताओं से अलग हैं. नेताओं को अपमानित नहीं करते. नफ़रत की बात नहीं करते. मुहब्बत की दुकान की बात करते हैं. पर एक झटके में यह तिलिस्म टूट गया. बिगड़ गया. बिखरने लगा.

सोशल मीडिया पर कुछ कांग्रेसी कह रहे हैं- लोग कहते थे, राहुल गांधी में नेता जैसा गुण नहीं है. शरीफ़ हैं. लो अब बिगड़ गया. आज के दौर नेताओं की तरह बोलने लगे. फिर दिक्क़त क्या है.

सोशल मीडिया पर कुछ कांग्रेसी कह रहे हैं- लोग कहते थे, राहुल गांधी में नेता जैसा गुण नहीं है. शरीफ़ हैं. लो अब बिगड़ गया. आज के दौर नेताओं की तरह बोलने लगे. फिर दिक्क़त क्या है. ऐसे कांग्रेसी नेताओं को दो-तीन बातें समझ लेनी चाहिए. पहली- राहुल गांधी को जो सफलता मिल रही है, उसकी वजह उनकी शालीनता, सहजता है न कि उद्दंडता. आज के दौर में अलग दिखना ही उनकी पहचान है. दूसरी- राहुल गांधी के बयान के बाद भाजपा ने तुरंत बयान जारी कर इस पूरे मामले में इंदिरा गांधी का नाम ला दिया. यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि भाजपा के नेता गांधी परिवार में इंदिरा गांधी का नाम लेकर हमला करने से परहेज़ करते रहे हैं. लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ. तीसरा- अपमानजनक शब्दों का उल्लेख कर दूसरे को नीचा दिखाने का जो खेल है, उसकी पिच भाजपा ने तैयार की है. इस पिच पर भाजपा नेताओं से लड़ना आसान नहीं. अगर लड़ने लगे, तो आपको बहुत नीचे तक जाना पड़ेगा. यह बात कांग्रेसियों की समझ में जितनी जल्दी आ जाए, उतनी बेहतर. क्योंकि बात निकली है, तो दूर तलक जाएगी...

गढ़वा : महिला को 'तालिबानी' सजा, जूते पर थूक कर चटवाया

शर्मनाक घटना

संवाददाता। गढ़वा

- 20 जूते मारे और उठक-बैठक कराया, 56 हजार का जुर्माना भी लगाया गया

राज्य के गढ़वा जिले में शर्मनाक खबर सामने आयी है. यहां महिला को भरी पंचायत में 20 जूते मारे गए. इतना ही नहीं पीड़िता को जूते पर थूक कर चाटने को मजबूर किया गया, कान पकड़ कर उठक-बैठक कराई गयी. इतना कुछ करने के बाद भी पंचों को मन नहीं भरा. उन्होंने उस पर 56 हजार का जर्माना भी लगाया और उसके बहिष्कार का भी फैसला सुनाया गया.

चरित्रहीन और डायन बता कर ढाया जुल्म : पीड़िता का कहना है कि घटना के अगले ही दिन मेराल थाने में आवेदन दिया, लेकिन केस दर्ज नहीं किया गया. अब ऑनलाइन कंप्लेन दर्ज कराई है. घटना गढ़वा के मेराल थाना अंतर्गत तिसरटेटुका गांव की है. पीड़िता मुस्लिम की है. पंचायत इसी समाज के लोगों ने बिठाई थी. महिला को डायन करार देकर यह जुल्म किया गया.

3 महीने पहले की घटना : घटना तीन महीने पुरानी है. इसकी शिकायत अब दर्ज हुई है. पीड़िता ने शिकायत में कहा है कि बीते 15 अगस्त की रात पंचायत बिठाई गई. गांव के जब्बार, मुजाहिद, इलियास, साकिर, मोकिर, असगर आदि उसके घर पहुंचे और उसे एवं उसके पति को पंचायत में ले गए. वहां उस पर एक युवक से अवैध संबंध के आरोप लगाए. डायन होने भी आरोप मढ़ा गया. उसने आरोपों से इंकार किया, लेकिन महिला को दंडित किया गया.

धूमधाम से मनाया गया झारखंड विधानसभा का 23वां स्थापना दिवस

फोटो- सैयद रमीज

सर्वोच्च पंचायत को बचाना होगा : सीएम

सत्य शरण मिश्रा। रांची

झारखंड विधानसभा का 23वां स्थापना दिवस बुधवार को धूमधाम से मनाया गया. उत्कृष्ट विधायक रामचंद्र सिंह समेत विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 36 लोगों को इस अवसर पर सम्मानित और पुरस्कृत किया गया. राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया. मुख्यमंत्री कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद थे.

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि विधानसभा राज्य की सर्वोच्च पंचायत है. यह महापंचायत मंदिर-मस्जिद और गुरुद्वारे से भी ऊपर है. यहां पर न सिर्फ राज्य के आम लोगों, बल्कि झारखंड के जल, जंगल, जमीन और जीव-जंतुओं के लिए भी नीतियां बनती हैं. इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इसकी महत्ता क्या है. इस महापंचायत में विधायकों की अहम भूमिका होती है. हजारों-लाखों लोग उम्मीद के साथ अपना जनप्रतिनिधि यहां भेजते हैं. हमें हर हाल में लोकतंत्र की इस महापंचायत को टूटने और नुकसान होने से बचाना होगा. इसकी जड़ों को और भी मजबूत करना होगा.

सदन में ईमानदारी से अपनी ड्यूटी निभाएं : राज्यपाल : विधानसभा स्थापना दिवस के मौके पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि यह हमारा दायित्व है कि हम सदन में ईमानदारी से अपनी ड्यूटी निभाएं. हमें शिक्षा, स्वास्थ्य और गरीबी जैसे मुद्दों पर मिल कर काम करना होगा. झारखंड में विकास की अपार संभावनाएं हैं. लोकतांत्रिक व्यवस्था व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं है. हमें लोगों की भलाई के लिए सोचना है. झारखंड विधानसभा को देश के अन्य विधानसभाओं से श्रेष्ठ बनने के लिए हमें दलगत भावना से ऊपर उठ कर काम करना होगा. राज्यपाल ने कहा कि यह खुशी की बात है कि झारखंड के मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष, दोनों युवा शक्ति के प्रतीक हैं. दोनों काफी ऊर्जावान हैं और दोनों बेहतर कार्य करेंगे.

सम्मान पाने वाले उत्कृष्ट विधानसभा कर्मी

- मिथिलेश कुमार मिश्र, संयुक्त सचिव
- विष्णु पासवान, अवर सचिव
- नियाज अहमद, प्रशाखा पदाधिकारी
- निलेश कुमार सिंह, प्रशाखा पदाधिकारी
- तापस कुमार यादव, वरीय सचिवालय सहायक
- माइकेल लकड़ा, अनुसेवक

नीट (यूजी) और जेईई (मेन) में झारखंड के टॉपरों को किया गया सम्मानित

- राखी कुमारी, फर्स्ट टॉपर, नीट(यूजी)
- शुभांगिनी, सेकेंड टॉपर, नीट(यूजी)
- आस्था अग्रवाल, थर्ड टॉपर, नीट(यूजी)
- हिमांशु रंजन तिवारी, नीट (ईडब्ल्यूएस)
- खुशबू कुमारी, नीट (यूजी) 2023, (एसटी)
- लिशा कुमारी, नीट (यूजी) 2023, (एससी)
- अभय कुमार साहू, नीट (यूजी) 2023, (ओबीसी)
- सुमित बेरा, फर्स्ट टॉपर, जेईई (मेन)
- अशद अली जाफरी, सेकेंड टॉपर, जेईई (मेन)
- आशीष कुमार अग्रवाल, थर्ड टॉपर, जेईई (मेन)

10वीं और 12वीं के टॉपरों को पुरस्कार

- श्रेया सोनगिर, मैट्रिक टॉपर
- दिव्या कुमारी, इंटर साइंस टॉपर
- कशिश परवीन, इंटर आर्ट्स टॉपर
- सृष्टि कुमारी, इंटर कॉमर्स टॉपर

समाजसेवा के क्षेत्र में ये हुए सम्मानित

- चामी मुर्मू, समाजसेवी
- छुटनी देवी, समाजसेवी
- फलक फातिमा, समाजसेवी
- आलोक दुबे, समाजसेवी
- आलोक चौधरी, समाजसेवी

वीरता पदक प्राप्त इन वीरों को मिला सम्मान

- राकेश कुमार, लेफ्टिनेंट कर्नल
- विजय उरांव, आरक्षी, 209 कोबरा बटालियन
- शहीद अमित कुमार तिवारी, अवर निरीक्षक, झारखंड जगुआर
- शहीद गौतम कुमार, आरक्षी, झारखंड जगुआर

जनता के सुख-दुख के लिए समर्पित रहेगा हमारा जीवन : रामचंद्र सिंह

उत्कृष्ट विधायक का सम्मान पाने वाले विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा कि यह सम्मान पाना उनके लिए सौभाग्य की बात है. इस पुरस्कार के लिए चुनने के लिए उन्होंने चयन समिति के प्रति आभार जताया. कहा कि वे आज ऐसा महसूस कर रहे हैं, जैसे उनके राजनीतिक जीवन की उंचाइयों को चार चांद लग गये हों. विधायक ने कहा कि वे संकल्प लेते हैं कि जबतक उनका जीवन रहेगा, जनता के सुख-दुख के लिए समर्पित रहेंगे.

कमजोर होता जा रहा है लोकतांत्रिक और संघीय ढांचा : आलमगीर आलम

संसदीय कार्यमंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि झारखंड विधानसभा 23 साल का सफर पूरा कर युवा अवस्था में पहुंच चुका है. उन्होंने कहा कि उन्हें महसूस होता है कि आज के दौर में लोकतांत्रिक और संघीय ढांचा कमजोर होता जा रहा है. विधायकों को यह ध्यान रखना चाहिए की वे सदन में किसके लिए चुन कर आते हैं. सत्ता पक्ष और विपक्ष का काम सदन में सिर्फ विधेयक पारित करने का ही नहीं है. हमें जनता के सारे सवालों का जवाब देना होगा.

अगर सेवा भाव से आगे बढ़ेंगे तो देश-दुनिया में चर्चा होगी: अमर बाउरी

नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि झारखंड विधानसभा 23 सालों में कई ऐतिहासिक पलों का गवाह बना है. यहां से राज्य की करीब साढ़े तीन करोड़ जनता के लिए नीतियों को निर्धारण होता है. विधानसभा से ही राज्य से लेकर क्षेत्र तक के मुद्दों पर फैसले लिये जाते हैं. अगर सभी विधायक सेवा परम धर्म के भाव को लेकर आगे बढ़ेंगे, तो देश-दुनिया में झारखंड की चर्चा होगी. आगे कहा कि विरोधी दल के रूप में झारखंड की बेहतरी के लिए जो भूमिका होगी, हमलोग उसे निभाएंगे.

चार साल में हुए तीन ऐतिहासिक विधायी कार्य : स्पीकर

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा के 23वें स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को स्पीकर रवींद्रनाथ महतो ने संबोधित किया. अपने संबोधन में रवींद्रनाथ महतो ने कहा कि पिछले चार वर्षों में झारखंड विधानसभा में तीन ऐतिहासिक विधायी कार्य हुए हैं, जिसके लिए पांचवीं झारखंड विधानसभा को झारखंड के राजनैतिक इतिहास में लंबे समय तक याद किया जाएगा. झारखंड वासियों की अस्मिता के प्रश्न को ध्यान में रखते हुए सदन के विशेष सत्र में सरना धर्म कोड को पास किया जाना एक महत्वपूर्ण कदम था, जिसपर इस सदन ने पक्ष-विपक्ष के अंतर को भूल कर सर्वसम्मति से उसे पास किया था.

निकट भविष्य में दो विधेयकों को कानून का रूप दिया जाएगा : स्पीकर ने कहा कि झारखंड पदों एवं सेवाओं की रिक्तियों में आरक्षण संशोधन विधेयक (2022), झारखंड स्थानीय व्यक्तियों की परिभाषा व परिणामी सांस्कृतिक और अन्य लाभों को ऐसे स्थानीय व्यक्तियों तक विस्तारित करने के लिए विधेयक (2022) राज्य गठन के उन मौलिक उद्देश्यों के पूर्ति की ओर एक महत्वपूर्ण कदम थे. इनके लिए हमारे राज्य निर्माताओं ने राज्य गठन के आंदोलन में अपना रक्त बहाया था. इन दोनों विधेयकों पर भी सदन में पक्ष और विपक्ष का अंतर मिट गया था और सभी सदस्यों की सहमति से ये विधेयक सदन में पारित हुए थे. अब तक ये विधेयक कानून का रूप नहीं ले पाये हैं. हालांकि, स्पीकर ने उम्मीद जतायी कि निकट भविष्य में इन्हें कानून का रूप दिया जा सकेगा.

झारखंड की तस्वीर बदलने में कारगर साबित होगा नियोजन कानून 2021

स्पीकर रवींद्रनाथ महतो ने कहा कि विधायी हस्तक्षेप से जनकल्याण का सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण झारखंड के निजी क्षेत्र में स्थानीय उम्मीदवारों का नियोजन कानून 2021 है. इसके माध्यम से झारखंड में कार्यरत निजी संयंत्रों में 75 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गयी है और यह आरक्षण की व्यवस्था न केवल नीचे के पदों के लिए है, बल्कि 40 हजार रूपये के मानदेय तक के लिए है. अब तक करीब 50 हजार युवाओं को इस कानून के तहत नौकरियां दी गयी हैं.

आपकी बात

असहाय और गरीब बच्चों की मदद करके मिलती है संतुष्टि, निष्ठा भाव से करते हैं लोगों की सेवा

नाम : भोलानाथ सिंह मुंडा
पेशा : समाजसेवक
विशेषज्ञ : समाजसेवक
निवास : मोरहाबादी

बैंक में काम करने के साथ-साथ समाजिक कार्य में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने वाले भोलानाथ सिंह मुंडा आदिवासी समाज में काफी मशहूर हैं. ईमानदारी, निस्वार्थ सेवा भाव के कारण लोग इन्हें समाजसेवक के रूप में जानते हैं. उन्होंने 20 साल तक बैंक में नौकरी की. उसके बाद बैंक का मैनेजर भी बने. इसके बाद भी वे समाज के कार्यों में हमेशा आगे रहते हैं. 2015 में वे सेवानिवृत हो गये. उसके बाद से लेकर अबतक आदिवासियों के बीच कार्यक्रम में में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं. वर्तमान में वह झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के रिटायर एसोसिएशन के महासचिव हैं. वे हमेशा बैंक कर्मियों की आवाज को सरकार के समक्ष रखने का प्रयास करते रहते हैं. पूरी ईमानदारी और निष्ठा भाव से वे आज भी समाज सेवा कार्य में जुटे हुए हैं. इसके साथ-साथ बैंक इंप्लाइज फेडरेशन ऑफ इंडिया के झारखंड यूनिट के सलाहकार भी हैं. केंद्र सरकार द्वारा सरकारी संस्थाओं जैसे एयरपोर्ट,रेलवे स्टेशन एवं बैंक के निजीकरण के विरोध में वह राजभवन के समक्ष प्रदर्शन कर चुके हैं. वे हमेशा आदिवासी जमीन लूट के खिलाफ आंदोलन करते रहते हैं और असहाय,अनाथ और बेसहारा लोगों की हमेशा मदद करते हैं, साथ ही बच्चों को शैक्षणिक सहयोग भी करते है. वह बैंक कर्मियों के साथ मिलकर दिल्ली के जंतर मंतर में प्रदर्शन कर चुके हैं. खूंटकटी दार के हजारों एकड़ जमीन का मालगुजारी काटते आ रहे हैं. भोलनाथ सिंह का मानना है कि असहाय और गरीब बच्चों की मदद करके संतुष्टि मिलती है. वर्तमान में वह चार असहाय आदिवासी गरीब बच्चों को अपने स्तर से पढ़ा रहे हैं.

शशिशेखर को पर्वतारोहण के लिए किया सम्मानित

रांची। झारखंड विधानसभा के स्थापना दिवस समारोह में शशिशेखर महतो को पर्वतारोहण में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया. शशिशेखर माउंट एवरेस्ट को फतह करने वाले आठवें झारखंडी पर्वतारोही हैं.बोकारो जिले के सुदूर क्षेत्र कसमार प्रखंड के पाड़ी गावं में जन्मे शशिशेखर महतो गोमिया के विधायक लंबोदर महतो के पुत्र हैं. शशि शेखर का एवरेस्ट एक्सपीडिशन के संदर्भ में कहना है कि ये उनके लिए एक टेम्परेरी सेटबैक है, आगे और मेहनत के साथ बड़े लक्ष्य को हासिल करना चाहते है. शशि शेखर अपने गांव पाड़ी ,झारखंड और देश का विश्व में नाम रोशन करना चाहते है. अपनी माता कौशल्या देवी व पिता डॉ लंबोदर महतो को अपनी प्रेरणा मानते हैं.

शहर में आज

1. प्रभात फेरी : विभिन्न गुरुद्वारों में सुबह 5 बजे से
2. विज्ञान प्रदर्शनी : जेवियर स्कूल, डोरंडा में 8.30 बजे से
3. खाटू श्याम जन्मोत्सव, श्याम मंदिरों में 10 बजे से
4. तुलसी विवाह : अग्रसेन भवन में 11 बजे से
5. चौकीदार दफादार संघ का प्रदर्शन : राजभवन के पास 11.30 बजे से
6. मेदांता अस्पाताल की प्रेस वार्ता : प्रेस क्लब में 1 बजे से
7. लीजेंड लीग क्रिकेट : जेएससीए स्टेडियम में 3 बजे से
8. सामूहिक विवाह : अग्रसेन भवन अपर बाजार में 4 बजे से
9. सांस्कृतिक कार्यक्रम : विधानसभा में शाम 6 बजे से

सूचना: शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप 8102917469 पर दे सकते हैं.

क्लासिफाइड

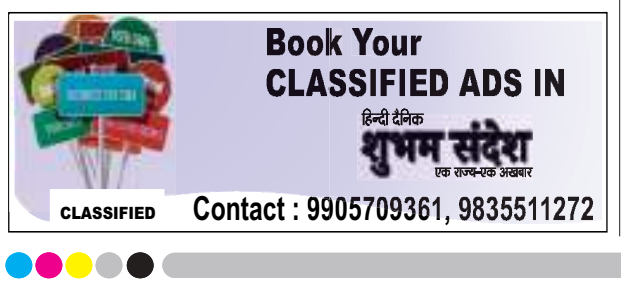

इटकी में निर्माणाधीन अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के कार्य का कमिश्नर ने लिया जायजा

रांची। दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के कमिश्नर मनोज जायसवाल ने इटकी में निर्माणाधीन अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के कामकाज का जायजा लिया. निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्धारित समय सीमा के अंदर काम कंप्लीट करने का निर्देश दिया. आयुक्त ने क्षेत्र के पोलिंग बूथों का भी निरीक्षण किया. इस दौरान आयुक्त के साथ उनके सचिव जुल्फिकार अली, उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक सुमन और डीएसओ प्रदीप भगत भी मौजूद थे.

केंद्र और उत्तराखंड सरकार को सीएम ने कठघरे में खड़ा किया

संवाददाता। रांची

सीएम हेमंत सोरेन ने उत्तराखंड टनल हादसे को लेकर उत्तराखंड सरकार के साथ-साथ केंद्र सरकार को भी कटघरे में खड़ा किया है. मुख्यमंत्री ने कहा कि टनल में फंसे मजदूरों के प्रति सरकार की जो संवेदनाएं होनी चाहिए, वह नहीं दिख रही हैं.

उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड के अधिकारी उत्तराखंड में बैठकर इंतजार कर रहे हैं कि मजदूर कब बाहर निकलें और वे उन्हें लेकर झारखंड आएं. सीएम ने कहा कि चिंता इस बात की है कि इस तरह की परियोजनाओं में सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम होना चाहिए, जो उत्तराखंड में नहीं किया गया था.

अब सिर्फ इंतजार ही किया जा सकता है

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि उत्तराखंड में यह कोई पहली घटना नहीं है. इससे पहले भी एनटीपीसी के प्रोजेक्ट में झारखंड के कई मजदूरों को जान से हाथ धोना पड़ा था. 10 दिन से अधिक हो चुके हैं, लेकिन अभी भी मजदूरों के टनल से निकलने की कोई श्योरिटी नहीं दिख रही है. अंदाजा लगाया जा सकता है कि वे लोग किस तनाव से गुजर रहे होंगे.

योगेंद्र व अंबा प्रसाद पर मुकदमा दर्ज हो : भाजपा

रांची। सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा के मामले को लेकर भाजपा ने पूर्व मंत्री योगेंद्र साव और विधायक अंबा प्रसाद पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है. 24 घंटे के अंदर अगर प्रशासन ने मुकदमा दर्ज नहीं किया गया, तो भाजपा ने आंदोलन करने की चेतावनी दी है. भाजपा युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति सदस्य पूनम साहू ने प्रेस बयान जारी कर अंबा प्रसाद और उनके परिवार पर पहले भी ऐसे जमीन हड़पने का गंभीर आरोप लगाया है. पूनम ने झारखंड सरकार पर भी जमीनों पर अवैध कब्जे का आरोप लगाते हुए कहा कि महागठबंधन की सरकार में पूरे राज्य में लूट मची हुई हैं. उन्होंने कहा कि प्रशासन 24 घंटे में योगेंद्र साव और अंबा प्रसाद पर मुकदमा दर्ज नहीं कराती है, तो भाजपा जोरदार आंदोलन करेगी.

मुख्यमंत्री से मिला गुरुनानक सत्संग सभा का प्रतिनिधिमंडल

संवाददाता। रांची

रांची के कृष्णा नगर गुरुनानक सत्संग सभा के एक प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड मंत्रालय में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की. प्रतिनिधिमंडल ने सीएम को 25 नवंबर को गुरुनानक देव के 555वें प्रकाश पर्व पर आयोजित नगर कीर्तन से पहले होने वाले समागम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया.

प्रतिनिधिमंडल में गुरुनानक सत्संग सभा प्रबंधक कमेटी के प्रधान द्वारका दास मुंजाल, सचिव अर्जुन मिड्ढा, पूर्व प्रधान हरविंदर सिंह बेदी, उप प्रधान सुरेश मिड्ढा, सदस्य जीतू अरोड़ा, अश्विनी सुखीजा, हरगोविंद गिरधर, इंदर मिड्ढा, हरीश मिड्ढा, अनूप गिरधर, चरणजीत मुंजाल व अशोक गेरा शामिल थे.

आज से संथाल प्रवास पर रहेंगे बाबूलाल मरांडी

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी 23 से 26 नवंबर तक संथाल परगना के प्रवास पर रहेंगे. अपने चार दिवसीय दौरे में वे कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे. बाबूलाल संथाल में भाजपा एसटी मोर्चा द्वारा आयोजित मोटरसाइकिल रैली में भी शामिल होंगे. भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठन ने जानकारी देते हुए बताया कि बाबूलाल 23नवंबर को रांची से सड़क मार्ग से दुमका रवाना होंगे. 24 नवंबर को पाकुड़ जिला में विभिन्न सांगठनिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे. 25 नवंबर को अनुसूचित जनजाति मोर्चा द्वारा आयोजित मोटरसाइकिल रैली में शामिल होंगे. इस रैली का शुभारंभ शहीद स्थल भोगनाडीह से होगा. रैली विभिन्न स्थानों से गुजरेगी और 26 नवंबर को साहिबगंज के बोरियो तीन पहाड़ होते हुए बरहरवा में संपन्न होगी.

जुबानी हमला झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम ने अपनी ही सरकार पर साधा निशाना, कहा-

इस सरकार में आदिवासियों की जमीन सुरक्षित नहीं

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो के वरिष्ठ विधायक लोबिन हेंब्रम ने रांची में पुरानी विधानसभा के अपने विधायक आवास में प्रेस वार्ता कर अपनी ही सरकार पर जमकर हमला बोला. उन्होंने बताया कि आज सरकार विधानसभा स्थापना दिवस पर करोड़ों रुपए खर्च कर रही है. लेकिन यहां के आदिवासी व दलितों की जमीन बचाने के लिए सीएनटी-एसपीटी एक्ट नहीं बनाया और ना ही युवाओं की नौकरी के लिए एक भी परीक्षा आयोजित की.

आदिवासियों की जमीन अब सुरक्षित नहीं : लोबिन हेंब्रम ने कहा कि राज्य निर्माण के 23 साल हो गए, आदिवासी मुख्यमंत्री होने के बावजूद जमीन सुरक्षित नहीं है. जब जमीन सुरक्षित नहीं रहेगी, तो आदिवासी कैसे बचेगा. उनकी भाषा-संस्कृति भी खतरे में है. आज तक झारखंड में स्थानीय नियोजन नीति नहीं बनी. आदिवासी गरीबी हालत में अपने बच्चों को पढ़ा रहे हैं. लेकिन इस सरकार में चार साल के कार्यकाल में एक भी वैकेंसी नहीं निकली. क्या? आदिवासियों ने इस सरकार को इसीलिए चुना था. आगे लोबिन हेंब्रम ने कहा कि कभी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खतियानी

खास बातें

- युवाओं के लिए एक भी परीक्षा आयोजित नहीं की
- अभी तक कोई भी काम धरातल पर नहीं उतर पाया

जोहार यात्रा निकालते हैं, तो कभी सरकार आपके द्वारा लगाते हैं. ऐसा कहते हुए लोबिन ने सीएम पर निशाना साधा.

लोबिन ने यह भी कहा कि सरकार का कोई भी कार्य धरातल पर नहीं आया है, जिसके कारण मुख्यमंत्री जनता के पास जा रहे हैं. यदि वे काम करते, तो उन्हें कहीं नहीं जाना होता. लोबिन हेंब्रम ने कहा कि वक्त आ गया है कि अब कोई ठोस निर्णय लेना होगा.

'सांसद नहीं, ठेकेदार हैं विजय हांसदा'

राजमहल से झामुमो के लोकसभा सांसद विजय हांसदा पर भी लोबिन ने हमला बोला. उन्होंने कहा कि अबकी बार जनता उन्हें सबक सिखाएगी. राज्य के लोग जाग चुके हैं और आने वाले समय में जबरदस्त जवाब मिलेगा. इससे आगे कहा कि एक अस्पताल तो विजय हांसदा ने बेच दिया, अभी क्या-क्या और भी बचेंगे. क्योंकि वे सांसद नहीं, ठेकेदार हैं.

तापमान
26° अधिकतम
14° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

5:05 सूर्यास्त आज
6:06 सूर्योदय कल

रांची एवं पटना से प्रकाशित

रांची ● गुरुवार, 23 नवंबर 2023 ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 10, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 215

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

रिम्स ओपीडी

विभाग	डॉक्टर का नाम
मेडिसिनः	डॉ संजय कुमार सिंह
सर्जिकल आंकोलॉजीः	डॉ अजित कुमार कुशवाहा
ऑर्थोपेडिकः	डॉ विनय प्रभात
कार्डियोलॉजीः	डॉ प्रशांत कुमार
टीबी एवं चेस्टः	डॉ ब्रजेश मिश्रा
नेत्रः	डॉ दीपक लकड़ा
ऑब्स गायनीः	डॉ मीणा मेहता
ईएनटीः	डॉ संदीप कुमार
रेडिएशन ऑकोलॉजीः	डॉ अनूप
सीटीवीएसः	डॉ अंशुल कुमार
नेफ्रोलॉजीः	डॉ प्रज्ञा घोष पंत
सायकेट्रीः	डॉ अजय बाखला
पीडियाट्रिक सर्जरीः	डॉ अभिषेक रंजन

सदर ओपीडी

विभाग	डॉक्टर का नाम
मेडिसिनः	डॉ आशुतोष कुमार, डॉ अरुणोदय और डॉ सत्येंद्र
ऑब्स एंड गायनीः	डॉ किरण चंदेल, डॉ अनुवी
पीडियाट्रिक(शिशु रोग):	डॉ मृत्युंजय
हेमाटोलॉजीः	डॉ अभिषेक रंजन
पीडियाट्रिक सर्जरीः	डॉ जैनेंद्र
कार्डियोलॉजीः	डॉ राकेश झा
सर्जिकल अंकोलॉजीः	डॉ प्रकाश भगत
नेफ्रोलॉजीः	डॉ नवीन कुमार बर्णवाल

ब्रीफ खबरें

अंजुमन अस्पताल में पहुंचे 400 मरीज

रांची। राजधानी के अंजुमन इस्लामिया अस्पताल में बदलते मौसम की वजह से इलाज के लिए बड़ी संख्या में मरीज पहुंच रहे हैं. अस्पताल कर्मियों ने कहा कि ऐसे अस्पताल में रोजाना 400 से अधिक मरीज पहुंच रहे हैं. इनमें 200 मरीज सर्दी, खांसी, बुखार के हैं. बदलते मौसम में ठंड की दस्तक के साथ एक बार फिर से अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है. एक दिन पूर्व सदर अस्पताल में 1000 मरीज इलाज के लिए पहुंचे थे. इनमें 500 मरीज मौसमी रोग के थे.

रिम्स परिसर से हटाया गया अतिक्रमण

रांची। नगर निगम की टीम ने रिम्स में स्थित आश्रयगृह के आसपास से बुधवार को अतिक्रमण हटाया. मौके पर अधिकारियों ने बताया कि एक दिन पहले माइकिंग कर अतिक्रमित स्थानों को खाली करने का निर्देश दिया गया था. जिसके बाद बुधवार की सुबह 26 से ज्यादा दुकानों को हटाया गया. जानकारी देते हुए अधिकारियों ने कहा कि रिम्स में 50 बेड का आश्रयगृह बना हुआ है. लेकिन उसके गेट के आसपास के खाली जगह में स्थानीय लोगों ने अतिक्रमण कर लिया है. लोग अपने हिसाब से वहां छोटी-छोटी दुकान खोल कर बैठे हैं. जिससे इलाज के लिए रिम्स आने वाले लोगों को आश्रयगृह खोजने में दिक्कत आ रही थी. लोगों ने इसकी शिकायत की तो निगम की टीम ने वहां पहले जांच की. फिर आश्रयगृह के आसपास किए गए अतिक्रमण को टीम ने खाली कराया.

हरमू पुल के पास ऑटो पलटा, लगी आग

रांची। हरमू पुल स्थित पेट्रोल पंप के सामने सड़क पार बुधवार दोपहर 12 बजे एक डीजल ऑटो पलट गया. उसमें आग लग गई. पूरे ऑटो में धुआं भर गया. स्थिति देख लोगों में अफरा तफरी मच गई. पेट्रोल पंप के कर्मी अपना पेट्रोल देना छोड़ कर पेट्रोल पंप में रखा अग्नि शमन यंत्र लेकर पहुंचे. दो यंत्र से छिड़काव कर आग में काबू पाया गया. पेट्रोल पंप कर्मियों ने बताया कि सभी को हम लोगों व आस पास के लोगों की सूझ बूझ से सबको बाहर निकाल लिया गया. ऑटो में बैठी महिला की गोद की बच्ची थोड़ी झुलस गई, चालक को गंभीर चोट लगी. ऑटो पलटने से डैमेज हुआ. मौके पर पहुंची पुलिस ने चालक एवं अन्य चोटिल लोगों को इलाज के लिये रिम्स भेजा.

ठंड बढ़ते ही आश्रयगृहों की मांग बढ़ी, नगर निगम कर रहा संचालन

तरुण कुमार चौबे। रांची

राजधानी रांची में ठंड ने दस्तक दे दी है. शाम होते ही हांड़ कंपा देने वाली हवा के कारण धीरे-धीरे सड़कों पर सन्नाटा पसर जा रहा है. इसके बाद भी शहर के कई इलाके ऐसे हैं, जहां बेघर व जरूरतमंद लोग खुले आसमान के नीचे सोने को विवश हैं. बेघर व जरूरतमंदों के लिए नगर निगम ने शहर के नौ स्थानों पर आश्रयगृह का संचालन शुरू किया है. इसके साथ ठंड़ बढ़ने पर निगम की तरफ से पिछले साल कि तरह अस्थाई आश्रयगृह भी बनाने कि योजना है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगो को रात्रि में ठंड़ से बचाया जा सके. लेकिन जानकारी के अभाव में लोग वहां नहीं पहुंच पा रहे हैं. ऐसे में शुभम संदेश आपको बता रहा है कि किस प्रकार आप अपने नजदीकी क्षेत्र के आश्रयगृह में निःशुल्क रात गुजार सकते हैं. इन रैन बसेरों में नगर निगम की तरफ से बेड और गद्दे-कंबल का इंतजाम किया गया है.

बेड - कंबल सब फ्री

नगर निगम द्वारा आश्रयगृह में रहने वाले लोगों को एक बेड, एक कंबल, एक तकिया, एक मच्छरदानी दी जाती है. निगम से मिली जानकारी के अनुसार इस वर्ष आश्रयगृह के लिए 150 से 200 कंबल और लिए जाएंगे. इसके अलावा यहां आनेवाले लोगों को सामान रखने में किसी प्रकार की परेशानी न हो. इसके लिए बेड के नीचे लगाये गये बक्से की चाबी भी दी जाती है. यहां शौचालय सहित पीने के पानी की भी व्यवस्था है. वहां पहुंचने के बाद उनका नाम, पता दर्ज करने के बाद उन्हें बेड अलॉट कर दिया जाता है.

रात गुजारने के लिए पहचान पत्र आवयश्क : जो भी व्यक्ति रात गुजारने के लिए आश्रयगृह जाना चाहते हैं, उन्हें आइडी प्रूफ के रूप में वोटर आइडी कार्ड या आधार कार्ड लेकर पहुंचना होगा.

पहले 34 हजार से 50 हजार तक दिये जाते थे

रांची शहर में कुल 10 आश्रय गृह हैं. महिलाओं के लिए सिर्फ 1 आश्रय गृह आरक्षित है. आदेश से पहले 10 बेड या उससे अधिक बैड वाले आश्रय गृह को महीने के 34 हजार मिलता था. 25 बेड से अधिक वाले आश्रय गृह को एक महीने में 50 हजार रुपए दिए जाते थे.

नगर निगम जरूरत के अनुसार करेगा कामः अपर प्रशासक

निगम के अपर प्रशासक कुंवर सिंह पाहन ने बताया कि ठंड के लिए हमारी तैयारी पूरी है. नगर निगम के अधिकारी सड़क पर रहने वाले लोगो को ठंड से बचाने के लिए आश्रयगृह पहुंचाने का काम करेगें.आश्रयगृह में हमारे पास कंबल बेड सभी चीज की व्यवस्था है. इसके साथ ठंड बढ़ने पर अलाव का भी इंतजाम किया जाएगा. साथ ही 24 नवंबर से 26 दिसंबर के बीच आपकी सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम के तहत हर वार्ड में कंबल भी बांटे जाएंगे.

रांची में कहां-कहां है आश्रय गृह

1. बिरसा मुंडा बस टर्मिनल कैंपस खादगढ़ा 50 बेड
2. बिरसा बस टर्मिनल कैंपस, खादगढ़ा में महिलाओं के लिए अलग से 50 बेड का आश्रय गृह
3. धुर्वा बस स्टैंड के समीप 16 बेड
4. एजी मोड़ डोरंडा के समीप 10 बेड
5. जगराज मंदिर के समीप 15 बेड
6. मधुकम चूना भट्ठा 10 बेड
7. कर्बला चौक के समीप 10 बेड
8. रिंग्स परिषद में 24 बेड वाला
9. बकरी बाजार में 10 बेड का आश्रय गृह

पहले एजेंसी के पास थी जिम्मेदारी

पहले रांची के सभी आश्रय गृह की जिम्मेवारी 5 एजेंसी- सैफ अप्रोच, फुरिदा, साई ब्यूटी एंड हेल्थ केयर, सदीक मासिक मेडिकल सोशल सर्वेंट सोसाइटी व सहगोनी के पास थी. लेकिन केंद्र के फैसले के बाद आश्रय गृहों को चलाने का जिम्मा नगर निगम को दे दिया गया . नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि जब तक एजेंसी का चयन नहीं किया जाता है, तब-तक निगम सभी आश्रय गृह का संचालन आंतरिक स्रोत से करेगा. जिसमें निगम के नागरिक सुविधा मद से इस पर होने वाले खर्च का व्यय किया जाएगा.

सरकारी खजाने से विधायकों का इनकम टैक्स भरा

9 साल में 45 करोड़ रुपये टैक्स भरा गया

रवि भारती । रांची

- 2014 से अब तक विधायकों की संपत्ति में लगभग 80% का इजाफा हो चुका है
- झारखंड में हैं 82 विधायक, जिनका आयकर सरकारी खजाने से भरा जा रहा

झारखंड के 82 जनप्रतिनिधियों को हैंडसम वेतन सहित अन्य भत्ते मिल रहे हैं, लेकिन उनका इनकम टैक्स सरकारी खजाने से ही भरा जा रहा है. हर साल 82 विधायकों के लिए औसतन 5 से 5.50 करोड़ रुपये टैक्स जमा किया जाता है. यह सिलसिला वर्ष 2015 से जारी है. इस हिसाब से 9 साल में सरकारी खजाने से लगभग 45 करोड़ रुपये विधायकों के इनकम टैक्स के रूप में भरे जा चुके हैं. अब एक बार फिर से विधायकों का वेतन-भत्ता बढ़ाने की अनुशंसा की गई है. वेतन और भत्ता बढ़ता है, तो आयकर भी ज्यादा भरना होगा, जो सरकारी खजाने से ही भरा जाएगा.इससे पहले 2017 में विधायकों की वेतन में बढ़ोत्तरी की गई थी. 2014 से अब तक विधायकों की संपत्ति में लगभग 80 प्रतिशत का इजाफा हो चुका है.

झारखंड सहित 7 राज्यों में सरकारी खजाने से भरा जा रहा विधायकों का टैक्स : झारखंड सहित सात राज्यों में विधायकों का इनकम टैक्स सरकारी खजाने से भरा जा रहा है. इनमें झारखंड सहित मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, पंजाब, आंध्रप्रदेश और तेलंगाना शामिल हैं. वहीं पिछले साल हिमाचल प्रदेश में विधायकों द्वारा खुद ही इनकम टैक्स जमा करने के प्रस्ताव को कैबिनेट से मंजूरी दे दी गई.

मूल वेतन 60 हजार रुपये करने की अनुशंसा : विधानसभा में कमेटी द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट के अनुसार, विधायकों का मूल वेतन बढ़ाकर 60 हजार रुपये करने की अनुशंसा की गई है. वर्तमान में विधायकों को 40 हजार रुपये और अतिरिक्त भत्ता दिया जा रहा है, जो लगभग दो लाख रुपये होता है. दरअसल बढ़ती महंगाई का हवाला देते हुए बजट सत्र के दौरान ही विधायकों ने वेतन बढ़ाने की मांग की थी. कहा था कि दिल्ली की तरह झारखंड में भी विधायकों का वेतन बढ़ाया जाना चाहिए. यह भी कहा गया कि कई राज्यों में वर्ष 2022 व 2023 में विधायकों के वेतन में वृद्धि की गयी है.

वर्तमान में विधायकों का वेतन और भत्ता

वेतन : 30,000-40,000
क्षेत्रीय भत्ता : 20,000-50,000
सत्कार भत्ता : 20,000-30,000
प्रभारी भत्ताः 53,500- 74,500
चिकित्सा भत्ता : 5,000-10,000

नेता प्रतिपक्ष

वेतन : 50,000-65,000
क्षेत्रीय भत्ता : 30,000-80,000
सत्कार भत्ता :30,000-45,000
प्रभारी भत्ताः 53,500- 74,500
चिकित्सा भत्ताः 5,000-10,000
टेलीफोन भत्ता : एक लाख

विधानसभा अध्यक्ष

वेतन : 55,000 -78,000
क्षेत्रीय भत्ता : 40,000-80,000
सत्कार भत्ता : 35,000-60,000
प्रभारी भत्ता : 53,500-74,500
चिकित्सा भत्ता : 5,000-10,000
टेलीफोन भत्ताः एक लाख (वार्षिक यानि 10,000 प्रति माह)

कैबिनेट मंत्री

वेतन : 50,000 -65,000
क्षेत्रीय भत्ता : 30,000- 80,000
सत्कार भत्ता : 30,000 -45,000
प्रभारी भत्ता : 53,500 -74,500
चिकित्सा भत्ता : 5,000 10,000

मुख्यमंत्री

वेतन : 60,000- 80,000
क्षेत्रीय भत्ता : 40,000- 80,000
सत्कार भत्ताः 35,000- 60,000
प्रभारी भत्ता :53,500- 74,500
चिकित्सा भत्ताः 5,000 -10,000

विधायकों के वेतन बढ़ोतरी की अनुशंसा

वेतन : 40,000 - 60,000 प्रतिमाह
सवारी भत्ताः 3,000- 5,000 हजार प्रतिमाह
क्षेत्रीय भत्ता :65,000 - 80,000 हजार प्रतिमाह
सत्कार भत्ताः 30,000- 40,000 प्रतिमाह
दैनिक भत्ता राज्य के अंदर : 2,000- 3,000 रुपये प्रतिदिन
राज्य के बाहर :2,500 -4,000 रुपये प्रतिदिन
निजी सहायक : 35,000 - 50, 000 रुपये प्रतिमाह
पेंशनः 40,000 - 50, 000 रुपये प्रतिमाह

झारखंड के प्रमुख करोड़पति विधायक

डॉ रामेश्वर उरांव(कांग्रेस) : 28.01 करोड़
कुशवाहा शशि भूषण मेहता (भाजपा) : 27.07 करोड़
मनीष जायसवाल(भाजपा) : 27.04 करोड़
सुदेश कुमार महतो (आजसू) : 18.57 करोड़
मिथिलेश कुमार ठाकुर(झामुमो) : 10.61 करोड़
रामदास सोरेन(झामुमो) : 9.60 करोड़
हेमंत सोरेन (झामुमो) : 8.51 करोड़
अमित कुमार मंडल (भाजपा) : 7.57 करोड़
आलमगीर आलम (कांग्रेस) : 7.02 करोड़
सीपी सिंह (भाजपा) : 5.69 करोड़
नवीन जायसवाल(भाजपा): 5.40 करोड़

लीजेंड लीग क्रिकेट : कैरेबियाई बल्लेबाजों का बजा डंका

गुजरात ने भीलवाड़ा किंग्स को हराया

संवाददाता । रांची

लीजेंड लीग क्रिकेट सीजन 2 के चौथे मुकाबले में कैरेबियंस बल्लेबाजों का डंका बजा. भीलवाड़ा किंग्स के सिमंस के 99 रनों पर गुजरात जायंट्स के क्रिस गेल का 52 रन भारी पड़ा. रोमांचक मुकाबले में गुजरात जायंट्स के दिए 173 रनों के दिए लक्ष्य से भीलवाड़ा किंग्स 3 रन से पीछे रह गई. इरफान पठान की कप्तानी वाली भीलवाड़ा किंग्स ने टॉस जीत कर पहले फील्डिंग का फैसला किया.

इस फैसले को यूनिवर्सल बॉस ने गलत साबित किया और गुजरात को शानदार शुरुआत दिलायी. गुजरात ने पहले 8 ओवरों में 90 रन जोड़े. क्रिस गेल ने आतिशी पारी खेलते हुए 27 गेंदों पर 52 रन बनाये. गेल के आउट होने के बाद कप्तान पार्थिव पटेल भी जल्द पैवेलियन लौट गए. अभिषेक झुनझुनवाला और नाबाद चिराग खुराना की 29 रनों की साझेदारी ने टीम का स्कोर 150 तक पहुंचाया.

3 रन से जीता गुजरात जायंट्स

- 99 रनों की सिमंस की पारी नहीं आयी काम
- 52 रनों की तूफानी पारी खेली गेल ने

गुजरात जाएंट्स ने निर्धारित बीस ओवरों में 6 विकेट खोकर 172 रन बनाये. जेसल करिया और राहुल शर्मा ने भीलवाड़ा के लिए दो दो विकेट लिये. लक्ष्य का पीछा करने उतरी भीलवाड़ा किंग्स की शुरुआत खराब रही. 14 रन के अंदर दोनों सलामी बल्लेबाज तिलकरत्ने दिलशान और सोलोमोन मायर पैवेलियन लौट गए. तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे इंपैक्ट प्लेयर सिमंस ने शानदार बल्लेबाजी कर मुकाबले को अपनी ओर मोड़ दिया. एक छोर से विकेट गिरते गए लेकिन सिमंस ने 99 रनों के पारी खेल मुकाबले को रोमांचक बना दिया. गुजरात जाएंट्स के गेंदबाजों ने अंत में कसी गेंदबाजी कर मुकाबले को आपने पाले में ले आया.

गुजरात जाएंट्स की और से रायड एमरिट्स और हरिभाई चौधरी ने 2-2 विकेट लिए. वहीं श्रीसंत, सरबजीत लड्ढा और रजत भाटिया को 1-1 विकेट मिले..

रातू रोड कॉरिडोर में पिलर का काम 90% पूरा, जाम से मिलेगी राहत

संवाददाता। रांची

राजधानी के लोगों को जाम से राहत देने के लिए तीन फ्लाई ओवर का निर्माण किया जा रहा है. इसमें एक रातु रोड कॉरिडोर का निर्माण जोर-शोर से चल रही है. 291 करोड़ की लागत से पिस्का मोड़ से लेकर राजभवन तक कॉरिडोर का निर्माण हो रहा है. 3.50 किमी तक कॉरिडोर का निर्माण होगा, वर्तमान में आईटीआई रोड में कॉरिडोर के पिलर देने का काम चल रहा है. जिसमें 14 पिलर बनाया जाएगा. 7 पिलर पर काम चल रहा है. दो पिलर बन कर तैयार हैं. 5 पिलर खड़ा करने के लिए छड़ बांधी जा रही है. एनएच 23 में टू लाइन का कॉरिडोर बनाया जा रहा है. काम करने वाले शमशाद ने बताया कि पूरी कॉरिडोर निर्माण में 20 पीयर कैप ढलाई का काम

बाकी रह गया है. पिस्का मोड़ की ओर से छत की ढलाई भी शुरू की जा चुकी है.कॉरीडोर के निर्माण में लगभग 101 पिलर से तैयार हो रहे हैं. पिलर का काम लगभग 90 प्रतिशत पूरी हो चुका है. पिलर में पीयर कैप की ढलाई जनवरी 2024 तक पूरी कर ली जाएगी. कॉरिडोर इटकी रोड ,पिस्का मोड़ से राजभवन के सामने तक बनाया जाएगा.

दी एंटीबायोटिक के सही इस्तेमाल की जानकारी

रांची। रिम्स में बुधवार को एएमआर (एंटीमाइक्रोबियल रेसिसटेंस) जागरूकता सप्ताह के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस दौरान माइक्रोबायोलॉजी विभाग के एचओडी डॉ मनोज ने रिम्स के लिए एंटीमोनोग्राम तैयार किया. जिसके तहत रिम्स में आने वाले मरीजों के लिए कौन सी एंटीबायोटिक कारगर है, इसकी जानकारी दी. उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक एंटीबायोटिक का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, 30 साल से कोई नए ग्रुप का एंटीबायोटिक तैयार नहीं हुआ है. ऐसे में शरीर के लिए कई बार गैर जरूरी एंटीबायोटिक खतरनाक होता है. उन्होंने बताया कि हर महीने एंटीमोनोग्राम तैयार कर अस्पताल प्रबंधन को उपलब्ध कराने पर जोर होगा, ताकि चिकित्सक बेहतर तरीके से मरीजों को एंटीबायोटिक डोज का परामर्श दें.

चुनाव 26 नवंबर को जेएससीए कंट्री क्रिकेट क्लब का चुनाव, पहली बार होगा मतदान

राजेश वर्मा बॉबी और सुनील साहू टीम के बीच मुकाबला

शुभम किशोर। रांची

2012 में कंट्री क्रिकेट क्लब (सीसीसी) बनने के बाद पहली बार मतदान के जरिए चुनाव होने जा रहा है. इसके पहले अब तक जेएससीए के सदस्य सर्वसम्मति से क्लब के पदाधिकारियों का चुनाव करते थे. लेकिन 26 नवंबर को जेएससीए कंट्री क्रिकेट क्लब के पदाधिकारियों के चयन के लिए मतदान होगा.

चुनाव में दो गुट आमने-सामने हैं. एक गुट की अगुवाई वर्तमान सीसीसी अध्यक्ष राजेश वर्मा बॉबी कर रहे हैं. वहीं दूसरे गुट का नेतृत्व सुनील कुमार साहू कर रहे हैं. ये दोनों सीसीसी अध्यक्ष पद के उम्मीदवार है. इनके अलावा 24 प्रत्याशियों ने नामिनेशन किया है, जिनमें से 12

कमेटी मेंबर चुने जाएंगे. दोनों टीमों से 12-12 सदस्य मैदान में डटे हैं.

779 वोटर करेंगे मताधिकार का प्रयोग : सीसीसी के चुनाव में 779 वोटर अपने मताधिकार का प्रयोग कर पदाधिकारियों का चयन करेंगे. चुनाव में एक अध्यक्ष और 12 कमेटी मेंबर चुने जाएंगे. हर वोटर कुल 13 वोट देंगे. 26 नवंबर को सीसीसी की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के बाद वोटिंग प्रक्रिया शुरू होगी और देर शाम तक परिणाम की घोषणा कर दी जाएगी.

अध्यक्ष पद के दावेदारों ने शुभम संदेश से साझा की प्राथमिकताएं :

टीम सुनील साहू : विभूति भूषण प्रसाद अमर, विनय बिहारी कर्ण, दिनेश कुमार सिंह, जय कुमार सिन्हा, मो. राशिद, राजदीप सिंह, राजेश कुमार वर्मा, रुद्रदेव कुमार, संजय कुमार विद्रोही, शिवेंद्र नाथ दुबे, सुनील कुमार सिंह, श्वेता बुधिया

टीम बॉबी : अजीत कुमार, अर्शे आलम, भानु प्रताप सिंह, गुरुदयाल एस नामधारी, इंद्र शेखर, नीतिन कुमार सर्राफ, पवन कुमार, राहुल झा, राजीव रंजन, संजय पांडेय, सुशील कुमार, विशाखा झा

चुनाव से पहले राजेश वर्मा (बॉबी) ने कहा कि कहीं भी प्रतियोगिता होती है, तो यह अच्छी बात होती है. पहली बार चुनाव हो रहा है और चुनाव में खड़े सभी कैंडिडेट क्लब को सुचारू ढंग से चलाने की कोशिश करेंगे. उन्होंने कहा हम सीसीसी के सभी सदस्यों से वोट करने की अपील कर रहे हैं. मतदान के जरिए चुनाव होने से क्लब में लोकतंत्र बहाल रहेगा और सभी मिलकर क्लब की बेहतरी के लिए काम करेंगे.

क्लब सिस्टम से चले, सदस्यता बढ़ाने पर ध्यान देंगे : सुनील साहू

सुनील कुमार साहू ने कहा कि क्लब में पहली बार चुनाव हो रहा है. हम चाहते हैं कि क्लब सिस्टम से चले और सदस्यों के हितों का ख्याल रखा जाए. हमारी टीम कोशिश करेगी कि क्लब में होनेवाले सभी कार्यक्रमों की जानकारी सभी सदस्य तक पहुंचे.

अग्रवाल सभा का सामूहिक विवाह

दो जोड़े थामेंगे एक-दूजे का दामन

संवाददाता। रांची

अग्रसेन भवन में गुरुवार को अग्नि को साक्षी मान दो जोड़े एक दूजे के हो जाएंगे.. यहां तुलसी विवाह के मौके पर सभा की ओर से 29वें सामूहिक विवाह का आयोजन किया जा रहा है. इसकी सारी तैयारी पूरी कर ली गयी है. अग्रसेन भवन सज-धज कर तैयार है. सभा के पदाधिकारी और सदस्य जहां बाराती और सराती बन सामाजिक दायित्वों को पूर्ण करेंगे, वही वर-वधु को उपहार दे, उनके सफल वैवाहिक जीवन की कामना भी करेंगे. मुख्य संरक्षक भागचंद पोद्दार और अध्यक्ष किशोर माटोदिया ने बताया कि विवाह समारोह में समाजसेवी ओमप्रकाश केजरीवाल बतौर मुख्य अतिथि हिस्सा लेंगे. मंत्री मनोज कुमार चौधरी ने समाज के लोगों से इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने की अपील की है.

बंधेंगे परिणयसूत्र में

- लोहरदगा के शुभम कुमार संग गोरखपुर की ऋतु कसोधन
- लोहरदगा के सुमित राज अग्रवाल संग रांची की मंजू कुमारी

चार बजे निकलेगी बारात

शाम चार बजे गाजे-बाजे के साथ बारात निकलेगी, जो बंशीधर अडुकिया रोड, कॉट सराय, इस्ट मार्केट, नार्थ मार्केट, अपर बाजार, सरस्वती मार्केट, जेजे रोड, बड़ालाल स्ट्रीट होते हुए अग्रसेन भवन पहुंचेगी. बारात में अग्रवाल समाज के लोग भी हिस्सा लेंगे. शाम छह बजे लाल सूर्ख जोड़ों में सजी दुल्हन अपने राजकुमारों को वरमाला पहनाएंगी. कन्यादान आदि रस्म भी अदा की जाएंगी. सह भोज के बाद बारात विदा होगी.

ब्रीफ खबरें

विधायक ढुल्लू मामले में गवाह का बयान दर्ज

धनबाद। भाजपा की पूर्व महिला नेत्री के साथ दुष्कर्म की कोशिश के मामले में बुधवार को बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो के विरुद्ध सुनवाई हुई. इस मामले में सहायक लोक अभियोजक समित प्रकाश ने गवाह जयराम प्रसाद दास को पेश किया. धनबाद एमपी एमएलए के विशेष न्यायाधीश अखिलेश कुमार की अदालत को दिए बयान में गवाह ने घटना की जानकारी होने से इनकार किया. अभियोजन ने गवाह को पक्षद्रोही घोषित कर दिया.

चीनी कंपनी के भारतीय एजेंट को मिली राहत

धनबाद। वर्ष 2017 में बीसीसीएल द्वारा चाइनीज कंपनी से रोड हेडर मशीन की खरीददारी में अधिकारियों द्वारा चीनी कंपनी के साथ षड्यंत्र कर सरकारी नियमों और तय मानकों की अनदेखी कर बीसीसीएल को 11.6 करोड़ का चूना लगाने के चर्चित मामले में चीनी कंपनी के भारतीय एजेंट प्रवीण परखिया को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली. प्रवीण के अधिवक्ता कुमार मनीष ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने प्रवीण को अग्रिम जमानत पर मुक्त करने का आदेश दिया है.

जेल से निकले अपराधियों पर नजर रखने का निर्देश

धनबाद। एसएसपी संजीव कुमार ने बुधवार को पुलिस लाइन स्थित कम्युनिटी हॉल में पुलिस पदाधिकारियों के साथ क्राइम मीटिंग की. उन्होंने अलग-अलग थानों के लंबित मामलों की जानकारी ली.उन्होंने थानेदारों की कार्यशैली असंतोष व्यक्त करते हुए उन्हे कड़ी फटकार लगाई. साथ लंबित मामलों का अविलंब निपटारा करने का निर्देश दिया. उन्होंने जेल से बाहर आए अपराधियों पर विशेष नजर रखने तथा अपराधियों पर सीसीए लगाकर जिलाबदर करने को लेकर निर्देश दिए.

प्रभातफेरी निकालकर दी कानून की जानकारी

चांडिल। अनुमंडलीय विधिक सेवा समिति, चांडिल की ओर से नालसा, झालसा और डालसा के निर्देश पर 100 दिवसीय आउटरीच सह जागरूकता कार्यक्रम के तहत दसवीं बार प्रभात फेरी निकाली गयी. बुधवार को अनुमंडलीय व्यवहार न्यायालय चांडिल से गांगुडीह पुर्नवास कॉलोनी तक निकली प्रभात फेरी में मुख्य रूप से अनुमंडलीय विधिक सेवा समिति, चांडिल के सचिव अमित आकाश सिन्हा शामिल हुए. इस दौरान आम जनता को पोक्सो एक्ट, बाल व महिला अपराध आदि की जानकारी दी गई.

शिविरों में जिला स्तरीय पदाधिकारी रहेंगे : बीडीओ

घाटशिला। राज्य सरकार के दिशा निर्देशानुसार 24 नवंबर से 26 दिसबंर तक 'आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत घाटशिला प्रखंड अंतर्गत सभी पंचायतों में पंचायत स्तरीय शिविर लगाया जाएगा. प्रखंड विकास पदाधिकारी युनिका शर्मा के द्वारा प्रखंड स्तरीय सभी पदाधिकारियों/ कर्मीयों के साथ बुधवार को बैठक कर कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन पर चर्चा की गई. उन्होंने कहा कि दूरस्थ पंचायत स्तरीय शिविरों में जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे.

6 माह बाद 15 दुकानदारों को मिला अलॉटमेंट लेटर

धनबाद। कोहिनूर मैदान में दो करोड़ की लागत से बने वेंडिंग जोन के उद्घाटन के छह महीने बाद मात्र 15 दुकानदारों को आवंटन का प्रमाण पत्र मिला है. सहायक नगर आयुक्त संतोषिणी मुर्मू ने बताया कि जो लोग वेंडिंग जोन में लगातार दुकानें लगा रहे हैं, सिर्फ उन्हें ही प्रमाण पत्र निर्गत किया गया है. इसके साथ ही उन्होंने बताया कि लॉटरी के माध्यम से आवंटित 192 फुटपाथ दुकानदारों का आवंटन रद्द कर दिया जाएगा. वहीं दूसरी तरफ दोपहर दो बजे वेंडिंग जोन में मात्र 8 दुकानें लगी दिखी.

एसडीओ ने घाघीडीह जेल में की छापामारी

जमशेदपुर। केंद्रीय कारा घाघीडीह में बुधवार को जिला प्रशासन की टीम ने छापामारी की. धालभूम एसडीओ पीयूष सिन्हा के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई के दौरान क्यूआरटी पार्टी भी मौजूद थी. मिली जानकारी के अनुसार एसडीओ ने जेल के एक-एक वार्ड, अस्पताल, शौचालय व अन्य जगहों का निरीक्षण किया. छापामारी में जेल से तंबाकू बरामद होने की सूचना है. जिला प्रशासन को जेल में अनियमितता की शिकायत मिली थी.

सूबे में 30 हाथियों की मौत ट्रेनों की चपेट में आने और तस्करों की वजह से हुई

राज्य में पिछले पांच साल में 55 हाथियों की हुई मौत

रवि भारती। रांची

झारखंड में पिछले पांच साल में 55 हाथियों की मौत हो गई. इसमें 25 हाथियों की मौत करंट के चपेट में आने से हुई. इसके अलावा 30 हाथियों की मौत ट्रेनों की चपेट में आने और तस्करों की वजह से हुई. वन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक देश में मौजूद जंगली हाथियों की कुल संख्या का 11 फीसदी हाथी हाथी झारखंड में हैं. बीते दिन पूर्वी सिंहभूम में पांच हाथियों की मौत करंट लगने के कारण हो गई.

घट रही हाथियों की संख्या : झारखंड में हाथियों की संख्या घटती जा रही है. झारखंड में 2017 में हाथियों की संख्या की गिनती हुई थी, उस समय इनकी संख्या 555 बताई गई थी. जबकि इससे पहले हाथियों की संख्या 688 थी.

खास बातें

- पांच साल में करंट के कारण 25 हाथियों की चली गई जान
- गजराज के उत्पात से 492 लोग काल के गाल में समाए

गजराज मचा रहे तांडव

कॉरिडोर नहीं होने के कारण हाथी मानव संघर्ष बढ़ता ही जा रहा है. पिछले पांच साल में हाथियों ने 492 लोगों की जान ले ली. वर्ष 1917-18 में 45, वर्ष 2018-19 में 60, वर्ष 2019-20 में 70, वर्ष 2020-21 में 84, वर्ष 2021-22 में 133 और 2022-23 में (अब तक) 100 लोगों की जान हाथियों ने ले ली. हाथियों के तांडव के कारण राजधानी रांची के इटकी के आस-पास के इलाकों में धारा 144 भी लगानी पड़ी थी. हाथियों से मारे गए लोगों के आश्रितों के बीच 19 करोड़ मुआवजे का भी भुगतान किया जा चुका है.

क्या नहीं हो पाया

- जीआईएस मैपिंग होने के बाद भी हाथियों के लिए नहीं बन सका कॉरिडोर
- पूर्वी सिंहभूम, प. सिंहभूम, गिरिडीह और दुमका में नहीं बना कॉरिडोर
- ओडिशा-चाईबासा, ओडिशा- सारंडा, पूर्णिया-दलमा और सरायकेला- बंगाल में नहीं बना अंतरराज्यीय कॉरिडोर
- नहीं बन पाया एलिफेंट रेसक्यू सेंटर
- धनबाद के वन क्षेत्र और दलमा में बनाया जाना था रेसक्यू सेंटर.

राज्य में हाथी के लिए एक भी कॉरिडोर नहीं

झारखंड में हाथियों के आवागमन के लिए एक भी कॉरिडोर नहीं बन पाया है. झारखंड में 14 कॉरिडोर चिन्हित किए गए हैं. लेकिन एक भी कॉरिडोर अब तक अधिसूचित नहीं हुआ है.

नहीं हो पाई फेंसिंग

पूर्व पीसीसीएफ (वन्य प्राणी) एलआर सिंह के अनुसार पारिस्थितिकी तंत्र पर मानवीय आबादी बढ़ने के कारण हाथी मानव द्वंद की स्थिति बढ़ गई है. हालांकि वन विभाग की ओर से इसे रोकने का प्रयास किया जा रहा है.

आओ जानें

राज्य की प्रमुख आदिम जनजातियां

झारखंड में कुल 32 जनजातियां पाई जाती हैं. इनमें से 24 जनजातियां प्रमुख श्रेणी में आते हैं. 8 आदिम जनजाति में आते हैं, जो हैं :

1. बिरहोर
2. असुर
3. माल पहाड़िया
4. सौरिया पहाड़िया
5. कोरवा
6. सबर
7. बिरजिया
8. पहाड़िया

झारखंड राज्य की प्रमुख जनजातीय भाषाएं, जो राज्य के विभिन्न इलाकों में बोली जाती है, वे इस प्रकार हैं :

1. असुर भाषा
2. मुंडारी भाषा
3. संथाली भाषा
4. भूमिज भाषा
5. हो भाषा
6. बिरहोर भाषा
7. खड़िया भाषा
8. कुड़ुख भाषा

बुकिंग के बाद भी यात्री मजबूरन धक्का-मुक्की के बीच करते हैं सफर

स्लीपर और एसी कोच में अनारक्षित यात्रियों का कब्जा

संवाददाता। धनबाद

छठ पूजा के बाद परदेश और घर लौटने वालों के साथ-साथ लगन में रिश्तेदारों के घर जानेवालों से ट्रेन में काफी भीड़ है. ऐसे मौके पर स्लीपर और एसी कोच की सीटों पर अनारक्षित यात्रियों का कब्जा होने से अभी रोजाना मारपीट हो रही है. बीच बचाव कर ट्रेन में सफर करनेवाले यात्री ही समझौता करा देते हैं, लेकिन सफर के दौरान रिजर्व सीट वाले यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है.

रेलवे सूत्रों के अनुसार टिकट चेकिंग करनेवाले टीटीई और यात्रियों को सुरक्षित यात्रा करानेवाले एस्कोर्ट पार्टी की मिलीभगत से लाखों यात्रियों को परेशानी हो रही है. पिछले एक सप्ताह से गंगा-दामोदर, गंगा-सतलज, मौर्य, शक्तिपुंज, जयनगर, पाटलीपुत्र, वनांचल, पूर्वा, नेताजी, दून, जोधपुर, दुरंतो और जम्मूतवी एक्सप्रेस आदि ट्रेनों में सीट पर बैठने को लेकर मारा-मारी हो रही है. जिन्होंने तीन से चार महीने पहले प्लानिंग के तहत परिवार के साथ ट्रेन में सफर करने के लिए कंफर्म टिकट बुक कराये थे , वे सबसे अधिक परेशानी झेल रहे हैं. एक दिन पहले वेटिंग टिकट बुक करानेवाले यात्री आराम से सीट पर कब्जा कर यात्रा कर रहे हैं. टीटीई या एस्कोर्ट पार्टी से शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होता है. टीटीई कहते हैं कि काफी भीड़ है, किसी तरह एडजस्ट कर लीजिए.

खास बातें

- पर्व-लगन के सीजन में अक्सर होती है मारपीट
- टीटीई और एस्कॉर्ट पार्टी पर मिलीभगत का आरोप

आरक्षित कोच के गेट और कॉरिडोर तक रहते हैं जाम

कंफर्म टिकट लेकर सफर करने वाले यात्रियों का कहना है कि अनधिकृत यात्री आरक्षित कोच के गेट और कॉरिडोर तक जाम कर देते हैं. धनबाद हो या फिर गोमो, कोडरमा, पारसनाथ, चंद्रपुरा व बरकाकाना स्टेशन आदि किसी भी स्टेशन पर ट्रेनों का ठहराव दो से पांच मिनट का ही होता है। अधिकतर स्टेशनों पर दो ही मिनट का ठहराव है. इतने कम समय में रिजर्व सीट वाले यात्रियों को कोच में सवार होने में काफी दिक्कत होती है. लगेज लेकर चढ़ने और बर्थ तक पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ती है. बर्थ तक पहुंचने के बाद पता चलता है कि वहां पहले से कोई बैठा है. विनती करने के बाद भी वह नहीं उठता है. सवाल-जवाब करने पर मारपीट हो जाती है.

'सरकार आपके द्वार' को लेकर हुई बैठक

पीरटांड़। प्रखंड मुख्यालय सभागार में बुधवार को 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम 2023 को प्रखंड के 17 पंचायत में सफल बनाने को लेकर बैठक की गई. बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार मरांडी ने की. बैठक में बीडीओ ने उपस्थित पदाधिकारी एवं कर्मियों को कहा कि प्रखंड में आगामी 24 नवंबर से ''आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार'' कार्यक्रम का शिविर लगाया जाना है. इसके सफलता के लिए आप सभी को आपस में समन्वय स्थापित कर काम करना है ताकि आम जनमानस को शिविर में अधिक से अधिक लाभ मिल सके.

जांच के इंतजार में थाने में रखे कई बिसरा राख

संवाददाता। धनबाद

थाना परिसर में स्थित महिला थाना की पुरानी इमारत में बुधवार की शाम आग लगने से अफरा-तफरी मच गई. इसी भवन को मालखाना के तौर पर भी इस्तेमाल किया जा रहा था. आग के कारण वहां रखे गए जब्त प्रदर्श के साथ भवन के सामने लगे कई ऑटो भी जलकर राख हो गए. साथ ही पोस्टमार्टम के बाद जांच के इंतजार में सुरक्षित रखे गए बिसरा भी स्वाहा हो गए. लगभग दो दर्जन बिसरा जलने की आशंका जताई जा रही है. इधर मालखाना में रखे गए सामानों के बारे में थानेदार संतोष गुप्ता ने बताया कि कुछ पुराने स्क्रेप रखे गए थे. आग से इन्हीं स्क्रेप को नुकसान पहुंचा है. अग्निशमन विभाग के तीन वाहन तत्काल मौके पर पहुंचे और लगभग डेढ़ घंटे में आग पर काबू पा लिया गया। पुराने भवन को पूर्व में ही खाली कराया जा चुका था। बाद में इसका प्रयोग मालखाना के रूप में किया जाने लगा. आग लगने के कारणों के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया.

पुरुषोत्तम एक्सप्रेस हादसे की हुई जांच

संवाददाता। धनबाद

पूर्वी सर्किल कोलकाता के रेलवे संरक्षा आयुक्त सुवोमोय मित्रा ने बुधवार को धनबाद-गया रेलखंड के बीच परसाबाद स्टेशन पहुंच कर पुरुषोत्तम एक्सप्रेस हादसे की जांच की. परसाबाद स्टेशन के निकट 11 नवंबर को ट्रेन की इंजन के पेंटो से हाइटेंशन तार टूटने से यात्री समेत दो लोगों की मौत हुई थी, जिसमें एक रेलवे विकास निगम लिमिटेड का ठेका मजदूर था.

तार टूटकर तेज रफ्तार के साथ एक कोच में घुसने से पांच यात्री जख्मी हुए थे. ट्रेन चालक, गार्ड, परसाबाद के स्टेशन मास्टर, केबिन मैन समेत ठेका कंपनी के ठेकेदार व रेलवे लाइन के किनारे काम कर रहे मजदूरों से भी पूछताछ की गई. मौके पर एडीआरएम (ओपी) विनीत कुमार समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे. सीआरएस हादसे की जांच रिपोर्ट कर तैयार कर रेलवे बोर्ड को भेजेंगे. उसके बाद ही दोषी पाये जाने पर संबंधित विभाग के पदाधिकारी, कर्मी या ठेका कंपनी प्रबंधक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.

हो सकता था बड़ा हादसा : विदित हो कि परसाबाद-चौबे के बीच 11 नवंबर को दिन के लगभग 12 बजे पुरुषोत्तम एक्सप्रेस का पेंटो से हाइटेंशन तार फंसकर टूटने से एक यात्री संजय मांझी और एक ठेका मजदूर कैरूल की मौत हो गई थी.

नौकरी की मांग को लेकर काम ठप कराया

संवाददाता। बाघमारा

बीसीसीएल ब्लॉक दो क्षेत्र के मधुबन वाशरी में फिटर के पद पर कार्यरत अनिल चौहान (47) की मौत के बाद उसके आश्रित को नौकरी व मुआवजा देने की मांग को लेकर कर्मियों ने काम -काज ठप करा दिया. ब्लॉक दो के 14 नंबर हाजिरी घर के समीप मृतक का शव रखकर विरोध जताया गया.

बुधवार की दोपहर 20 नवंबर को मधुबन वाशरी में कार्य कर वापस अपने घर माटीगढ़ डैम लौटने के क्रम में अनिल की तबियत बिगड़ गई. उन्हें इलाज के लिए सरायढेला धनबाद स्थित सेंट्रल अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई. मजदूर की मौत के बाद मृतक का शव ब्लॉक दो के 14 नंबर हाजिरी घर के समीप रख दिया गया. मामले को लेकर मृतक की पत्नी मुनिया देवी ने अपने बड़े पुत्र सीताराम कुमार को कंपनी के विधि सम्मत नियमों के तहत नियोजन व मुआवजा देने की मांग की है.

समाचार लिखे जाने तक मृतक के आश्रित को नियोजन देने की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई है. कर्मियों द्वारा सभी काम -काज ठप किये जाने से बीसीसीएल को लाखों का नुकसान हो रहा है. मौके पर जनता मजदूर संघ के केंद्रीय उपाध्यक्ष गोपाल मिश्रा, कृष्णा राउत, अखलेश नोनिया, विजय चौहान, कामेश्वर मुंडा, परमेश्वर भुईया एवं अन्य कर्मी इत्यादि प्रबंधन से वार्ता कर मृतक के आश्रित को नौकरी देने की मांग कर रहे हैं.

काम ठप रहने से उत्पादन, डिस्पैच आदि तमाम कार्य बंद रहे. कंपनी को आंदोलन से आर्थिक नुकसान पहुंच रहा है.
-केके सिंह (परियोजना पदाधिकारी ब्लॉक दो)

हमलोग शांतिपूर्ण ढंग से मृतक के आश्रित को नौकरी देने की मांग कर रहे हैं. लेकिन कंपनी द्वारा नौकरी देने में आनाकानी की जा रही है.
-गोपाल मिश्रा (केंद्रीय उपाध्यक्ष जमसं)

राशन डीलर की अनुज्ञप्ति रद्द करने की अनुशंसा

संवाददाता। चाकुलिया

प्रखंड की सिमदी पंचायत के किशोरीपुर गांव के राशन डीलर रसराज हांसदा की दुकान की अनुज्ञप्ति रद्द करने की अनुशंसा अंचल अधिकारी सह प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी उपेंद्र कुमार ने डीएसओ से की है. लाभुकों द्वारा शिकायत की गई थी कि राशन डीलर द्वारा मनमानी का जाती है.

शिकायत के बाद प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी उपेंद्र कुमार और प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी गौरी शंकर दास विगत 8 नवंबर को दुकान की जांच करने पहुंचे थे , परंतु दुकान बंद पाई गई. आसपास के ग्रामीणों ने पदाधिकारियों को बताया कि दुकान अक्सर बंद रहती है. नियमित रूप से अनाज का वितरण भी नहीं किया जाता है.

इसको लेकर प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी ने राशन डीलर से 24 घंटे के अंदर स्पष्टीकरण की मांग की थी. 14 नवंबर को राशन डीलर ने प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को जवाब दिया, जवाब संतोषजनक नहीं था. इसके बाद राशन डीलर से भंडार पंजी समेत अन्य कागजात प्रस्तुत करने को कहा गया. परंतु 21 नवंबर तक राशन डीलर ने कागजात प्रस्तुत नहीं किया. इसके बाद प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी ने दुकान का लाइसेंस रद्द करने के लिए जिला आपूर्ति पदाधिकारी से अनुशंसा की.

राशन डीलर के खिलाफ ग्रामीणों ने किया धरना-प्रदर्शन

चांडिल। चांडिल प्रखंड क्षेत्र के रुचाप पंचायत के ग्रामीणों ने जन वितरण प्रणाली के राशन डीलर मां दुर्गा महिला समिति के विरोध में बुधवार को चांडिल अनुमंडल कार्यालय परिसर में धरना प्रदर्शन किया. धरना-प्रदर्शन करने के बाद ग्रामीणों ने अनुमंडल पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा. ग्रामीणों का आरोप है कि रूचाप के राशन डीलर मां दुर्गा महिला समिति द्वारा प्रत्येक माह गरीब उपभोक्ताओं को कम राशन दिया जाता है. ग्रामीणों ने बताया कि मां दुर्गा महिला समिति के द्वारा अगस्त महीना में प्रत्येक यूनिट दो केजी कर के चावल दिया गया है. जबकि 5 केजी यूनिट के हिसाब से अंगूठा लिया गया है. अगस्त-सितंबर महीना का अंगूठा लगवाकर सिर्फ एक माह का ही राशन दिया गया है. ग्रामीणों ने कहा कि मां दुर्गा समिति के खिलाफ आवश्यक कारवाई की जाए. इस अवसर पर संतोष कर्मकार, पिंटू आदित्यदेव, तुलसी आदित्यदेव के अलावा बड़ी संख्या मे महिला-पुरुष उपस्थित थे.

अव्यवस्था सुविधाएं होते हुए भी नवजात और प्रसूता हो रहे रेफर, वार्मर भी फांक रहे धूल

सदर में अबतक शुरू नहीं हो सका एनआईसीयू

संवाददाता। धनबाद

सदर अस्पताल में वर्ष की शुरुआत में ही नवजात बच्चों के लिए एनआइसीयू चालू करना था लेकिन वर्ष की समाप्ति होने को है और व्यवस्था धरी की धरी रह गई है. सिविल सर्जन समेत अस्पताल प्रबंधन के दावे फेल हो गए. सुविधाएं होते हुए भी सदर अस्पताल में भर्ती प्रसूताओं को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है.

नतीजन या तो गंभीर हालत में प्रसूताओं को रेफर कर दिया जा रहा है या फिर प्रसव के बाद नवजात को रेफर कर दिया जा रहा है. जबकि सदर अस्पताल के पास शिशु रोग विभाग के चिकित्सक, वार्मर समेत अन्य संसाधन हैं. फिलहाल अस्पताल में नवजात के इलाज की समुचित व्यवस्था नहीं है. हर बार अस्पताल प्रबंधन समस्याओं को दूर करने की बात तो कहता है लेकिन अपनी बातों पर ही अमल नहीं कर पा रहे हैं, नतीजा प्रसूताएं और नवजात को खामियाजा भुगतना पड़ रहा है. आधी-अधूरी व्यवस्थाओं के बीच प्रसूताओं का प्रसव कराया जा रहा है.

नवजात की जान को खतरा हो सकता है

तुरंत जन्में नवजात सदर अस्पताल से रेफर हो जा रहे हैं. अगर उचित उपचार की व्यवस्था होती तो डॉक्टर रहते नवजात को रेफर नहीं करना पड़ता. जन्म के ठीक बाद नवजात गंभीर अवस्था में रहते हैं और उसे रेफर किया जाता है. एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल की दूरी तय करने में काफी वक्त लग जाता है. इस बीच एंबुलेंस की भी व्यवस्था करने में परेशानी आती है. ऐसे में नवजात की जान पर बन आती है. इतना सब जानते हुए भी अब तक एनआईसीयू चालू नहीं किया जा सका है.

> सदर अस्पताल में एनआईसीयू चालू करने की कोशिश है. मुख्यालय से निर्देश मांगा गया है. सब ठीक रहा तो जल्दी एनआईसीयू चालू कराया जाएगा.
>
> – डॉ. सी बी प्रतापन, सिविल सर्जन, धनबाद.

चेक बाउंस केस: अमीषा पटेल की याचिका पर सुनवाई पूरी

संवाददाता। रांची

फिल्म अभिनेत्री अमीषा पटेल से जुड़े चेक बाउंस मामले में बुधवार को रांची सिविल कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गयी. अमीषा पटेल के अधिवक्ता ने शिकायतकर्ता के गवाह अजय कुमार का क्रॉस एग्जामिन करने को लेकर दायर याचिका पर जेएमएफसी दिग्विजय नाथ शुक्ला की अदालत में सुनवाई की. दोनों पक्षों की दलीले सुनने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया. इस मामले में अमीषा पटेल और उनके बिजनेस पार्टनर कुमार ग्रुमर का कोर्ट में सीआरपीसी 313 का बयान दर्ज होना है. बता दें कि अमीषा पटेल पर चेक बाउंस का केस चल रहा है. यह मामला वर्ष 2017 का है. आरोपों के मुताबिक, फिल्म देसी मैजिक बनाने के नाम पर अजय सिंह ने ढाई करोड़ रुपए अमीषा पटेल के खाते में ट्रांसफर कर दिये. अजय कुमार सिंह लवली वर्ल्ड इंटरटेनमेंट के प्रोपराइटर हैं. फिल्म नहीं बनाने और पैसे वापस नहीं होने के बाद अजय कुमार सिंह ने अमीषा पटेल पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है. इस मामले में अमीषा पटेल ने 17 जून को रांची सिविल कोर्ट में सरेंडर किया था.

खास बातें

- जेएमएफसी दिग्विजय शुक्ला की अदालत में हुई सुनवाई
- अमीषा पटेल का सीआरपीसी 313 का बयान होना है दर्ज

नीमडीह के जिला परिषद सदस्य ने जताई नाराजगी, कहा- बैठक में उठाएंगे मामला, चिकित्सा प्रभारी से की शिकायत

सोशल ऑडिट करने पहुंचे जनप्रतिनिधि, बंद था स्वास्थ्य उपकेंद्र

संवाददाता । चांडिल

एनक्यूएस के तहत राष्ट्रीय सर्टिफिकेशन के लिए सामाजिक अंकेक्षण करने पहुंची टीम को हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर बंद मिला. इससे सामाजिक अंकेक्षण करने वाली टीम के सदस्यों ने नाराजगी जताई और तत्काल इसकी शिकायत चिकित्सा प्रभारी से की. मामला चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के नीमडीह प्रखंड का है. वर्तमान में एनक्यूएस के तहत राष्ट्रीय सर्टिफिकेशन के लिए नीमडीह प्रखंड अंतर्गत स्वास्थ्य उपकेंद्रों का सामाजिक अंकेक्षण किया जा रहा है. इसके लिए नीमडीह के प्रखंड विकास पदाधिकारी ने अंकेक्षण टीम गठित कर

हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के बाहर अंकेक्षण टीम.

अलग-अलग तिथि निर्धारित की है.

छुट्टी पर थे सीएचओ व एएनएम : चिकित्सा प्रभारी ने कहा कि सिरका हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के सीएचओ व एएनएम दोनों ही मंगलवार को छुट्टी पर थे. इसके कारण अंकेक्षण के लिए निर्धारित तिथि पर सिरका का हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर बंद मिला. उन्होंने कहा कि विभाग के कर्मचारी भी सामाजिक अंकेक्षण में

खास बातें

- सीएचओ व एएनएम दोनों ही मंगलवार को थे छुट्टी पर
- अंकेक्षण के लिए जारी किया गया है विभागीय पत्र

मौजूद रहते हैं और अंकेक्षण में सहयोग भी करते हैं. वहीं जिला परिषद सदस्य असित सिंह पात्र ने कहा कि यह कोई औचक निरीक्षण नहीं था, बल्कि प्रशासन द्वारा निर्धारित तिथियों के अनुसार जनप्रतिनिधियों द्वारा सामाजिक अंकेक्षण करने का दायित्व पूरा किया जा रहा है.

पूर्व निर्धारित तिथि पर भी केंद्र का बंद मिलना घोर अनियमितता

नीमडीह के प्रखंड विकास पदाधिकारी ने नीमडीह के जिला परिषद सदस्य, संबंधित पंचायत के मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, उपमुखिया एवं पंचायत सचिव का अंकेक्षण टीम बनाया है. इस टीम को अलग-अलग तिथियों में अलग-अलग स्वास्थ्य उपकेंद्रों में जाकर सामाजिक अंकेक्षण करना है. निर्धारित तिथि के अनुसार मंगलवार को नीमडीह जिला परिषद सदस्य असित सिंह पात्र, तिल्ला पंचायत के मुखिया वीणापाणी मांझी, उपमुखिया घनश्याम महतो व पंचायत सचिव प्रेमचांद मार्डी तिल्ला पंचायत के सिरका स्थित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पहुंचे थे, लेकिन दिनभर यहां का सेंटर बंद रहा. सेंटर में मुख्य गेट पर ताला लटक रहा था. इसको लेकर जिला परिषद सदस्य ने स्वास्थ्य विभाग के प्रति नाराजगी जताई. उन्होंने तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नीमडीह के चिकित्सा प्रभारी से इसकी शिकायत की. उन्होंने कहा कि जिला परिषद की बैठक में इस मामले को गंभीरता के साथ उठाया जाएगा.

आओ जानें

झारखंड से जुड़े तथ्य

- झारखंड का क्षेत्रफल भारत के कुल क्षेत्रफल का कितना प्रतिशत हैं? -2.42%
- झारखंड राज्य का सर्वाधिक ठंडा स्थान कहां हैं? नेतरहाट में
- झारखंड राज्य का सबसे ऊंचा क्षेत्र हैं? -नेतरहाट
- झारखंड की कौन -सी नदी कीकट नाम से प्रसिद्ध हैं? - पुनपुन
- झारखंड में न्यूनतम पुरुष साक्षरता वाला जिला हैं? : पाकुड़
- किस जिले में सर्वाधिक महिला साक्षरता हैं? -रांची
- किस जिले में न्यूनतम महिला साक्षरता हैं? पाकुड़
- झारखंड में महिला साक्षरता का प्रतिशत कितना हैं? 56.21%
- झारखंड के किस जिले में सबसे कम जनसंख्या हैं? लोहरदगा
- झारखंड के किस जिले का सर्वाधिक लिंगानुपात हैं? - पश्चिमी सिंहभूम

ब्रीफ खबरें

झारखंड के छह जेलरों का तबादला

रांची। रांची समेत झारखंड के छह जेलों के जेलर का तबादला हुआ है. रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार के जेलर नसीम खान को पलामू जेल का जेलर, अजय कुमार को मंडल कारा गढ़वा, रामाशंकर प्रसाद को केंद्रीय कारा दुमका, सुबोध कुमार पांडे को केंद्रीय कारा गिरिडीह, धर्मशिला देवी को केंद्रीय कारा घाघीडीह जमशेदपुर और प्रमोद कुमार को बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार रांची का जेलर बनाया गया है.

टेट पास पारा शिक्षक 26 को करेंगे बैठक

रांची। टेट पास पारा शिक्षक पिछले 93 दिनों से धरना पर बैठे हुए हैं. अब इन शिक्षकों ने 26 तारीख को 24 जिला के पदाधिकारी आपस में बैठक करने का निर्णय लिया है. वर्तमान में टीईटी पास पारा शिक्षक राजभवन के पास धरना पर बैठे हैं और कांग्रेस झामुमो और आरजेडी कार्यालय का घेराव भी कर चुके हैं, वहीं टेट पास पर शिक्षकों का कहना है कि सरकार हमारे मामले पर चुप्पी साधे हुई है.

10 पंचायतों में 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम

धनबाद। 'आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम 24 नवंबर से 26 दिसंबर तक जिले में आयोजित किया जाएगा. 25 नवंबर को 10 पंचायत, धनबाद नगर निगम के 2 वार्ड एवं चिरकुंडा नगर परिषद के 1 वार्ड में आयोजित होगा. नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 10 अंतर्गत माडा भवन पुटकी एवं वार्ड 3 में अंचल कार्यालय कतरास तथा चिरकुंडा नगर परिषद के वार्ड संख्या 2 का सामुदायिक भवन मुंडाधौड़ा शामिल है.

बिजली चोरी में 53 पर एफआईआर दर्ज

धनबाद। बिजली विभाग द्वारा बुधवार 22 नवंबर को बिजली चोरी के खिलाफ अभियान चलाया गया. बिजली चोरी मामले में विभाग ने धनबाद सर्किल में 53 लोगों पर एफआईआर दर्ज कराया है . विभाग ने धनबाद सर्किल में कुल 320 जगहों में रेड किया है, जिसमें 9 लाख 27 हजार रुपये फाइन किया गया है. बता दें कि धनबाद डिवीजन में 55 जगहों पर हुई छापेमारी में 13 लोगों पर एफआईआर दर्ज कराया गया है, तीन लाख 28 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है.

कोरे कागज पर मांगा हस्ताक्षर तो हुआ हंगामा

धनबाद। सदर अस्पताल में बुधवार की दोपहर एक प्रसूता के परिजन ने हंगामा किया. परिजन का कहना था कि उनसे अस्पताल के कर्मचारी कोरे कागज पर हस्ताक्षर मांग रहे थे. जब पूछा गया तो जवाब मिला कि हस्ताक्षर करना होगा. परिजन और कर्मचारी के बीच जमकर तू-तू, मैं-मैं हुई. बैंक मोड़ धोवाटांड़ निवासी सुनील शर्मा ने बताया कि उनकी भाभी चंचली शर्मा को लेबर पेन होने पर बुधवार की सुबह 11 बजे सदर अस्पताल लाया गया. डॉक्टर ने भर्ती कराने की सलाह दी लेकिन कर्मचारियों की सुस्ती की वजह से गर्भवती महिला को शाम करीब 4.30 में भर्ती लिया गया. इस बीच कर्मचारियों ने बाहर से दवाएं लाने के लिए कहा. करीब दो हजार रुपये की दवा भी लाकर दी गई लेकिन डॉक्टरों ने गुरुवार को प्रसव कराने की बात कही. इस बीच कर्मचारी कोरे कागज पर हस्ताक्षर करने के लिए कहने लगे. जब इस बात से इंकार किया तो कर्मी उलझ गए और कागज पर हस्ताक्षर मांगने लगे. कुछ देर तक हंगामा होता रहा. इसके बाद किसी तरह मामला शांत हुआ.

ईडी ने भेजा साहिबगंज एसपी नौशाद आलम को दूसरा समन

28 नवंबर को होना पड़ेगा हाजिर

संवाददाता । रांची

साहिबगंज के एसपी नौशाद आलम को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को दूसरा समन भेज दिया है. उन्हें अब 28 नवंबर को बुलाया गया है. पहले समन में उन्होंने पुलिस मुख्यालय से मंतव्य मांगा था. गवाहों को प्रभावित करने के मामले में उनकी भूमिका संदिग्ध है. गौरतलब है कि नौशाद आलम बुधवार को ईडी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए. एसपी नौशाद आलम द्वारा ईडी को पत्र भेज कर उपस्थित होने के लिए दूसरी तारीख मांगी गई है. मिली जानकारी के अनुसार, नौशाद आलम ने पत्र में यह लिखा है कि उन्होंने पुलिस मुख्यालय से मामले को लेकर सुझाव मांगा है. ऐसे में उन्हें कुछ दिनों की मोहलत दी जाए और पूछताछ के लिए दूसरी तिथि निर्धारित की जाए. नौशाद आलम ईडी के जोनल कार्यालय जाने के लिए रांची पहुंच चुके थे. ईडी दफ्तर जाने से पूर्व नौशाद आलम झारखंड पुलिस मुख्यालय गए और अधिकारियों को पूरे मामले की जानकारी दी और अपने साथ ले गए डॉक्यूमेंट भी उन्होंने अधिकारियों को दिखाया. जानकारी के अनुसार, अधिकारियों के निर्देश के आलोक में ही नौशाद आलम ने ईडी को यह पत्र लिखा कि उन्हें आज ईडी कार्यालय में उपस्थित होने से छूट दी जाए और कोई दूसरी तारीख मुकर्रर की जाए..

क्या है आरोप : एसपी नौशाद आलम पर अवैध खनन मामले में इडी के गवाह रहे विजय हांसदा को दिल्ली जाने के लिए टिकट की व्यवस्था करने का आरोप है. इडी ने 10 नवंबर को समन भेज कर एसपी नौशाद आलम को पूछताछ के लिए 22 नवंबर को रांची के हिनू स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में हाजिर होने का निर्देश दिया था. उन पर साहिबगंज में अवैध खनन के गवाह विजय हांसदा को भड़काने का आरोप है. साथ ही उन पर पंकज मिश्रा बनाम विजय हांसदा मामले में उसे दिल्ली भेजने के लिए टिकट की व्यवस्था कराने का भी आरोप है. इडी ने जांच में पाया था कि विजय हांसदा को सुप्रीम कोर्ट में चल रहे मामले में अपना पक्ष रखने के लिए दिल्ली जाना था.

विजय हांसदा वाले मामले में भूमिका से इंकार

जानकारी के अनुसार नौशाद आलम ने ईडी के गवाह रहे विजय हांसदा मामले में अपनी कोई भी गलत भूमिका होने से इनकार किया है. पुलिस मुख्यालय को नौशाद आलम के द्वारा यह बताया गया है कि साहिबगंज पुलिस ने विजय हांसदा को कोर्ट के निर्देश के बाद बॉडीगार्ड उपलब्ध करवाया गया था. जब नौशाद आलम ने साहिबगंज एसपी का पदभार ग्रहण किया, उसके बाद विजय हांसदा ने सुप्रीम कोर्ट में एक केस के सिलसिले बॉडीगार्ड के साथ दिल्ली जाने को लेकर आवेदन दिया था. चूंकि जिस दिन विजय को दिल्ली जाना था उस दिन रविवार था ऐसे में रेल वारंट नहीं मिल पाया, सुरक्षा को देखते हुए दुमका डीआईजी के आदेश पर विजय को बॉडीगार्ड के साथ दिल्ली जाने की इजाजत दी गई. इस दौरान बॉडीगार्ड ने बिना रेलवे वारंट के जाने में असमर्थता जताई और एसपी साहिबगंज से कन्फर्म टिकट करवाने को कहा, जिसके बाद रांची में नौशाद आलम ने फोन कर सार्जेंट से टिकट करवाने को कहा.वहीं, दूसरी तरफ ईडी से मिली जानकारी के अनुसार जल्दी नौशाद आलम को दूसरा समन जारी किया जाएगा.

एसपी के कहने पर टिकट की व्यवस्था की गई थी

एसपी नौशाद आलम के कहने पर एक पुलिस अधिकारी ने ट्रेवल एजेंट के माध्यम से विजय हांसदा के लिए टिकट की व्यवस्था की थी. जानकारी के अनुसार, विजय हांसदा ने नींबू पहाड़ पर अवैध खनन के आरोप में पंकज मिश्रा व अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी थी. जेल में रहते हुए उसने इस मामले की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की मांग को लेकर याचिका दायर की.

नींबू पहाड़ पर अवैध खनन मामले में सीबीआई ने दर्ज किया मामला

सीबीआइ ने साहिबगंज के नींबू पहाड़ पर अवैध खनन मामले में पंकज मिश्रा, दाहू यादव सहित अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है. विजय हांसदा को भी नामजद अभियुक्त बनाया गया है. हाइकोर्ट के आदेश पर सीबीआइ ने प्राथमिकी दर्ज की है. प्राथमिकी में साहिबगंज में अवैध खनन, ईडी के अधिकारियों को झूठे मुकदमे में फंसाने और गवाहों को भड़काने के लिए साजिश रचने का आरोप लगाया गया है.

एसएसपी ने हरी झंडी दिखाकर 25 टाइगर जवानों किया रवाना

धनबाद । जिले को अपराध मुक्त बनाने को लेकर बुधवार को पुलिस लाइन से एसएसपी संजीव कुमार ने 25 बाईक सवार टाइगर जवानों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. एसएसपी ने कहा नागरिक सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है. ये जवान, शहर के भीड़ भाड़े वाले इलाके और बाजार समेत चौक-चौराहों और संवेदनशील और अति संवेदनशील इलाकों में पेट्रोलिंग करेगी. प्रत्येक वाहन में दो पुलिसकर्मी होंगे और टाइगर बाइक में पुलिस सायरन भी लगाया गया है. इसके साथ ओर 25 टाइगर बाइक को बढ़ाने के लिए डीसी से बात कि गई है. यानि कि शहर में अब 50 टाइगर बाइक जो अपराधियों पर नजर रखने के लिए शहर बाजार और चौक चौराहा में भ्रमण करेंगे.

ओल्ड पेंशन स्कीम की मांग को लेकर हुआ गुप्त मतदान

संवाददाता । लातेहार

पुरानी पेंशन स्कीम की मांग को लेकर लातेहार रेलवे कर्मचारियों के बीच गुप्त मतदान कराया गया. लातेहार समेत अन्य रेलवे स्टेशनों में चलंत मतपेटी के माध्यम से गुप्त मतदान किया गया. रेलवे कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन स्कीम का समर्थन किया और अपनी इच्छा की अभिव्यक्ति के लिए गुप्त मतदान किया. इस दौरान रेलवे कर्मचारियों में खासा उत्साह देखा गया. ईसीआरकेयू, बरकाकाना के कार्यकारी अध्यक्ष रंधीर कुमार ने बताया कि रेलकर्मी समेत सभी सरकारी औद्योगिक संस्थानों के कर्मचारियों द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल के लिए 21 व 22 नवंबर को गुप्त मतदान कराया जा रहा है.

निर्णय नहीं हुआ तो रेलवे कर्मचारी करेंगे हड़ताल

ईसीआरकेयू के रंधीर कुमार ने कहा कि पुरानी पेंशन सरकारी कर्मचारियों का हक व अधिकार है और इसे हर हाल में लिया जायेगा. सरकारी कर्मचारियों में अपनी सामाजिक सुरक्षा के लिए पुरानी पेंशन बहाल कराने की मांग को लेकर आक्रोश है और वे हर कुर्बानी देने के लिए तैयार हैं. यह मजदूरों के हक व अधिकार की लड़ाई है. सरकार को इसपर कोई निर्णय लेना होगा, नहीं तो रेलवे कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे. उन्होंने बताया कि मतदान के बाद मतगणना किया जायेगा और परिणाम जोनल कमेटी को भेजा जायेगा.

अग्निशामक लगाने का काम शुरू

- निविदा के अनुरूप काम नहीं करने का लगा था आरोप

संवाददादा । धनबाद

सदर अस्पताल में अग्निशमन यंत्र लगाने वाली एजेंसी ने काम शुरू कर दिया है. अस्पताल में आग बुझाने के उपायों के तहत चल रही 1.25 करोड़ की योजना पर विभाग ने रोक लगा दिया था. एजेंसी पर आरोप था कि वह अस्पताल में नियमों की अनदेखी कर काम कर रही है.

अस्पताल के नोडल पदाधिकारी डॉ. राजकुमार सिंह ने बताया कि काम की समीक्षा की गई थी. जिसमें कुछ खामियां पाई गई थी. इसे देखते हुए एजेंसी को काम करने से रोक दिया गया था. बताते चलें कि अग्निशमन यंत्र और पाइपलाइन बिछाने का काम जमशेदपुर की एजेंसी बीआर इंटरप्राइजेज को मिला है. अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि निविदा की शर्तों का एजेंसी पालन नहीं कर रही है.

अस्पताल की छत पर क्षमता से अधिक जल भंडारण का सैरा बना दिया गया है, जिससे छत पर बोझ बढ़ गया है. अस्पताल की सेपरेट बोरिंग से एजेंसी ने पानी आपूर्ति शुरू कर दी थी. जबकि अग्निशमन को अलग से बोरिंग कराना था. सेपरेट बोरिंग से पानी लेने से अस्पताल में पानी की आपूर्ति बाधित हो रही थी. वहीं सिविल सर्जन डॉ. सीबी प्रतापन ने बताया कि बेहतर व्यवस्था के तहत कार्य करने का एजेंसी को निर्देश दिया गया है.

तलगड़िया रेलवे स्टेशन पर हुआ मॉक ड्रिल, सुरक्षा के टिप्स मिले

संवाददाता । बोकारो

दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल की ओर से अधिकारी एवं कर्मचारियों में सक्रियता लाने के उद्देश्य से बुधवार को एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया. ड्रिल के लिए मंडल के तलगड़िया- महुदा रेल खंड के इंजीनियरिंग एलसी गेट पर सुबह 10:25 बजे महुदा की ओर से आ रही एक डीजल इंजन द्वारा स्कूल वैन के टक्कर की सूचना आद्रा मंडल नियंत्रण कक्ष को दी गई. जिसके तुरंत बाद रेलवे द्वारा राहत और बचाव कार्य शुरु कर दिया गया. इस मॉक ड्रिल के तहत अफरातफरी रही और विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी घटनास्थल पर राहत व बचाव हेतु पहुंच गए. तत्पश्चात प्रातः 11:10 बजे मंडल रेल प्रबंधक सुमित नरूला द्वारा इसे एक सफल मॉक ड्रिल घोषित किया. मंडल रेल प्रबंधक ने बताया कि आपात व दुर्घटना की स्थिति में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तत्परता को जांचना इसका उद्देश्य था. इस प्रकार का औचक मॉक ड्रिल के आयोजन आद्रा मंडल द्वारा समय-समय पर किया जाता है.

सिविल सर्जन से वार्ता के बाद हड़ताल टली

गिरिडीह। सिविल सर्जन और कर्मचारी संघ नेताओं के बीच गुरुवार को हुई वार्ता के बाद छठ के बाद होने वाली आउटसोर्सिंग कर्मियों की हड़ताल स्थगित कर दी गई है. सिविल सर्जन डॉ. एसपी मिश्रा तथा कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, रघुनंदन विश्वकर्मा के बीच चार सूत्री मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई. सिंह ने बताया कि आउटसोर्सिंग कर्मियों का अक्टूबर का लंबित मानदेय 7 दिनों के अंदर देने पर सहमति बनी है. सूची उपलब्ध होने के बाद जिन कर्मियों का ईपीएफ जमा नहीं हुआ है, तत्काल जमा किया जाएगा. एमएसडब्ल्यू पद पर कार्य कर रहे कर्मियों द्वारा शपथ पत्र तथा योग्यता प्रमाण पत्र जमा करने के बाद ही वेतन व बोनस देने पर सहमति बनी है. इधर सिविल सर्जन डॉक्टर मिश्रा ने बताया कि कंप्यूटर ऑपरेटर की स्किल टेस्ट के बाद ही उन पर विचार किया जाएगा. स्किल टेस्ट में फेल हुए तो उनकी नौकरी खतरे में पड़ जाएगी.

कल विदेश मंत्री करेंगे गोड्डा डाकघर व पासपोर्ट सेवा केंद्र का उद्घाटन

अब गोड्डा में ही बनेगा पासपोर्ट

- सांसद निशिकांत दुबे करेंगे संबोधन

संवाददाता । गोड्डा

गोड्डा जिला के निवासियों को विदेश यात्रा के लिए जरूरी पासपोर्ट के लिए दूसरे जिला नहीं जाना पड़ेगा. अब इसकी सुविधा गोड्डा डाकघर परिसर में ही मिलनेवाली है. गोड्डा डाकघर का नवनिर्मित भवन सज धजकर तैयार हो गया है. डाकघर के भवन के साथ ही पासपोर्ट सेवा केंद्र का उद्घाटन विदेश मंत्री एस. जयशंकर करेंगे. मंत्री दिल्ली से ऑनलाइन जुड़ेंगे, जबकि स्थानीय सांसद निशिकांत दुबे गोड्डा डाकघर परिसर में उपस्थित रहेंगे.

आगामी शुक्रवार 24 दिसंबर को संध्या साढ़े तीन बजे यह कार्यक्रम किया जाना है. गोड्डा को जिला बने हुए चालीस वर्ष से अधिक हो गए

खास बातें

- डाकघर का नवनिर्मित भवन सज धजकर है तैयार
- गोड्डा में पासपोर्ट सेवा केंद्र का भी होगा उद्घाटन

मगर अभी तक इस जिले में पासपोर्ट बनाने की सुविधा नहीं मिल पाई थी. गोड्डा में पासपोर्ट सेवा केंद्र के नहीं रहने से यहां के लोगों को पासपोर्ट बनवाने के लिए दूसरे जिलों में - देवघर, दुमका रांची की जाना पड़ता था. इसके लिए काफी परेशानी का सामना करना होता था. पूर्व में किसी जनप्रतिनिधि ने इस ओर ध्यान नहीं दिया.

स्थानीय सांसद ने इस दिशा में सार्थक प्रयास किया और उनके प्रयास से यह लाभ गोड्डा वीडियो को मिल सकेगा. स्थानीय व्यापारी संघ से जुड़े पवन कुमार बजाज ने इसके लिए सांसद दुबे को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके प्रयास की वजह से ही गोड्डा में विकास देखने को मिल रहा है.

विकसित भारत संकल्प यात्रा' को लेकर बैठक

बोकारो । भारत सरकार के ग्रामीण विकास विभाग की उप सचिव आरती शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को बोकारो समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में 'विकसित भारत, संकल्प यात्रा' की तैयारी को लेकर जिले के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गयी. बताया कि यह यात्रा देश भर में विकास और प्रगति को गति देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल है. मौके पर उपायुक्त कुलदीप चौधरी, पुलिस अधीक्षक प्रियदर्शी आलोक, उपविकास आयुक्त कीर्ति श्री जी, अपर नगर आयुक्त, अपर समाहर्त्ता मेनका उपस्थित थे. इस दौरान उप सचिव आरती शर्मा ने कहा कि हर योग्य व्यक्ति तक केंद्र सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा शुरू की गई है. उन्होंने कहा कि विभिन्न पंचायतों में शिविर आयोजित कर योजनाओं से वंचित योग्य लोगों को चिन्हित करें. मौके पर ही पंजीकरण के साथ उनको लाभान्वित किया जाए.

मनमर्जी पलामू समाहरणालय में समय पर नहीं पहुंचते पदाधिकारी-कर्मचारी

11 बजे के बाद भी दफ्तरों में सन्नाटा, जनता परेशान

संजीत यादव । पलामू

बच्चों की बदमाशी पर पहले बुजुर्ग डांटते हुए कहते थे कि क्या तुम लाट साहब हो, क्योंकि अंग्रेज के जमाने में लाट साहब की तूती बोलती थी और वे अपनी मर्जी के मुताबिक काम करते थे. यही स्थिति पलामू समाहरणालय में देखी जा सकती है, जहां पदाधिकारी और कर्मचारी अपनी मनमर्जी के मुताबिक दफ्तर आते और जाते हैं. पलामू जिले के कई पदाधिकारी समय से ऑफिस नहीं पहुंचते. इतना ही नहीं, वे ऑफिस से गायब भी रहते हैं. पूछे जाने पर फिल्ड का दौरा का बहाना बनाया जाता है. भले ही सरकार का आदेश हो कि पदाधिकारी समय पर पहुंचे, लेकिन पलामू के पदाधिकारी और कर्मचारी आदेश को ठेंगे पर रखते हैं. बता दें कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने जिले के सभी अधिकारी और कर्मचारी को सुबह 10 से शाम 5.30 तक कार्यालय में उपस्थित रहने का आदेश दिया है. मगर अधिकांश अधिकारी, कर्मचारी समय पर कार्यालय नहीं पहुंच रहे. बुधवार की सुबह 11 बजे के बाद भी पलामू उपायुक्त को छोड़ एक भी अधिकारी और कर्मचारी समय पर कार्यालय नहीं पहुंचे थे. हालांकि ऑफिस खुल गया था लेकिन पदाधिकारी और कर्मचारी नदारद थे.

समय पर ऑफिस नहीं पहुंचने पर होगी कार्रवाई : शशि रंजन

जिले के डीसीसी, परिवहन पदाधिकारी, समाज कल्याण पदाधिकारी, शिक्षा अधीक्षक, उप निर्वाचन पदाधिकारी, उत्पाद अधीक्षक, जिला खाद आपूर्ति पदाधिकारी, आर्म्स पदाधिकारी, विशेष प्रमंडल पदाधिकारी जिला भूर्जन पदाधिकारी समेत कई पुलिस पदाधिकारी सुबह 11 बजे के बाद भी कार्यालय नहीं पुहंच पाए थे. इस बाबत पलामू उपायुक्त शशि रंजन ने कहा कि समय पर ऑफिस नहीं पहुंचने वाले पदाधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाएगी. एक दिन का अटेंडेंस काटने के साथ ही वेतन भी रोक दिया जायेगा.

खास बातें

- सुबह 10 से शाम 5.30 तक कार्यालय में रहने का है आदेश
- देर से आकर अफसर बनाते है फील्ड के दौरे का बहाना

कर्मचारियों के समर्थन पर होगा रेल चक्का जाम : एके भगत

संवाददाता । गोमो

रेलवे में हड़ताल के मंतव्य को लेकर 22 नवंबर बुधवार को ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के बैनर तले गुप्त मतदान कराया गया. गोमो रेलवे के विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मचारियों से हड़ताल के समर्थन को यह मतदान हुआ. गोमो ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के शाखा अध्यक्ष एके भगत ने कहा कि हड़ताल के समर्थन में रेल कर्मचारियों का मत मिलने पर पूरे देश में एक साथ रेल का चक्का जाम करने का निर्णय ऑल इंडिया रेलवे मेन्स फेडरेशन के द्वारा लिया जाएगा. वर्तमान केंद्र की सरकार ने ओल्ड पेंशन योजना को खत्म कर दिया. ओपीएस बहाल नहीं कर रही है, जबकि फेडरेशन के द्वारा रेल कर्मचारियों के हित में लगातार मांग की जा रही है कि ओपीएस बहाल हो. मामले पर कई दौर की वार्ता हुई, उसके बावजूद भी ओपीएस पर विचार नहीं किया गया. रेलवे कर्मचारियों के साथ यह एक तरह का शोषण है. मौके पर यूनियन के वरीय पदाधिकारी रुपेश कुमार, पीके सिन्हा, आरबी चौधरी, रूपलाल साव, डीसी यादव, सतीश कुमार, चुरामन ठाकुर, आदि उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

छापेमारी अभियान में 20 टन कोयला बरामद

तेतुलामारी। बुधवार को ईस्ट बसुरिया ओपी क्षेत्र के निचितपुर खटाल में बीसीसीएल एरिया पांच के सीआईएसएफ क्यू आरटी टीम व ओपी पुलिस ने संयुक्त रूप से छापामारी कर करीब बीस टन अवैध कोयला जब्त किया. हालांकि टीम को देकर कोयले के धंधे से जुड़े लोग भाग निकले. वहीं जब्त कोयला को सीआइएसएफ ने कोलियरी प्रबंधन को सुपुर्द कर दिया. सीआईएसएफ के कमांडेंट दीपक कुमार ने बताया की सूचना मिली कि निचितपुर खटाल के समीप भारी मात्रा में कोयला जमा किया जा रहा है.

खदान में गिरने से युवक की मौत

तोपचांची। तोपचांची थाना क्षेत्र के खेशमी पंचायत स्थित खेशमी गांव में आज बुधवार को शौच करने गये एक युवक की खदान में गिरने से मौत हो गयी.युवक की पहचान खेशमी गांव निवासी घनश्याम महतो के बेटे सुशील महतो के रूप में हुई है. मिली जानकारी के अनुसार, सुशील महतो सुबह शौच के लिए खदान गये थे. आस-पास कोई नहीं होने की वजह से वह काफी देर तक पानी में गिरा रहा.कुछ देर के बाद ग्रामीणों ने युवक को पानी में गिरा पाया. आस-पास के लोगों और पुलिस को घटना की जानकारी दी. ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और युवक को बाहर निकाला.

दो बाइक में सीधी टक्कर, पांच घायल

लातेहार। मनिका थाना क्षेत्र के सिंजो ग्राम में भाजपा नेता पंकज यादव के घर के समीप बुधवार सुबह दस बजे दो बाइक की सीधी टक्कर हो गयी. इस हादसे में बाइक में सवार पांच युवक घायल हो गये. इनमें चार की गंभीर चोटें लगी है. घटना की सूचना मिलने पर मनिका थाना के एसआई नीरज कुमार दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. उन्होंने एंबुलेंस से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनिका पहुंचाया,जहां डॉ उमेश कुमार ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया. इसके बाद बेहतर इलाज के लिए सभी को लातेहार सदर अस्पताल रेफर कर दिया.

आर्थिक तंगी से परेशान युवक ने की आत्महत्या

जमशेदपुर। बोड़ाम थाना अंतर्गत माधवपुर पंचायत के कांकिडीह टोला में सुरथ महतो (30) ने अपने घर के पास स्थित एक पीपल के पेड़ पर रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. बुधवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले कुछ लोगों ने सुरथ को फंदे के सहारे लटका पाया, जिसके बाद तुरंत ही इसकी सूचना पुलिस को दी.पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज भिजवाया. बताया जाता है कि सूरथ महतो पलाशडीह गांव के कांकिडीह मोड़ पर एक छोटी सी स्टेशनरी की दुकान चलाता था.

बस की चपेट में आने से युवक की मौत

बहरागोड़ा। बरसोल थाना क्षेत्र के एनएच 49 पर खंडामौदा गांव निवासी शंकर नायेक (36) की सड़क पार करते वक्त भोलेनाथ बस के चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई. बारसोल पुलिस पहुंचकर लाश को अपने कब्जे में लेकर अपने गश्ती वाहन में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरागोड़ा में रखवाया.दुर्घटना की जांच करने पुलिस जुट गई है. मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है. जानकारी के अनुसार मृतक किसी काम को लेकर एन एच पार कर रहा था तभी यह दुर्घटना घटित हो गई.

पेड़ पर फंदे से लटका मिला युवक का शव

बोकारो। बोकारो जिले के चास थाना क्षेत्र के नंदुआस्थान पर बुधवार को पुलिस ने पेड़ पर फंदे के सहारे लटका एक युवक का शव बरामद किया है. युवक की पहचान तेलीडीह निवासी विमल गोप के रूप में हुई.जानकारी के अनुसार,तेलीडीह से सटे नंदुआ स्थान में ग्रामीणों ने पेड़ पर लटका युवक का शव देखकर इसकी सूचना पुलिस और युवक के परिजनों को दी. खबर फैलते ही ग्रामीणों की भीड़ जुट गई. चास थाना पुलिस ने मौके पर पुलिस पहुंचकर शव को पेड़ से उतारा. इधर, पुलिस को देखते ही कुछ महिलाएं समेत ग्रामीण हंगामा करने लगे.

पुलिस टीम ने एक साथ चार गांवों में चलाया छापेमारी अभियान

5 साइबर अपराधी गिरफ्तार,16 मोबाइल जब्त

संवाददाता। जामताड़ा

एसपी अनिमेष नैथानी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर साइबर डीएसपी मन्जरूल होदा के नेतृत्व में 21 नवंबर की देर रात साइबर अपराधियों की तलाश में करमाटांड़ थाना क्षेत्र के लोहरबंधा बरमुंडी, दुधानी एवं नारायणपुर थाना अंतर्गत लोकनियां गांव में छापेमारी की गयी. इस दौरान पांच साइबर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि पुलिस को देखते ही एक साइबर आरोपी भाग निकला.

एसपी अनिमेष नैथानी ने बताया कि लोहरबंधा गांव से सहादत अंसारी, बरमुंडी गांव से रिजवान अंसारी व राकेश कुमार मंडल,दुधानी गांव से विकास कुमार मंडल एवं नारायणपुर थाना अंतर्गत लोकनिया गांव से अशोक कुमार दास को गिरफ्तार किया गया है. जबकि एक साइबर आरोपी भाग निकला.इन आरोपियों के पास से 16 मोबाइल,21 सिम, 01 लैपटाप,25 हजार रुपये नगद एवं 01 बुलेट मोटरसाइकिल जब्त किया गया है. वही गिरफ्तार अपराधियों के खिलाफ जामताड़ा साइबर अपराध थाना में कांड दर्ज किया गया है.

यू-ट्यूब चैनल पर लोन दिलाने का वीडियो डालकर साइबर ठगी

एसपी ने कहा कि यूटयूब चैनल के ऑनर्स को ई-मेल भेजकर सब्सक्राइबर बढ़ने पर भुगतान का झांसा दिया जाता था .जिसके एवज में यूटयूब चैनल के ऑनर्स का मोबाइल नंबर सहित अन्य जानकारियां प्राप्त कर ली जाती थी .उसके बाद यू-टयूब चैनल का मोबाइल नंबर व ई-मेल बदल दिया जाता था और उस यू-टयूब चैनल को साइबर अपराधी अपने हैंडल करने लगते थे .फिर यू टयूब पर एयरटेल पेमेंट बैंक/अन्य बैंकों का कस्टमर केयर का नंबर का शॉर्ट वीडियो बनाकर अपलोड कर दिया जाता था .इसके बाद आये कॉल से बैंक डिटेल प्राप्त कर ठगी करना एवं वाहटस ऐप नंबर पर स्क्रीन शेयरिंग एपीके फाइल भेजकर तथा फोन कर झांसा देकर एपीके फाइल डाउनलोड करवाने व अपने लैपटाप के एपीके एप पर स्क्रीन शेयर होने पर बिजली बिल कुरियर सर्विस का झांसा देकर बैंक संबंधी डिटेल जैसे कार्ड नंबर तथा गोपनीय नंबर प्राप्त कर ठगी करना तथा गूगल एड के माध्यम से कस्टमर केयर बनकर बैंक डिटेल प्राप्त कर ठगी करता था .कहा कि अनुसंधान के क्रम में यू-टयूब चैनल के ऑनर्स को भी पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा.

गिरफ्तार आरोपियों को पुराना अपराधिक इतिहास

एसपी ने कहा कि राकेश कुमार मंडल के विरुद्ध साइबर अपराध थाना कांड संख्या-21/18 के तहत 414/ 419/ 420/ 467/ 468/ 471/ 120(बी) एवं आईटी एक्ट की धारा 66 (बी)(सी)(डी) में चार्जशीटेड है. वही विकास कुमार मंडल के विरूद्ध करमाटांड़ थाना कांड संख्या-300/17 के तहत भादवि की धारा 414/ 419/ 420/ 467/ 468/ 471/ 120(बी) एवं आईटी एक्ट की धारा 66 (बी)(सी)(डी)में चार्जशीटेड है.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान : झारखंड

1. झारखंड राज्य गठन के बाद कितने नए ब्लॉक बने ? - 50
2. झारखंड की उपराजधानी कौन सी है ? -दुमका
3. झारखंड की जिलों के गठन के क्रम में 19 वां जिला कौन सा है ? -सरायकेला
4. झारखंड की जिलों के गठन के क्रम में 20 वां जिला कौन सा है ? -लातेहार
5. झारखंड की जिलों के गठन के क्रम में 21 वां जिला कौन सा है ? -जामताड़ा
6. झारखंड की जिलों के गठन के क्रम में 22वां जिला कौन सा है ? -सिमडेगा
7. झारखंड की जिलों के गठन के क्रम में 23 वां जिला कौन सा है ? -खूंटी
8. झारखंड की जिलों के गठन के क्रम में 24वां जिला कौन सा है ? - रामगढ़
9. झारखंड में कुल कितने नगर निगम हैं ? -8
10. रांची नगर निगम की स्थापना कब हुई थी ? -15 सितंबर 1979

झारखंड-बिहार के सीमावर्ती क्षेत्र में हुई बैठक, महिला दस्ता भी शामिल

नक्सलियों ने सीमावर्ती इलाके में फिर दी दस्तक

संवाददाता। बेंगाबाद

बेंगाबाद थाना अंतर्गत बिहार-झारखंड की सीमावर्ती इलाके में नक्सलियों ने फिर दस्तक दी है. मंगलवार की रात सीमावर्ती इलाके में स्थित बीहड़ जंगल में नक्सलियों द्वारा संगठन विस्तार को लेकर बैठक करने की सूचना है. हालांकि पुलिस द्वारा इस बात की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है. सूत्रों से जो जानकारी प्राप्त हुई है उसके मुताबिक मंगलवार की देर रात बेंगाबाद थाना क्षेत्र स्थित झारखंड बिहार की सीमावर्ती इलाके में नक्सली संगठन की एक बैठक की गई. बैठक में महिला दस्ता के शामिल होने की बात भी कही जा रही है. बताया जाता है नक्सली दस्ते के सदस्य जंगल के रास्ते बिहार से इस इलाके में प्रवेश किया और बैठक करने के बाद पुनः जंगल के रास्ते से वापस लौट गए. नक्सलियों द्वारा इलाके में संगठन के विस्तार और मजबूत बनाने के लिए बैठक कर रणनीति बनाने की बात कही जा रही है. बता दें कि लगभग 10-12 वर्ष पहले झारखंड बिहार की सीमा वाले इलाके में नक्सलियों की गतिविधि होती रहती थी और नक्सली संगठन इलाके में सक्रिय थे. इसी दौरान नक्सलियों ने बिहार की सीमा से सटे बेंगाबाद थाना अंतर्गत इलाके में अपना धमक दिखाया था.

16 से 22 दिसंबर तक किया भारत बंद का ऐलान

रांची। भाकपा माओवादी संगठन के नक्सलियों ने 16 से 22 दिसंबर तक भारत बंद का ऐलान किया है. भाकपा माओवादियों के केंद्रीय कमेटी के प्रवक्ता अभय के द्वारा भारत बंद का एलान किया गया है. प्रवक्ता अभय के अनुसार, नक्सली 16 से 22 दिसंबर तक देशव्यापी प्रचार आंदोलन अभियान चलाएंगे और 22 दिसंबर को भारत बंद को सफल बनाएंगे. हालांकि सभी आवश्यक सेवाएं दूध, एम्बुलेंस को बंद से मुक्त रखा गया है. भाकपा माओवादियों के द्वारा जारी किए गए पत्र में यह लिखा गया है, कि नक्सल मुक्त झारखंड के नाम पर केंद्रीय बलों के साथ मिल कर झारखंड पुलिस आदिवासी बहुल इलाकों में अत्याचार कर रही है. अगस्त 2022 से लेकर अब तक लगातार लाल दस्ते पर बर्बर हमले किए जा रहे हैं. इन हमलों में हमारे साथियों को पकड़-पकड़ कर मारा जा रहा है. भारत की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय कमेटी क्रांतिकारी आंदोलन क्रांतिकारी जनता के उन्मूलन के लिए कार्य करती है. ऐसे में जरूरत है कि पुलिस के नाजायज हमले के खिलाफ

आवाज बुलंद की जाए. अभय के अनुसार, 16 नवंबर से लेकर 22 दिसंबर तक देशव्यापी प्रचार आंदोलन चलाने का निर्णय लिया गया है. प्रचार अभियान के बाद संगठन ने यह तय किया है कि 22 दिसंबर को पूरा भारत बंद रहेगा. संगठन ने बंद को सफल बनाने के लिए बुद्धिजीवी और मानवाधिकार संगठनों से मदद मांगी है.

नक्सलियों ने मसमानो में चिपकाया पोस्टर

लोहरदगा। जिले के भंडरा थाना क्षेत्र के मसमानो गांव में मंगलवार रात पीएलएफआई नक्सलियों ने पोस्टर चिपकाए। इससे क्षेत्र में दहशत का माहौल है, सूचना मिलने के बाद पुलिस ने पोस्टर को जब्त कर लिया है. मसमानो गांव में जिला परिषद द्वारा करीब बीस लाख की लागत से पक्की नाली निर्माण का कार्य की जा रही है. निर्माण कार्य गांव के संवेदक मनोज लाल द्वारा कराया जा रहा है. नक्सलियों ने पोस्टर चिपका कर कार्य रोकने का निर्देश दिया है. पोस्टर में नक्सलियों ने नाली निर्माण कार्य घटिया कर पैसा की बर्बादी की बात कही गई है. साथ हि कार्य में सरकार एवं सरकार के लोग शामिल होने की बात कही है. नक्सलियों ने पीएलएफआई संगठन से इजाजत लेने के बाद हि काम शुरु करने का निर्देश दिया है. इस संबंध में बुधवार को भंडरा पुलिस के थाना प्रभारी गौतम कुमार ने बताया कि पोस्टरबाजी में पीएलएफआई के नाम से पोस्टर चिपकाया गया है. प्रथम दृष्टि से यह लगता है की पीएलएफआई के नाम से कोई असामाजिक तत्व द्वारा घटना का अंजाम दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है. जल्द ही मामले का खुलासा किया जायेगा.

काम रोकने का आदेश,गांव में दहशत

ट्रक-बाइक में टक्कर, एक की मौत

संवाददाता। गढ़वा

जिले के रंका थाना क्षेत्र अंतर्गत गुलरिया ढोड़ा के पास मंगलवार शाम में बाइक व ट्रक की जोरदार टक्कर हो गयी. जिससे बाइक सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये. जिसमें से एक व्यक्ति की मौत सदर अस्पताल में इलाज के दौरान हो गयी. मृतक की पहचान महेश्वर राम (52 वर्षीय) के रूप में हुई है और वो कुंभी विद्यालय में शिक्षक के रूप में कार्यरत थे. महेश्वर राम की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. गढ़वा जिला के जाने-माने शिक्षक नेता रघुराई राम, पूर्व बसपा जिला अध्यक्ष संजय कुमार गौतम, शिवकुमार रवि, राहुल कुमार रवि, अजय राम सहित दर्जनों शिक्षक समुदाय के लोगों ने उनके निधन पर गहरी संवेदना प्रकट की है और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है.

रंका से लड़की देखकर लौट रहे थे खजूरी लगमा : घटना के संबंध में बताया जाता है कि महेश्वर राम अपने समधि के साथ लड़की देखने रंका गये थे. लड़की देखकर शाम को बाइक से खजूरी लगमा लौट रहे थे. इसी दौरान एनएच 343 के गुलरिया ढोडा के पास मोड पर बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खराब पड़ा ट्रक में जाकर टकरा गया. जिससे उसमें सवार तीनों लोग घायल हो गये. खरडिहा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि पप्पू यादव, रंका थाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा, सब इंस्पेक्टर विवेक कुमार और एसआई राजेश कुमार झा के सहयोग से तीनों को 108 एम्बुलेंस से सदर अस्पताल गढ़वा भेजा गया, जहां इलाज के क्रम में देर रात महेश्वर राम की मौत हो गयी.

मैथन डैम में कूद कर महिला ने की आत्महत्या की कोशिश

मैथन। मैथन डैम के 1 नंबर बैरियर के पास मत्स्यगंधा नौका विहार के समीप बुधवार की सुबह एक महिला ने डैम में डूबकर आत्महत्या की कोशिश की. स्थानीय नाविकों व मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों के सहयोग से उसे बचा लिया गया.उसे डैम से निकालकर तत्काल डीवीसी के बीपी नियोगी अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहां उसका इलाज चल रहा है.अब वह खतरे से बाहर है. महिला की पहचान मैथन एरिया छह निवासी गणेश सेन की पत्नी माया सेन (50) के रूप में हुई है. बताया जाता है कि पारिवारिक कलह से तंग आकर महिला ने जान देने के लिए डैम के गहरे पानी में कूद गई थी. महिला पूरी तरह मौन है. वह इससे अधिक कुछ भी बता नहीं रही है.

ऑटोरिक्शा पलटने से एक की मौत, महिला घायल

संवाददाता। बेरमो

बोकारो जिले के पेटरवार थाना क्षेत्र अंतर्गत पेटरवार - गोमिया मुख्य तेनु सड़क पर एक तेज रफ्तार ऑटो रिक्शा अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई.ऑटो में 7-8 लोग सवार थे. इस हादसे में एक 55 वर्षीय व्यक्ति की ऑटो रिक्शा में दबने से मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर घायल हो गई.घायलों को पेटरवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया गया.जहां चिकित्सक ने जांच के बाद लालू ठाकुर को मृत घोषित कर दिया. मृतक गोमिया थाना क्षेत्र के साड़म मंडई टोला का निवासी है.जबकि इसी प्रखंड के लोधी गांव निवासी लैला खातून का प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल बोकारो रेफर कर दिया गया है.डॉक्टरों के अनुसार महिला को कमर में गंभीर चोट लगी. इधर , घटना की सूचना मिलते ही पेटरवार पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई. मृतक के शव को पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों के हवाले कर दिया जाएगा. प्रत्यक्षदर्शी ऑटो रिक्शा सवार के अनुसार ऑटो रिक्शा के पीछे एक सवारी बस थी, ऑटो रिक्शा चालक अधिक सवारी लेने के लोभ में तेज रफ्तार से चलने लगा. तभी पेटरवार तेनु चौक से एक किलोमीटर आगे बढ़ने के बाद ऑटो रिक्शा अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें कई सवारी दब गए.ऑटो रिक्शा में सवार व्यक्ति किसी तरह से ऑटो रिक्शा से बाहर निकले.

हत्या के आरोपी ने किया सरेंडर, जेल भेजा गया

आदित्यपुर। आदित्यपुर में 18 नवंबर को आरआईटी थाना अंतर्गत रेलवे कॉलोनी से सटे झाड़ियों में मिले युवक के क्षत- विक्षत शव मामले के मुख्य आरोपी ने थाना में सरेंडर कर दिया है. उसे बुधवार को पुलिस ने जेल भेज दिया है. हत्या के आरोपी का नाम सुमित मुखी उर्फ त्रिशुल है. बताया जाता है कि त्रिशूल का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है और मृतक के साथ उसकी पुरानी रंजिश थी. मृतक का नाम सूरज महानंद उर्फ गोलू था. मृतक पूर्व में रेलवे कॉलोनी में ही रहता था. फिलहाल वह गम्हरिया में रह रहा था. थाना प्रभारी सागर लाल महथा ने बताया कि घटना के दिन हत्यारे ने मृतक को रेलवे कॉलोनी बुलाकर जमकर नशापान कराया और धारदार हथियार से उसकी हत्या कर शव को साक्ष्य छुपाने के नीयत से कॉलोनी से सटे झाड़ियां में फेंक दिया.

चलती ट्रेन से उतरने के दौरान महिला का पैर फिसला, बची

संवाददाता। मेदिनीनगर

डालटनगंज रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल के जवान की सतर्कता से एक महिला की जान बचाई गई. जानकारी के मुताबिक डालटनगंज रेलवे स्टेशन पर महिला चलती ट्रेन से उतरने की कोशिश कर रही थी. इसी क्रम में वह गेट पर पैर फिसल गया. उसका शरीर का हिस्सा प्लेटफार्म पर था. महिला को गिरते देख आरपीएफ जवान ने उसकी तरफ दौड़ लगाई और काफी हिम्मत के साथ उसकी जान बचाई. पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई. महिला मीरा देवी गढ़वा के सेमौरा गांव की रहने वाली है.

रेलवे लगातार ये प्रचार करता रहता है कि चलती ट्रेन में चढ़ने या उतरने की कोशिश ना करें इससे हादसा हो सकता है. लेकिन कई लोग रेलवे की इस चेतावनी को नजरअंदाज करते हैं और मुश्किल में फंस जाते हैं. ऐसा ही कुछ हुआ डालटनगंज रेलवे स्टेशन पर. यहां बरकाकाना वाराणसी पैसेंजर ट्रेन 03359 सुबह 10:03 बजे पर पहुंची थी. 10:07 बजे पर ट्रेन खुल गई थी. चलती ट्रेन से मीरा देवी नाम की महिला उतरने की कोशिश कर रही थी. इसी क्रम में खतरनाक तरीके से प्लेटफार्म पर घिसटाने ने लगी.

खास बातें

- आरपीएफ जवान ने दौड़कर बचायी जान
- पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई

गावां में आरओ मशीन के सामान की चोरी

गावां। गावां थाना क्षेत्र के मध्य विद्यालय माल्डा में आरओ फिल्टर मशीन में लगे सामान की चोरी हो गईं. मवि माल्डा के प्राधानाचार्य आलोक कुमार ने बताया कि छठ पूजा की छुट्टी 16 नवंबर से 21 नवंबर तक था. जब 22 नवंबर (बुधवार) को विद्यालय पहुंचे तो देखा स्कूल में लगा आरओ फिल्टर मशीन के अंदर लगे सभी सामान गायब है . उसके ऊपर लदे अल्बेस्टर तोड़ कर आरओ फिल्टर मशीन में लगे सामान, बाल्टी, जग व अन्य सामान की चोरी कर लिया गया है. उक्त बाबत स्कूल के प्राधानाचार्य आलोक कुमार ने स्थानीय थाने में प्राथमिकी के लिए आवेदन देते हुए विभाग को सूचित किया है. थाना प्रभारी सन्नी सुप्रभात ने बताया कि आवेदन मिला है. जांचोपरांत कार्रवाई की जाएगी. बताया जाता है कि अभी तक प्रखंडों में दर्जनों घरों व दुकानों में चोरी हुई है .

गोड्डा में मारपीट की घटना में एक आरोपी धराया, गया जेल

संवाददाता। गोड्डा

बीते सप्ताह काली पूजा के बाद मूर्ति विसर्जन के दौरान ग्राम पथरा और ग्राम बेलारी के युवकों के बीच हुए मारपीट की घटना में शामिल एक युवक निक्कू यादव पिता कुमोद यादव ग्राम सरोतिया को गोड्डा पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. एसडीपीओ जेपीएन चौधरी ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व में हुई घटना को लेकर दोनों ओर से दो अलग-अलग प्राथमिक नगर थाना कांड संख्या 276/ 23 एवं 277/ 23 दर्ज कराया गया था. 276/ 23 की घटना दर्ज होने के बाद जब पुलिस मौके पर पहुंची थी तो वहां मौजूद कुछ असामाजिक तत्वों ने पुलिस बल पर ही हमला कर दिया था. जिसमें दारोगा समेत होमगार्ड के जवान घायल हो गए थे. पुलिस गाड़ी को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया था. इस घटना को लेकर भी कांड संख्या 278/ 23 मामला दर्ज कराया गया है. फिलहाल घटना के अनुसंधान के लिए गठित एसआईटी द्वारा एक आरोपी निक्कू यादव जो घटना के बाद पुलिस गिरफ्त से बाहर था उसे भागलपुर की तरफ भागने के क्रम में खटनई के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है.

ज्ञात हो कि घटना की पृष्ठभूमि में पथरा चौक पर अपना दबदबा कायम कर बालू का अवैध कारोबार करने एवं जमीन पर कब्जा कर उसके खरीद बिक्री करने पर होने वाली मोटी कमाई को लेकर है. इसमें घटना के दिन तैनात पुलिस की लापरवाही का भी एंगल सामने आ रहा है जिसपर गंभीरता से निष्पक्ष होकर राजनीतिक दवाब से बचते हुए जांच करवाने की आवश्यकता है.

पानी लाने गए अधेड़ की कुएं में गिरने से मौत

डुमरी। नवंबर डुमरी थाना क्षेत्र के कोठी बगीचा के समीप मंगलवार की देर शाम कुएं में गिरकर व्यक्ति की मौत हो गई . घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर थाना ले गई, पुलिस ने बुधवार को मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए गिरीडीह भेज दिया.घटना के संबंध में बताया जाता है कि हेठटोला निवासी दिनेश महतो उम्र 45 वर्ष कोठी बगीचा समीप स्थित अपने खलिहान का काम करने को लेकर समीप के स्थित एक कुएं से पानी लाने गया था इसी दौरान दिनेश महतो का पैर फिसल गया कुएं में गिर गया. दिनेश महतो की मौत हो गई जब दिनेश महतो को कुआ से पानी लेकर वापस नही लोटा तो उसके साथ खलिहान में काम कर रही उसकी पत्नी ने दिनेश को देखने कुआं के पास पहुंची. उसकी पत्नी ने पाया कि दिनेश कुएं में गिरा हुआ है .

आक्रोश आक्रोशित लोगों ने एनएच 33 को किया जाम, प्रशासन ने मुआवजे की घोषणा की

सड़क पार कर रहे बुजुर्ग को पिकअप वैन ने कुचला, मौत

संवाददाता। जमशेदपुर

एमजीएम थाना अंतर्गत एनएच 33 पर भिलाई पहाड़ी के पास बुधवार सुबह सड़क पार कर रहे एक बुजुर्ग को पिकअप वैन ने टक्कर मार दी.इस दुर्घटना में देवघर गांव निवासी 49 वर्षीय चरण बेसरा की मौके पर ही मौत हो गई. दुर्घटना के बाद वैन का चालक वाहन छोड़ कर मौके से फरार हो गया. इससे गुस्साए ग्रामीणों ने मुआवजा की मांग को लेकर शव के साथ एनएच को जाम कर दिया. घटना के बाद ग्रामीण सड़क किनारे खड़े होने वाले भारी वाहनों को हटाए जाने के अलावे मृतक के परिजनों को सरकारी सहायता राशि प्रदान करने की मांग पर अड़े थे. वहीं जिस वाहन से दुर्घटना हुई है उसकी ओर से भी मुआवजा देने की मांग कर रहे थे. दूसरी ओर सड़क अवरुद्ध रहने के कारण एनएच पर वाहनों की लंबी कतार लग गई थी.आक्रोशित लोगों ने सड़क पर टायर जलाकर प्रदर्शन किया. बाद में सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को समझा बुझाकर शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन उग्र लोग शांत नहीं हुए. इस बीच देवघर पंचायत के मुखिया शशि सिंह सरदार और प्रशासन के बीच चले वार्ता में मुआवजे की घोषणा के बाद सड़क से ग्रामीणों ने जाम हटाया.

सहायता की घोषणा के बाद लोग हुए शांत

बैठक में मुखिया शशि सिंह सरदार, बीडीओ, सीओ और थाना प्रभारी मौजूद थे. इस दौरान मृतक के परिजनों को प्रशासन की ओर से 30 हजार रुपए तत्काल सहायता राशि, सड़क किनारे खड़े ट्रेलर मालिक की ओर से दो लाख रुपए की घोषणा के बाद ग्रामीणों ने सड़क जाम हटा लिया. ग्रामीणों ने सुबह 7 बजे से सड़क जाम कर रखा था जो लगभग 12 बजे खत्म हुआ. बुधवार सुबह चरण बेसरा सड़क पार कर रहे थे. घाटशिला की ओर से एक तेज रफ्तार पिकअप वैन आ रही थी. सड़क किनारे एक ट्रेलर खड़ी थी जिस कारण चरण पीछे नही भाग पाए.

सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत

तेतुलामारी। बड़की बौआ उत्तर पंचायत में मंगलवार को आयोजित मगध सम्राट जरासंध के प्रतिमा अनावरण समारोह भाग लेकर घर लौट रहे दो युवकों की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई. मृतक रणदीप रवानी व विकास रवानी बलियापुर के रहने वाले थे.घटना मंगलवार की देर रात की बाताई जाती है. घटना को लेकर बताया जा रहा है. दोनों युवक बलियापुर से बुलेट संख्या जेएच10 सीएस 1273 से बड़की बौआ में अनावरण समारोह में शामिल होने पहुंचे थे.कार्यक्रम के समापन पर दोनों युवक बुलेट मोटरसाइकिल से अपने घर के लिए निकले थे .

जमशेदपुर: महिला से मोबाइल छीन कर भाग निकले उचक्के

संवाददाता। जमशेदपुर

परसुडीह थाना अंतर्गत सोपोडेरा गांधी मैदान के समीप रहने वाली सविता देवी से बदमाशों ने दिनदहाड़े मोबाइल की छिनतई कर ली. सोपोडेरा शिव मंदिर की तरफ से आए स्कूटी सवार दो युवकों ने घटना को अंजाम दिया और गांधी मैदान की ओर फरार हो गए. यह पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है. बुधवार को थाना पहुंची पीड़ित सविता देवी ने बताया कि वह मंगलवार की सुबह अपने दुकान के सामने खड़ी थी.तभी दो युवक आए और घर पर मोबाइल छूटने का बहाना बनाते हुए उनसे फोन करने के लिए मोबाइल की मांग की. सविता देवी ने पास में मोबाइल नहीं रहने पर घर से बहू का मोबाइल लाकर वहां खड़ी एक महिला पड़ोसी को दिया.पड़ोसी जैसे ही मोबाइल पर युवकों से पूछ कर नंबर डायल करने लगी, तभी मौका पाकर दोनों बदमाश झपट्टा मार कर मोबाइल छीन कर वहां से फरार हो गए. मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और सीसीटीवी की जांच की. इस संबंध में थाना में लिखित शिकायत नहीं की गई है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष आकस्मिक व्यय से तनाव रहेगा. अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा. विवेक से कार्य करें. स्थानीय धर्मस्थल की परिवार के साथ यात्रा होगी. पार्टनर से मतभेद समाप्त होगा. जल का दान किसी शिवमंदिर में करें.

वृषभ व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. लाभ के अवसर प्राप्त होंगे. शत्रु भय रहेगा. व्यापार-व्यवसाय में ग्राहकी अच्छी रहेगी. नौकरी में कार्य व्यवहार, ईमानदारी की प्रशंसा होगी. मशक्कत करने से लाभ होगा. चिंता होगी. शत्रु पराजित होंगे.

मिथुन मान-सम्मान मिलेगा. वाणी पर नियंत्रण रखें. स्त्री कष्ट संभव. कलह से बचें. कार्य में सफलता, शत्रु पराजित होंगे. विवेक से कार्य बनेंगे. पेट रोग से पीड़ित होने की संभावना. वस्त्राभूषण की प्राप्ति के योग. किस्मत का साथ मिलेगा.

कर्क विवाद न करें. लेन-देन में सावधानी रखें. कानूनी बाधा दूर होगी. देव दर्शन होंगे. राज्य से लाभ होने की संभावना. मातृपक्ष की चिंता. वाहन-मशीनरी का प्रयोग सावधानी से करें. धनागम की संभावना. मित्र मिलेंगे.

सिंह प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें. झंझटों में न पड़ें. आगे बढ़ने के मार्ग मिलने की संभावना. शत्रु पराजित होंगे. लाभ होगा. स्वास्थ्य ठीक न हो. अनजाना भय सताएगा. राज्य से लाभ.

कन्या जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा. राजकीय बाधा दूर होगी. नेत्र पीड़ा की संभावना. धनलाभ एवं बुद्धि लाभ होगा. शत्रु से परेशान होंगे. अपमान होने की संभावना. कष्ट की संभावना. धनहानि. कष्ट-पीड़ा.

तुला कमजोर रहेगा. भागदौड़ रहेगी. भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी. उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. धनागम सुस्त रहेगा. कार्य के प्रति अनमनापन रहेगा. दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है. कुछ लाभ की संभावना.

वृश्चिक पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा. विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. शत्रु पर विजय, हर्ष के समाचार मिलने की संभावना. कुसंग से हानि. धनागम सुखद रहेगा. प्रेमिका मिलेगी. कुछ आय होगी. माता को कष्ट रहेगा.

धनु भय-पीड़ा, मानसिक कष्ट की संभावना. लाभ तथा पराक्रम ठीक रहेगा. दुःसमाचार प्राप्त होंगे. हानि तथा भय की संभावना, पराक्रम से सफलता, कलहकारी वातावरण बनेगा. भयकारक दिन रहेगा.

मकर मेहनत से किया गया प्रयास सफल होगा. कोई धार्मिक यात्रा के योग बनेंगे. कुछ कष्ट होने की संभावना. लाभ के योग बनेंगे. स्त्री वर्ग को कष्ट साथ ही कुसंग से कष्ट. कलहकारक दिन रहेगा. अन्न और फल का दान करें.

कुंभ पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे. स्वास्थ्य कमजोर रहेगा. आय में वृद्धि होगी. विरोध की संभावना, धनहानि, गृहस्थी में कलह, रोग से घिरने की संभावना, कुछ कार्यसिद्धि की संभावना. चिंताएं जन्म लेंगी.

मीन किस्मत का साथ मिलेगा. परिवार की चिंता रहेगी. लाभ होगा. अस्वस्थता का अनुभव करेंगे. चिंता से मुक्ति नहीं मिलेगी. शत्रु दबे रहेंगे. कलह-अपमान से बचें. संभावित यात्रा होगी. सावधानी बरतना होगी.

श्रीश्याम प्रभु का जन्मोत्सव आज

रांची। खाटू वाले श्रीश्याम प्रभु का जन्मोत्सव गुरुवार को धूमधाम से मनाया जाएगा. मौके पर श्रृंगार-पूजन और भक्ति गीतों के कार्यक्रम का खास आयोजन किया जाएगा. श्रद्धालु देर रात तक अपने इष्ट के श्रीचरणों में श्रद्धा अर्पित करेंगे. शहर के श्रीश्याम मंदिरों में इसकी तैयारी पूरी कर ली गयी है. श्रीश्याम मंदिर, हरमू रोड में श्रीश्याम मित्र मंडल श्रीश्याम जयंती महोत्सव के रूप में शीष के दानी का जन्मोत्सव मनायेगा. रात साढ़े नौ बजे श्रृंगार-पूजन कर अखंड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी. तारा देवी कटारूका अपने पुत्र राजेश और प्रकाश कटारूका संग दीप प्रज्वलित करेंगी. श्रद्धालुओं की ओर से बाबा को छप्पन भोग भी लगाया जायेगा. भक्ति गीतों का कार्यक्रम होगा. मंडल के भजन गायक संग जमशेदपुर की सौम्या चौधरी भजनों की लड़िया लगाएंगी.

छठ पूजा में चलाया स्वच्छता अभियान

रांची। छठ पूजा के अवसर पर एचडीएफसी बैंक ने स्वच्छता अभियान आयोजित किया. अभियान में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए. इस समर्थन के परिणाम स्वरूप, बैंक के कर्मचारी, रांची नगर निगम व नगर निगम के साथ मिलकर स्थानीय स्तर पर साफ-सुथरे और हरित स्वच्छता के लिए विभिन्न छठ घाटों की सफाई की और स्वच्छता के लिए संगठित हस्ताक्षर अभियान चलाया. झारखंड सर्किल हेड कुमार अभिषेक ने कहा कि स्वच्छता ही हमारे समुदाय की नींव है. हम सभी एक सुंदर, स्वस्थ और हरित झारखंड की दिशा में कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ने का संकल्प करते हैं. बैंक ने निगमों के साथ मिलकर स्थानीय समुदायों को शिक्षित करने, स्वच्छता में सहयोग करने, और एक स्वच्छ भविष्य की दिशा में साझेदारी करने का संकल्प किया है.

पर्व-प्रसंग : चार महीने योग निद्रा में लीन रहने के बाद आज भगवान विष्णु के साथ जाग जाएंगे सभी देवी-देवता

देवोत्थान आज, होगा तुलसी विवाह, बजेंगी शहनाइयां

संवाददाता। रांची

सनातन धर्म का प्रमुख पर्व देवोत्थान 23 नवंबर को होगा. इस दिन तुलसी विवाह के साथ प्रबोधनोत्सव मनाने की परंपरा चली आ रही है. प्रसिद्ध ज्योतिषी प्रणव मिश्र ने बताया कि इस वर्ष तुलसी विवाह सर्वार्थसिद्धि योग, रवि योग और यायी जय योग के संयोग में मनाया जाएगा. पंचांगों के अनुसार 23 नवंबर रात्रि आठ बजकर 21 मिनट तक एकादशी तिथि है, लेकिन प्रातः 9.27 बजे से रात्रि 8.21 बजे तक भद्रा लगेगा. वहीं संध्या 5.23 बजे से सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग के साथ रात्रि 8.21 मिनट से यायी जय योग प्रारंभ हो रहा है. तुलसी विवाह और प्रबोधनोत्सव के लिए यह दुर्लभ योग सर्वाधिक उपयुक्त है.

उन्होंने बताया कि सनातन धर्म में तुलसी विवाह का विशेष महत्व है. इस दिन माता तुलसी और भगवान विष्णु के शालीग्राम अवतार के विवाह का विधान है. कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को तुलसी विवाह किया जाता है. इस दिन भगवान विष्णु चार माह की योग निद्रा के बाद जाग्रत होते हैं. एकादशी के दिन माता तुलसी का विवाह करने से कन्यादान के समान पुण्य फल की प्राप्ति होती है. इसलिए अगर किसी ने कन्या दान न किया हो तो उसे जीवन में एक बार तुलसी विवाह कर के कन्या दान का शुभ पुण्य प्राप्त करना चाहिए. धर्मानुसार तुलसी विवाह विधि-विधान से संपन्न कराने से भक्तों को अंत में मोक्ष की प्राप्ति होती है और भगवान विष्णु की कृपा से मनोकामना पूरी होती है. वैवाहिक जीवन में आ रही बाधाओं से मुक्ति मिलती है.

क्या है तुलसी विवाह

तुलसी का असली नाम वृंदा था. उनका जन्म राक्षस कुल में हुआ वह श्रीहरि विष्णु की परम भक्त थीं. वृंदा जब बड़ी हुईं तो उनका विवाह जलंधर नामक असुर से करा दिया गया. वृंदा भगवान विष्णु की परम भक्त के साथ- साथ वह पतिव्रता स्त्री भी थीं. उनकी भक्ति और पूजा के कारण उनका पति जलंधर अजेय होता गया और स्वर्ग पर आक्रमण कर देव कन्याओं को अपने अधिकार में ले लिया. सभी देवताओं के आर्तनाद सुनकर भगवान विष्णु जलंधर का अंत करना चाहते थे, लेकिन उसका वध करने के लिए उसकी पत्नी वृंदा का सतीत्व भंग करना अनिवार्य था. भगवान विष्णु ने अपनी माया से जलंधर का रूप धारण कर वृंदा के पतिव्रत धर्म को नष्ट कर दिया और इसके परिणामस्वरूप जलंधर की शक्ति क्षीण हो गई और वह युद्ध में मारा गया. लेकिन जब वृंदा को श्रीहरि के छल का पता चला तो उन्होंने भगवान विष्णु को पत्थर होने का शाप दे दिया. श्री हरि को पाषाण बनने से सृष्टि का संतुलन बिगड़ने लगा. तब देवताओं की प्रार्थना पर वृंदा ने श्री हरि को क्षमा कर दिया और सती हो गयी. उसी की राख पर एक पौधा निकला, जिसे विष्णु ने तुलसी नाम दिया शालिग्राम के रूप में तुलसी से विवाह करना स्वीकार कर लिया. तभी से तुलसी विवाह की प्रथा चली आ रही है.

मार्च 23 तक के शुभ विवाह के लग्न

देवोत्थान एकादशी और तुलसी विवाह के साथ विवाह लग्न शुरू हो जाएंगे. मार्च 23 तक पड़नेवाले विवाह के लग्न इस प्रकार हैं-

नवंबर 2023 : 24, 27, 28 और 29 को

दिसंबर 2023 : 03, 04, 05, 06, 07, 08, 09, 13,14,15,और 16 को.

जनवरी 2024 : 16, 17, 20, 21, 22, 27, 28, 29, 30 और 31 को.

फरवरी 2024 : 01, 02, 03, 04, 05, 06, 12, 13 ,14, 17, 18, 19, 24, 25, 26, 27, 28 और 29 को.

मार्च 2023 : 01, 02, 03, 04, 05, 06, 07, 11 और 12 को.

गुरुद्वारों से निकाली गयी प्रभातफेरी, खूब गूंजे जयकारे

बोले सो निहाल सत श्री अकाल..

राजन बॉबी। रांची

राजधानी के विभिन्न गुरुद्वारा साहिब से बुधवार को भी प्रभातफेरी निकली. इसमें बड़ी संख्या में सिख धर्मावलंबियों ने हिस्सा लिया. ढोल-बाजे के साथ शबद गायन कर श्रीगुरुनानक देव जी के श्रीचरणों में श्रद्धा अर्पित की. यात्रा के दौरान सेवा संग भक्ति का अनूठा नजारा चहुंओर छाया रहा. प्रभातफेरी जिधर से गुजरती स्थानीय निवासी सेवा को आतुर हो जाते. कोई रास्ते की साफ-सफाइ तो कोई पुष्प वर्षा और चाय-नास्ता बांट संगत का स्वागत करता. सेवा और भक्ति का आलम दिन निकलने तक छाया रहा. अब गुरुवार को अंतिम दिन की प्रभातफेरी निकलेगी. इसके बाद नगर कीर्तन और दीवान सजाने का सिलसिला 27 नवंबर तक चलेगा.

गरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा कृष्णा नगर कॉलोनी, रातू रोड की प्रभातफेरी हजूरी गुरुद्वारा साहिब से निकल कर जब मैट्रो गली चौक पहुंची तो श्रीगुरु सिंह सभा मेन रोड और पिस्का मोड़ गुरुद्वारा से निकली फेरियों का मिलन हुआ. इसके बाद तीनों गुरुद्वारा से आये श्रद्धालु साथ मिल कर कीर्तन गायन करते हुए पिस्का मोड़ गुरुद्वारा पहुंचे. यहां यहां गर्मजोशी से पुष्प वर्षा कर सभी का स्वागत किया गया. मौके पर फेरी में शामिल संगत ने एक से बढ़ कर एक शबद प्रस्तुत कर सब को निहाल किया. इसके बाद श्रीआनंद साहिब जी का पाठ, अरदास और हुकुमनामा के बाद सभी के बीच कढ़ाह प्रसाद बांटा गया. हजूरी गुरुद्वारा कमेटी की ओर से साध संगत के लिए लंगर भी चलाया गया.

शबद गायन कर श्रद्धालुओं को किया निहाल

प्रभात फेरी में स्त्री सत्संग सभा की बबली दुआ, गीता कटारिया, शीतल मुंजाल,इंदु पपनेजा नीता मिढ्ढा ,रेशमा गिरधर, मनजीत कौर,सुरजीत मुंजाल,सुंदर दास मिढ़ा आदि ने तूटे बंधन पूरन आसा हरि के चरण रिद माहि निवासा... जैसे शबद गायन कर सब को निहाल किया.

25 को सजेगा दीवान, निकलेगी शोभा यात्रा

प्रकाश पर्व पर 25 नवंबर को कृष्णा नगर कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा मैदान में भव्य दीवान सजाया जाएगा. जिसमें प्रसिद्ध रागी जत्था भाई अमरजीत सिंह जी तान, अमनदीप सिंह जी लुधियाना वाले और भाई ओंकार सिंह दरबार साहिब,अमृतसर वाले शबद गायन करेंगे. मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया किगुरु का अटूट लंगर चलेगा. इसके बाद दिन के ढाई बजे से भव्य नगर कीर्तन यात्रा निकाली जाएगी. इसमें श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को पुष्प सवारी पर विराजमान कर नगर भ्रमण कराया जाएगा. शोभायात्रा रातू रोड के रास्ते किशोरी यादव चौक, गांधी चौक, शहीद चौक, अल्बर्ट एक्का चौक होते हुए सर्जना चौक, डेली मार्केट,चर्च कॉम्प्लेक्स, लाला लाजपत राय चौक के रास्ते रात नौ बजे पीपी कंपाउंड लौटेगी.

अलबर्ट एक्का चौक पर होगा मिलन

पिस्का मोड, कृष्णा नगर कॉलोनी, रातू रोड गुरुद्वारा साहिब की प्रभातफेरी साथ मिल कर रातू रोड, मैकी रोड, प्यादा टोली पहुंचेंगे. सत्संग सभा के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि यहां मेन रोड गुरुद्वारा से आयी फेरी का मिलन होगा. फिर तीनों गुरुद्वारा से आये धर्मावलंबी साथ मिल कर महावीर चौक, गांधी चौक के रास्ते शहीद चौक होते हुए अल्बर्ट एक्क चौक पहुंचेंगे. जहां दूसरी ओर से आई गुरुद्वारा स्टेशन रोड, पीपी कंपाउंड और कडरू की प्रभातफेरियों का मिलन होगा. बाद में सभी साथ मिल कर मेन रोड गुरुद्वारा साहिब पहुंचेंगे. इसके बाद अरदास के साथ समापन की घोषणा की जाएगी. महासचिव गगनदीप सिंह सेठी ने सभी प्रभातफेरियों के संचालकों से समय का ध्यान रखने की अपील की है. साथ ही धर्मावलंबियों से इसमें बढ़-चढ़ कर भाग लेने का आग्रह किया है.

इंटरनेशनल फिल्म प्रोड्यूसर्स को भा रही है झारखंड की लोकेशन

संवाददाता। रांची

गोवा में 20 से 24 नवंबर तक चल रहे इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में झारखंड फिल्म विकास निगम भी हिस्सा ले रहा है. फेल्टिवल में विश्व के कई देशों के मशहूर फिल्म प्रोड्यूसर पहुंचे हुए हैं. इनमें से कई प्रोड्यूसर्स ने झारखंड के फिल्म नीति की जानकारी ली है.

झारखंड सरकार की फिल्म नीति को प्रमोट करने के लिए झारखंड के प्रतिनिधि के रूप में झारखंड फिल्म विकास निगम के कोषाध्यक्ष बीरू प्रसाद कुशवाहा और सहायक कंपनी सचिव अमन कुमार गोवा में मौजूद हैं. ये दोनों झारखंड फिल्म नीति और यहां के प्राकृतिक सौंदर्य के साथ फिल्मांकन के लिए उचित माहौल के बारे में जानकारी दे रहे हैं. बीरू कुशवाहा ने बताया कि बुधवार को झारखंड में फिल्म निर्माण की संभावनाओं के संबंध में जानकारी लेने के लिए कई प्रदेशों के प्रोड्यूसर्स जेएफडीसीएल के स्टॉल पर आए. उन्होंने झारखंड फिल्म नीति की सराहना की और राज्य में फिल्म की शूटिंग करने की इच्छा जाहिर की.

मसीही समुदाय का साक्रामेंत जुलूस 26 को

रांची। ख्रीस्त राजा के पर्व को लेकर मसीही समुदाय के लोग 26 नवम्बर को दोपहर 1 बजे रांची में साक्रामेंत का जुलूस निकालेंगे. यह जानकारी संत मरिया महागिरजा घर चर्च के पल्ली पुरोहित ने दी. उन्होंने कहा कि हजारों मसीही समुदाय इस जुलूस में शामिल होंगे. कार्यक्रम संत मरिया महागिरजा घर चर्च से शुरू होगा. धार्मिक जुलूस में विभिन्न चर्च के सिस्टर, फादर ,पल्ली पुरोहित समेत मसीही परिवार के लोग हिस्सा लेंगे. लोग परमेश्वर के विनती, गीत गाते हुए फादर कामिल बुल्के मार्ग पर गुजरेगी. जुलूस सर्जना चौक, मेन रोड, अलबर्ट चौक, ओल्ड हजारीबाग रोड पर प्लाजा चौक, लालपुर चौक, फातिमा नगर चौक होते हुए पुरुलिया रोड पथ से होते हुए लोयला मैदान में पहुंचेगी. जहां सभी जुलूस प्रार्थना सभा में तब्दील हो जाएंगे.इलोयला मैदान में एक घंटे तक यीशु मसीह की विशेष प्रार्थना का कार्यक्रम आयोजित होगा.

एक्सआईएसएस ने स्विचऑन फाउंडेशन के साथ किया एमओयू

संवाददाता। रांची

जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) ने अगले तीन वर्षों के लिए स्विचऑन फाउंडेशन, भारत के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया है. इसके तहत दोनों संगठन ग्रामीण विकास, प्रबंधन, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और लिंग, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और अनुसंधान के क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेंगे. दौरान एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर एसजे, डॉ अमर ई. तिग्गा, डीन एकेडमिक्स, डॉ अनंत कुमार, प्रमुख, रूरल मैनेजमेंट कार्यक्रम, डॉ राजश्री वर्मा व डॉ शौर्या दासएक्सआईएसएस, रांची से तो वही विनय जाजू, कार्यकारी निदेशक, स्विचऑन फाउंडेशन, उददीप नंदी और विवेक कुमार गुप्ता शामिल रहे. डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर एसजे ने एमओयू के ऊपर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और कहा, कि एमओयू में निर्धारित क्षेत्रों में स्विचऑन फाउंडेशन के साथ इस सहयोग से एक्सआईएसएस को अकादमिक क्षेत्र में लाभ होने की उम्मीद है. यह संस्थान के छात्रों के लिए विकास क्षेत्र की जमीनी हकीकतों को सीखने और समझने का एक अद्भुत अवसर है तो वही फैकल्टी रिसर्च के कार्यों में इसका उपयोग करेंगे. ग्रामीण विकास, कृषि, नीति अनुसंधान, महिला सशक्तिकरण और लिंग, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्रों में स्विचऑन फाउंडेशन के साथ इस सहयोग से संस्थान को लाभ होगा.

मौलाना आजाद कॉलेज का हो रहा जीर्णोद्धार

रांची। अंजुमन इस्लामिया रांची की ओर से मौलाना आजाद कॉलेज का का जीर्णोद्धार का कार्य शुरू किया गया है. अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष हाजी मोख्तार अहमद ने कि वर्षों से मौलाना अबुल कलाम आजाद द्वारा स्थापित धरोहर काफी खस्ता हाल हो गया था. पूरी बिल्डिंग की हालत काफी जर्जर हो गई थी. मरम्मत के अभाव में इसकी स्थिति दिन ब दिन बिगड़ती जा रही थी. मौलाना आजाद ने इसे मदरसा अंजुमन इस्लामिया का रूप दिया था. आज इसके 110 साल हो गये हैं. इसे मौलाना आजाद कॉलेज का रूप दिया गया है. जहां बड़ी संख्या में बच्चे इंटर, ग्रेजवेट की शिक्षा प्राप्त करते हैं. अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष हाजी मोख्तार अहमद ने कहा कि इस पद पर आये हुए एक वर्ष हुए हैं. अंजुमन इस्लामिया, मदरसा इस्लामिया, अब मौलाना आजाद कॉलेज जिसे मौलाना आजाद ने स्थापित किया है. उसे जल्द से जल्द बेहतर रूप देने के कार्य में लग गया हूं. मौलाना आजाद कॉलेज का निर्माण कार्य 5 माह से चल रहा है. सरकारी स्तर पर सहयोग के लिए कमेटी बना कर पूरातत्व विभाग को ज्ञापन दिया गया है.

हम सब भगवान चित्रगुप्त के वंशज, सभी समान हैं : दीपक

संवाददाता। रांची

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा झारखंड प्रदेश कैंप कार्यालय रांची में वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रेम कुमार सिन्हा ने नवगठित राष्ट्रीय स्तर पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के पदधारियों को समारोह में अभिवादन एवं सम्मानित किया गया. इसकी शुरुआत मुख्य अतिथि राष्ट्रीय संरक्षक पूर्व आईजी दीपक वर्मा व अन्य अतिथियों ने भगवान चित्रगुप्त की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर की. मौके पर पूर्व आईजी ने कहा कि समाज में हर कोई सम्मानित है और हमें हमेशा समाज का सम्मान करना चाहिए. यही पारिवारिक व संगठन की सफलता के मूल मंत्र हैं. किसी को छोटा और किसी को बड़ा मानने की भावना समाज में खाई पैदा करती है जब हम सब भगवान चित्रगुप्त के वंशज हैं तो सभी समान हैं. यही भावना समाज में फैलानी है. जिस दिन यह बात हम समाज में पहुंचा देंगे, उसी दिन संगठन अपने उद्देश्यों में सफल हो जाएगा. महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, राष्ट्रीय संगठन मंत्री चंदन सिन्हा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार श्रीवास्तव, जिला अध्यक्ष शैलेश कुमार सिन्हा, उपाध्यक्ष अमरेंद्र कुमार सिन्हा, शंभू प्रसाद, विजय सिन्हा, मनोज कुमार सिन्हा, प्रवीण व्रत श्रीवास्तव ने भी अपने विचार रखे.

प्रशासन-गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी की हुई बैठक

रांची। डीसी राहुल कुमार सिन्हा के निर्देशानुसार बुधवार को गुरुनानक जयंती के अवसर पर निकलने वाली शोभायात्रा एवं अन्य कार्यक्रमों की तैयारी को लेकर समाहरणालय में बैठक आयोजित की गई. बैठक में शोभा यात्रा के दौरान बेहतर व्यवस्था को लेकर गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव दिए. प्रमुख चौक-चौराहों पर शोभा यात्रा के दौरान सुरक्षा-व्यवस्था, महिला पुलिसकर्मियों की प्रतिनियुक्ति, फायर ब्रिगेड की व्यवस्था, वॉलिंटियर्स टीम आदि को लेकर चर्चा की गयी. राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम एवं ज्योति सिंह मथारु ने गुरुद्वारा प्रबंधन कमिटि के सदस्यों को हर संभव सहयोग की बात कही. गुरूवार को जिला प्रशासन के पदाधिकारी द्वारा गुरुनानक जयंती के अवसर पर निकलने वाली शोभायात्रा के रुट का जायजा लिया जाएगा. बैठक में राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष शमशेर आलम, उपाध्यक्ष ज्योति सिंह मथारू, एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा, एसडीओ रांची सदर दीपक दुबे सहित गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के सदस्य उपस्थित थे.

मिले टिप्स सड़क सुरक्षा विभाग और रिलेशंस ने सड़क सुरक्षा को लेकर चलाया अभियान

डीएवी नीरजा सहाय के छात्रों ने जाने रोड सेफ्टी के नियम

संवाददाता। रांची

रांची जिला के सड़क सुरक्षा विभाग और रिलेशंस ने संयुक्त रूप से डीएवी नीरजा सहाय में सड़क सुरक्षा के लिए जागरूकता अभियान चलाया. इस दौरान रोड सेफ्टी मैनेजर जमाल ए खान, रोड सेफ्टी इंजीनियर गौरव कुमार, डीएवी नीरजा सहाय की प्रिंसिपल किरण यादव, बॉलीवुड अभिनेत्री अंतरा और रिलेशनस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी शामिल रहे. इस अवसर पर सभी अतिथियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा जीवन के लिए होती है. सड़कों पर अक्सर दुर्घटना होती रहती है. इसी के बचाव के लिए बच्चों को सड़क सुरक्षा के नियम से भी अवगत कराया गया. सभी अतिथियों ने कहा कि हमें कभी भी दोपहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट का उपयोग करना चाहिए. 18 साल के आयु के बाद ही दोपहिया वाहन चाहिए. हमें यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए. कभी ट्रिपल राइडिंग नहीं करना चाहिए, सीट बेल्ट पहनकर गाड़ी चलनी चाहिए. हमें हमेशा सुरक्षित ड्राइविंग की आदतों का ध्यान रखना चाहिए. राइडिंग करते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए. फुटपाथों पर संभलकर चलना चाहिए और जेब्रा क्रॉसिंग से ही क्रॉस करना चाहिए. गति सीमा का ध्यान रखना चाहिए.

ये जानकारी दी गयी

- रोड एक्सीडेंट के दौरान 108 नंबर पर तुरंत फोन करने को भी कहा गया.
- इस दौरान बच्चों ने अपने रांचीवासियों और अपने अभिभावकों को पेंटिंग बनाकर यातायात नियमों का पालन करने का संकल्प भी लिया.
- अगर किसी भी दुर्घटना में घायल व्यक्ति को 1 घंटे के अंदर हॉस्पिटल पहुंचाने पर रोड सेफ्टी विभाग द्वारा नेक नागरिक का फर्ज निभाने को लेकर व्यक्ति को 2 हजार से 5 हजार तक के प्रोत्साहन राशि और प्रशस्ति पत्र इनाम के तौर पर दिया जाएगा.

नहीं रहे जेवीएम श्यामली के पूर्व प्राचार्य राम इकबाल सिंह

रांची। जेवीएम श्यामली के पूर्व प्रिंसिपल राम इकबाल सिंह का निधन हो गया. उन्होंने ऑर्किड हॉस्पीटल में अंतिम सांस ली. वे मूल रूप से बिहार के सीतामढ़ी जिले के रहने वाले थे. इससे शिक्षा जगत में शोक की लहर है. जब ये जेवीएम श्यामली में बतौर प्रिंसिपल आये तो उस वक्त इसका नाम डीएवी श्यामली हुआ करता था. इनके काल में डीएवी श्यामली काफी ऊंचाइयों पर पहुंच गया था. ये वर्ष 2001 में ब्रिजफोर्ड स्कूल में प्राचार्य और फिर निदेशक के पद पर भी रहे. वर्ष 2010 तक उन्होंने उस स्कूल में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी. फिर जेके इंटरनेशनल स्कूल में वे निदेशक के पद पर रहे. स्वास्थ्य खराब रहने के कारण पिछले दो साल से अपने घर पर ही रह रहे थे.

सामूहिक विवाह 26 नवंबर को 121 गरीब जोड़े का होगा विवाह

संवाददाता। रांची

विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग झारखंड के तत्वावधान में 26 नवंबर को रांची आवरण संस्थान के 'मी टू वी'' के सहयोग से सामूहिक आदर्श विवाह सह वात्सल्य महोत्सव आयोजित किया जाएगा. इसमें 121 निर्धन कन्याएं परिणय सूत्र में बंधेंगी. यह कार्यक्रम सुकुरहुटू कांके में रांची गोशाला न्यास के प्रांगण में होगा .

आदर्श विवाह समारोह के संयोजक विष्णु कुमार जालान, वात्सल्य उत्सव के संयोजक उम्मेदमल जैन,मी टू वी संस्थान के संयोजक मुरारी अग्रवाल, विश्व हिंदू परिषद झारखंड सेवा विभाग के प्रांतीय सह- सेवा प्रमुख अशोक कुमार अग्रवाल एवं विहिप सेवा विभाग के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने संयुक्त रूप से बताया कि पिछले 9 वर्षों से अब तक 30 सामूहिक विवाह समारोहों के आयोजन में लगभग 3000 से भी अधिक कन्याओं का विवाह संपन्न हो चुका है. इस वर्ष 121 कन्याओं का सामूहिक आदर्श विवाह होगा तथा पांच दिव्यांग जोड़ियों के कन्यादान के लिए रामकुमार प्रहलाद राय सिंघानिया परिवार से कमल, प्रदीप और विमल सिंघानिया सहयोग प्रदान करेंगे. इस वर्ष 400 से अधिक दिव्यांग बच्चों को सामान्य बच्चों के साथ आमंत्रित किया गया है.

इस समय राज्य के सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों की भारी कमी हो गई है, जिसका असर कामकाज पर पड़ने लगा है. कर्मियों की कमी की वजह से आम जनता तो परेशान है ही, कर्मचारियों पर भी काम का दवाब बढ़ गया है. इस कारण न तो समय पर काम हो पा रहे हैं और काम की गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है. स्थिति ऐसी है कि लिपिकों की कमी से दफ्तरों में भीड़ बढ़ गई है. एक आंकड़े के अनुसार इस समय सरकारी कार्यालयों में मात्र 37 प्रतिशत कर्मचारी हैं, जिसकी वजह से उनपर काफी दबाव है. ज्यादातर काम पेंडिंग पड़े हैं. संचिकाएं लंबित रह जा रही हैं. दूसरी ओर इस समय विभागों में ठेके पर काम कराए जा रहे हैं, पर उनकी संख्या भी ज्यादा नहीं है. कम वेतन मिलने के कारण वे पूरी जिम्मेदारी के साथ काम नहीं करते हैं. काम को लेकर पैसे की मांग की शिकायतें भी मिल रही हैं. लोग कहने लगे हैं कि बिना पैसा दिए कोई काम नहीं होता है. इस समय करीब 7500 फाइलें जमा हो चुकी हैं. राज्य के सभी विभागों में कर्मियों के रिक्त पद पड़े हैं. उन्हें शीघ्र भरने की जरुरत है, ताकि समय पर गुवतापूर्ण काम हो सके. सरकार को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है. अगर समय रहते राज्य के रिक्त पदों को शीघ्र नहीं भरा गया तो मुश्किलें और भी बढ़ जाएंगी. शुभम संदेश की टीम ने इस सिलसिले में हर जिले से जानकारी हासिल कर रिपोर्ट तैयार की है. पेश है रिपोर्ट...

जनता-कर्मचारी दोनों परेशान

- राज्य सरकार के कार्यालयों में है कर्मचारियों की कमी
- समय पर नहीं हो पा रहे गुणवत्तापूर्ण कार्य
- कार्यालयों में ज्यादातर जरूरी काम पड़े हैं पेंडिंग
- सरकारी स्तर पर इस ओर ध्यान देने की जरूरत है
- रिक्त पद शीघ्र भरे जाएं बेरोजगारी भी दूर होगी

चाईबासा

कर्मियों की कमी, जनहित के काम हो रहे प्रभावित : रामहरि

आंबेडकराइट पार्टी ऑफ इंडिया सिंहभूम लोकसभा प्रभारी रामहरि गोप ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों की कमी के चलते जनहित के काम प्रभावित हो रहे हैं. किसी भी संस्था में पदस्थ कर्मचारी उस विभाग की रीढ़ के हड्डी होते हैं और जब संस्था में कर्मचारी न तो न सिर्फ काम प्रभावित होता है बल्कि उसकी अर्थव्यवस्था भी चौपट हो जाती है. आर्थिक मंदी के दौरान जब नौकरी के अवसर कम हो जाते हैं, तो बेरोजगारी बढ़ने लगती है. इसके विपरीत, आर्थिक विकास और समृद्धि की अवधि के दौरान, जनता के लिए नौकरी के कई अवसर उपलब्ध होने लगते हैं जिससे बेरोजगारी में कमी आती है.

जरूरी कार्यों में विलंब होता है : शंकर लाल महतो

सामाजिक कार्यकर्ता शंकर लाल महतो ने कहा कि वर्तमान में सरकारी कर्मचारी की कमी होने से कई कार्यों में विलंब हो रहा है. जाति प्रमाण पत्र से लेकर आवासीय प्रमाण पत्र के लिए प्रखंड कार्यालय का चक्कर आम जनता लगा रही है. सरकार को इस पर गंभीरता से विचार कर स्वीकृत पद पर बहाली करनी चाहिए. झारखंड के स्थापना काल से ही कई पद रिक्त पड़े हुए हैं. उस पद को अभी तक भरा नहीं गया है. बहाली प्रक्रिया शुरू करने की जरूरत है. झारखंड सरकार राष्ट्रीय पार्टी से लेकर क्षेत्र पार्टी के गठबंधन से बनी है. लेकिन यहां की आम जनता को किसी तरह का लाभ नहीं मिल पाया है. जिसके कारण अभी भी सरकारी सुविधा से लोग वंचित हैं.

लोगों को लगाने पड़ते हैं चक्कर : गौरीशंकर महतो

एएनएम कॉलेज के डायरेक्टर गौरीशंकर महतो ने कहा कि सरकारी काम को लेकर अभी भी लोग प्रखंड स्तर से लेकर जिला स्तर तक चक्कर लगा रहे हैं. जिसका मुख्य कारण कर्मचारियों की भारी कमी है. कर्मचारियों की कमी होने से कई कार्य समय पर नहीं हो पा रहे हैं. जिसके कारण आम जनता काफी परेशान है. छोटे छोटे कार्यों में विलंब हो रहा है. इससे इससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है. सरकार से मांग है कि झारखंड में जो स्वीकृति पद हैं उस पर बहाली प्रक्रिया शुरू कर रिक्त पदों को भर जाय. ताकि समस्या का समाधान हो सके और सुचारू रूप से झारखंड में सरकारी कार्य समय पर हो सके.

बहरागोड़ा

तय सीमा पर नहीं हो पाता है काम : दुर्गापद महाकुड़

दुर्गापद महाकुड़ ने बताया कि सरकारी कार्यालय में कर्मचारी की कमी के कारण काम कराने में अधिक समय लगता है, जिससे परेशानी बढ़ जाती है और कार्यालय जाने आने में समय तो लगता ही है, पैसे भी खर्च होते हैं. मतलब दोहरी मार झेलनी पड़ती है. साथ ही उन्होंने बताया कि निजी कर्ज में बाधा भी उत्पन्न होता है. यदि सरकार द्वारा सही समय पर नियुक्तियां की जाती तो लोगों को काफी सहूलियत होगी. जिससे बेरोजगारी की दर भी कम होती. विभागों में कार्यरत कर्मचारी प्रत्येक वर्ष सेवानिवृत्ति होते जा रहे हैं. लेकिन उनके बदले नई नियुक्तियां नहीं हो पा रही है. इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है. इसलिए सरकार को जल्द से जल्द सभी विभागों में रिक्त पड़े पदों को भरना चाहिए.

विभागों में रिक्त पद विकास में सबसे बड़ी बाधा: बिल्लू महतो

बिल्लू महतो ने बताया कि सरकारी विभागों में पड़े रिक्त पदों से केवल राज्य सरकार की ही नहीं पूरे देश के विकास में बाधा उत्पन्न होता है. एक कर्मचारी के ऊपर कई सारे कार्य करने का दायित्व होने पर तय सीमा में कार्य संपन्न नहीं हो पता है. जिससे आम जनता को बहुत सारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है. इसलिए सरकार को अभिलंब सभी रिक्त पदों को भर कर कार्य प्रणाली को गति प्रदान करना चाहिए. जिससे कि लोगों को तय समय सीमा में सारी सरकारी सुविधाएं मिल सके.

जमशेदपुर

अतिरिक्त काम का दिया जाता है दबाव : नितिन कुमार

एमजीएम अस्पताल के आउटसोर्स कर्मी नितिन कुमार कहते है कि अस्पताल के काउंटर में हर शिफ्ट के लिए 8 कर्मी होने चाहिए,इस तरह तीनों शिफ्ट पर कुल 24 ऑपरेटर होने चाहिए पर इस दौरान कई कर्मी छुट्टी पर रहते है. ऐसे में जितने ऑपरेटर हैं उन्हीं से काम लिया जाता है. जिससे उनके काम का बोझ बढ़ जाता है. जब उनकी छुट्टी की बारी आती है तो उन्हें अतिरिक्त काम करने के लिए दवाब बनाया जाता है. कभी कभी काम से निकाल देने की भी धमकी दी जाती है.

सफाईकर्मी के साथ वार्ड बॉय का भी काम करते हैं : कन्हाई

एमजीएम अस्पताल के सफाई कर्मी कन्हाई करते हैं कि अस्पताल में एक शिफ्ट में कई सफाई कर्मी होने चाहिए, पर सफाई कर्मियों की इतनी कमी है कि उनका काम बढ़ जाता है. उन्होंने कहा कि अस्पताल में मरीज काफी हैं. जिससे हर समय अस्पताल में गंदगी रहती है. ऐसे में उन्हें बैठने तक की फुर्सत नहीं होती है. सफाई का भी खयाल रखना होता है. स्टाफ की कमी के कारण सफाई के साथ साथ कभी कभी वार्ड बॉय का भी काम करना पड़ता है. मरीजों को शिफ्ट भी करना पड़ता है.

कर्मचारियों की कमी के कारण बढ़ गया है काम : कमल

जिला उपायुक्त कार्यालय में डेटा एंट्री करने वाले कमल का कहना है कि पहले काफी संख्या में डेटा एंट्री ऑपरेटर हुआ करते थे, जिससे काम आसानी से हो जाया करता था. पर धीरे–धीरे ऑपरेटरों की संख्या कम होती चली गई और काम बढ़ता गया. इस दौरान सैलेरी नहीं बढ़ी. पहले जो काम 2 दिन में होता था. आज वही काम करने में 5 से 6 दिन तक लग जाते हैं. ऐसे में बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ता है.

छंटनी के बाद काम का ज्यादा रहता है दबाव : राजा

बिजली विभाग में मीटर रीडिंग करने वाले राजा कहते हैं कि मीटर रिडिंग करने के लिए पहले हर छेत्र में काफी संख्या में युवकों को रखा गया था. जिससे जल्दी ही काम हो जाता था. कोरोना काल के बाद से कंपनी ने छंटनी की और कई युवकों को बाहर का रास्ता दिखा दिया. अब काम करने वालों की कमी हो गई है, जिससे काम बढ़ता जा रहा है. इसके अलावा जल्द से जल्द मीटर रीडिंग करने का भी दबाव रहता है.

मेदिनीनगर

प्रखंड कार्यालयों में कर्मचारियों की कमी

पलामू के सरकारी कार्यालय और प्रखंडों में कर्मचारियों की कमी है. बहुत से कार्यालयों में सरकारी कंप्यूटर ऑपरेटर नहीं हैं, सभी कर्मचारी, ऑपरेटर निजी तौर पर काम कर रहे हैं. इनको 7500 से 10 हजार रुपए मिलते हैं . कभी कभी तो इन प्राइवेट कर्मचारी और सरकारी कंप्यूटर ऑपरेटर को समय पर पैसे भी नहीं मिलते हैं. जिसके करण वे ठीक से काम भी नहीं करते हैं. कम पैसों और समय से पैसे नहीं मिलने पर हर काम में पैसे की डिमांड लोगों से करते हैं. अगर स्थाई तौर कर कर्मचारी काम करे तो काम भी बेहतर होगा और कर्मचारी भी संतुष्ट रहेंगे.

चांडिल

काम के बोझ तले दबे रहते हैं कर्मचारी

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र स्थित सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों की घोर कमी हैं. इस वजह से आम लोगों के काम समय पर नहीं हो पा रहे हैं. संचिकाएं लंबित रह जा रही हैं. नीमडीह और कुकड़ प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि अतिरिक्त प्रभार के कारण कर्मचारी काम के बोझ तले दबे रहते हैं.

प्रखंड कार्यालय में नहीं हैं सुपरवाइजर: चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के प्रखंड कार्यालय में सुपरवाइजर की घोर कमी है. नीमडीह और कुकड़ प्रखंड में एक भी सुपरवाइजर पदस्थापित नहीं हैं. प्रखंड कार्यालय में न प्रखंड कल्याण पदाधिकारी हैं न सांख्यिकी पदाधिकारी हैंऔर न ही कृषि पदाधिकारी हैं. सुपरवाइजर रैंक का अन्य कोई पदाधिकारी नहीं होने का काम पर बहुत असर पड़ता है. ऐसे में सभी पद प्रभार पर चल रहे हैं. जिसके कारण कर्मियों पर काम का अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है. इसका व्यापक असर कार्यालयों के कामकाज पर देखा जा सकता है. यही हाल अनुमंडल कार्यालय का भी है. अनुमंडल बने दो दशक बीत गए, लेकिन सभी पदों पर पदाधिकारी की पदस्थापना एक साथ अब तक नहीं हो सकी है. अनुमंडल क्षेत्र में सबसे बुरी स्थिति पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की है. यहां न कनीय अभियंता हैं और न ही सहायक अभियंता पदस्थापित हैं.

हजारीबाग

330 में से फिलहाल 228 लिपिक ही जिले में कार्यरत

हजारीबाग के सरकारी दफ्तरों में कुल 330 लिपिक के पद सृजित हैं . सृजित पद समाहरणालय और प्रखंड कार्यालय के लिए हैं.सृजित कुल 330 में से फिलहाल 228 लिपिक ही जिले में कार्यरत हैं. जिले में लिपिक की संख्या में थोड़ी बढ़ोतरी हुई है. इस वर्ष जून में 62 लिपिक के नए बहाली के बाद काम की गति थोड़ी सुधरी है. उसके पहले यहां पद रिक्त रहने से खासकर अंचल कार्यालय में लोग काफी परेशान रहते थे.

पहले जनसंख्या काफी कम थी: जिस वक्त यहां पद सृजित हुए थे, उसे वक्त जिले की जनसंख्या काफी कम थी और पद का सृजन जनसंख्या के हिसाब से निश्चित हुआ था. आज के परिपेक्ष में अगर देखा जाए तो जनसंख्या के हिसाब से जिले में लिपिक की संख्या कम से कम 800 से 1000 के बीच होनी चाहिए ,उस हिसाब से केवल 25 से 30 फीसदी के स्ट्रैथ पर पूरे जिले में काम चल रहा है .

छोटे काम के लिए लगाना पड़ता है चक्कर: जिले में 2004 के बाद से बहाली बंद थी और केवल अनुकंपा के आधार पर चयनित लोगो से रिक्त स्थान को भरा जा रहा था. जो कर्मचारी सेवा निवृत हो रहे थे उनके स्थान पर 2004 से कोई बहाली नहीं हुई थी. फिलहाल 62 पदों पर चयन होने से स्थिति में थोड़ा सुधार जरुर हुआ है. सबसे बुरी स्थिति प्रखंड कार्यालय में है, जहां लगभग आधे स्ट्रैथ पर काम किया जा रहा है. इसका खामियाजा आम लोगो को उठाना पड़ता है और उन्हें छोटे से छोटे काम के लिए प्रखंड कार्यालयो के बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं.

रांची

इस समय सभी विभागों की हालत बहुत ही बुरी : अजय मिश्र

वरीय अधिवक्ता अजय मिश्र ने राज्य के कार्यालयों में कर्मचारियों की कमी पर कहा कि इस समय हालत बहुत बुरी है. एक तो समय पर काम नहीं होते हैं, दूसरी ओर काम के लिए पैसे भी मांगे जाते हैं. दफ्तरों का चक्कर लगाते लगाते लोगों का बुरा हाल है. पासपोर्ट वेरिफिकेशन की बात हो या जाति प्रमाण पत्र या जमीन के दाखिल खारिज का ममला हो, कोई भी काम समय पर नहीं होता है, लोग परेशान हैं. कारण कर्मचारियों की कमी का दंश आम जनता झेल रही है. सरकार को इस ओर ध्यान देने की जरुरत है. वह कहते हैं कि अगर दफ्तरों में समय पर काम नहीं होंगे तो राज्य कैसे विकसित होगा. जनता की खुशहाली ही तो राज्य के विकास का द्योतक है. इस समय आम जनता सरकारी काम काज से काफी नाखुश है. सहज ही समझा जा सकता है कि राज्य में विकास की क्या स्थिति है. बहुत लम्बे समय से बहाली का काम भी रुका हुआ है. लोग सेवा निवृत तो हो रहे हैं पर नई नियुक्तियां नहीं हो रही है. सरकारी स्तर पर इस ओर ध्यान देने की जरुरत है.

समय पर काम नहीं, चक्कर भी लगाने पड़ते हैं : चरणजीत सिंह

सीसीएल के सेवा निवृत अधिकारी चरणजीत सिंह का कहना है कि कर्मचारियों की कमी की वजह से कार्य की गुणवत्ता तो प्रभावित हो ही रही है,काम के लिए पैसे की डिमांड भी बढ़ गई है. छोटे-छोटे कामों के लिए भी लोग पैसा मांगते हैं. भूअर्जन, शिक्षा, स्वास्थ्य विभाग हो या प्रखंडों के कार्यालय, सभी जगह स्थिति बहुत बुरी है. कर्मियों की कमी के कारण काम समय पर नहीं हो पाते हैं, कर्मचारी कहते हैं कि मैन पावर की कमी है, समय तो लगेगा ही. कई बार चक्कर काटने के बाद भी लोगों का काम नहीं हो पा रहा है. वह कहते हैं कि मुझे लगता है कमोवेश राज्य के हर विभाग में यही स्थिति है. इसमें सुधार की जरुरत है. इस स्थिति में सुधार होगा तभी राज्य विकास के पथ पर अग्रसर होगा. सरकार जल्द राज्य में पड़े रिक्त पदों को भरे. तभी इस मामले में सुधार हो सकता है.

रिक्त पदों को शीघ्र भरे राज्य सरकार : कैलाश सिंहदेव

पेशे से व्यवसाई और हेहल स्पोर्टिंग क्लब के सचिव कैलाश सिंह देव का कहना है कि इस समय राज्य के करीब सभी विभागों में लिपिकों के पद रिक्त हैं. सरकारी स्तर पर इन पदों को भरने का प्रयास नहीं किए जाने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है. एक काम के लिए लोगों के दस बार दफ्तर के चक्कर लगाने पड़ते हैं. साथ ही बिना पैसे का काम ही नहीं होता है, इस समय जरुरत है कि सरकार रिक्त पदों की बहाली निकाले और उन्हें शीघ्र भरे. ताकि लोगों की परेशानी कम हो. सरकार तो नियुक्तियों के लेकर काफी बढ़ चढ़ कर बाते करती हैं. पर उसका नतीजा जनता देख ही रही है. ऐसे में यह स्थिति ज्यादा दिन चलने वाली नहीं है. अगर सरकार इस दिशा में शीघ्र पहल नहीं करती है तो बेरोजगारी की संख्या बढ़ती जाएगी. जो राज्य के विकास के लिए अच्छा नहीं है.

धनबाद

कर्मचारियों की कमी से बढ़ रही घूसखोरी : संजय सिन्हा

राज्य के विभागों में कर्मचारियों की कमी की वजह से हो रही परेशान पर चासनाला निवासी संजय सिन्हा का कहना है कि स्थिति बहुत खराब है. वह कहते हैं कि उनके बहनोई की मृत्यु के पश्चात जब मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आवेदन देने धनबाद नगर निगम कार्यालय गये तो काउंटर पर बैठे कर्मचारी ने इतिया अंचल भेज दिया. संजय जब इतिया गए तो वहां के कर्मचारी ने कहा कि आवेदन धनबाद कार्यालय में ही होगा. धनबाद वाले ने फिर अपना पल्ला झाड़ते हुए इतिया भेज दिया. इतिया वाले ने कहा कि यहां आने का कोई फायदा नहीं है. संजय सिन्हा ने बताया कि नियमानुसार मृत्यु के 25 दिनों के भीतर प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करना अनिवार्य है. इसके साथ ही दो कार्यालयों के चक्कर में एक सप्ताह बीत गए थे तो अंततः धनबाद नगर निगम कार्यालय के एक कर्मी को प्रमाण पत्र बनवाने के एवज में पैसे देने की बात की तो कर्मी ने दो हजार रुपये लेकर प्रमाण पत्र बनवा दिया. उन्होंने बताया कि यदि काउंटर पर स्थायी कर्मचारी की पदस्थापना होती तो इतनी परेशानी नहीं होती.

बोकारो

बहुत मुश्किल से हो रहा है काम : बीडीओ अनिल कुमार

बोकारो जिला मुख्यालय से 35 किमी की दूरी पर स्थित कसमार प्रखंड मुख्यालय में कई विभागों के कर्मियों के नहीं रहने से आम लोगों का कामकाज प्रभावित हो रहा है, वहीं प्रखंड के बीडीओ कर्मियों के पद खाली रहने से एक एक कर्मियों को 2 से 3 पद का अतिरिक्त प्रभार देकर किसी तरह काम चला रहे हैं. कसमार बीडीओ अनिल कुमार ने शुभम संदेश को बताया कि कसमार प्रखंड कार्यालय में 15 पंचायत सचिव की जरूरत है, जिसमें पुराने पंचायत सचिव 2 और नवनियुक्त 6 पंचायत सचिव है . जिसमें पंचायत सचिव के 7 पद रिक्त है. इसके अलावा कृषि पदाधिकारी, कल्याण पदाधिकारी, सांख्यिकी पदाधिकारी एवं प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी का पद रिक्त है .प्रधान लिपिक एवं नाजिर एक माह के बाद रिटायर कर जाएंगे. जिसके बाद दो दोनों महत्वपूर्ण पद खाली हो जाएंगे. प्रखंड में 9 जनसेवक की जरूरत है, जिसमें सिर्फ 5 जनसेवक ही है . उन्होंने बताया कि इन पदों के लिए आउटसोर्सिंग से कोई बहाली कसमार प्रखंड में नहीं हुई है . सिर्फ मनरेगा से एक कम्प्यूटर ऑपरेटर और एक सफाईकर्मी की बहाली आउटसोर्सिंग से हुई है. उन्होंने बताया कि बड़ी मुश्किल से किसी तरह विभिन्न विभागों के कर्मियों से काम करवाना पड़ता है.

बेरमो

पदाधिकारी और कर्मचारियों की भारी कमी : शैलेश कुमार

बेरमो के एसडीओ शैलेश कुमार ने बताया कि यह सही है कि अनुमंडल कार्यालय में पदाधिकारी और कर्मचारियों की भारी कमी है. अधिकारी और कर्मचारियों के नहीं रहने के कारण बहुत सारे कार्य लंबित रह जाते हैं. एक भूमि उप समाहर्ता, तीन आवासीय दंडाधिकारी के पद खाली हैं. 16 कर्मचारी में 6 कर्मी हैं. एक–एक कर्मचारी कई विभागों के कार्य को निष्पादन करते हैं. कर्मचारियों को ऑफिस के अलावा घर पर भी काम करना पड़ता है, वहीं अनुमंडल कार्यालय में कई महत्वपूर्ण पदों पर भी अधिकारियों की कमी है.

राजस्व कर्मचारी और ऑफिस स्टाफ की कमी : प्रदीप कुमार

गोमिया प्रखंड के अंचल अधिकारी प्रदीप कुमार महतो ने बताया कि अंचल कार्यालय में राजस्व कर्मचारी और ऑफिस स्टाफ की कमी है. कुछ कर्मचारी तो आउटसोर्स से लिए गए हैं, जिसके कारण कुछ काम हो जा रहा है, वहीं जमीन संबंधी मामलों में पंचायत के कर्मचारियों की कमी है, गोमिया प्रखंड में 36 पंचायत हैं. इसके अनुरूप 10 हल्का कर्मचारी का पद हैं जिसमें 4 पदस्थापित हैं. एक–एक कर्मचारी को कई पंचायत का जिम्मेवारी दी गई है.

रामगढ़

अनुबंधकर्मियों के भरोसे चल रहा है नगर परिषद विभाग: मनीष कुमार

रामगढ़ नगर परिषद पूरी तरह अनुबंधकर्मी के भरोसे संचालित हो रहा है. अनुबंधकर्मियों में 02 सुपरवाइजर, 15 जमादार, 05 ऑपरेटर, 02 सिटी मैनेजर, 01 सीएलटीसी, 01 सीएमएम, 02 जेई, 03 कम्युनिटी ऑर्गनाइजर, 01 लेखा पाल शामिल है. नगर परिषद में कार्यपालक पदाधिकारी को छोड़कर बाकी जितने भी कर्मी कार्यरत हैं, वह सभी अनुबंधकर्मी हैं. कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार बताते हैं कि यहां 02 सिटी मैनेजर, 02 जेई, 01 सीएलटीसी, 01 सीएमएम और सहायक कर्मियों की कमी है. साथ ही यहां जितने भी कर्मी हैं, सभी अनुबंधकर्मी हैं. एक एई भी हैं, वह भी स्पेशल डिवीजन से प्रतिनियुक्त हैं. विभाग में कर्मियों की कमी के कारण कई कार्य प्रभावित होते हैं. कार्य में प्रदर्शन को लेकर विभाग को अवगत कराया गया है कि कर्मियों की कमी के कारण कार्य करने में परेशानी हो रही है. नगर परिषद द्वारा जितना बढ़िया परफॉरमेंस देना चाहिए उतना नहीं दे पा रहे हैं. कार्यपालक पदाधिकारी कहते हैं कि पहले से यहां स्टाफ की कमी है. ऊपर से यहां के लोगों को मजिस्ट्रेट ड्यूटी पर भी लगा दिया जाता है, जिस कारण और भी दिक्कत हो जाती है. इसे लेकर एसडीओ साहब से अनुरोध किया गया है कि चूंकि नगर परिषद में स्टॉफ की कमी है,इसलिए यहां के लोगों को मजिस्ट्रेट ड्यूटी में नहीं लगाया जाए, फिर भी लगा देते हैं. जिसको लेकर दिक्कत होती है.

घाटशिला

ठेका मजदूरों के भरोसे हो रहा विद्युत विभाग का काम : बहादुर सोरेन

प्रखंड के किताडीह गांव निवासी बहादुर सोरेन ने कहा कि सरकारी कार्यालय में पदाधिकारी व कर्मचारियों की कमी का दंश आम लोगों को भुगतना पड़ता है. प्रखंड अंचल विद्युत पेयजल तथा स्वास्थ्य विभाग में स्वीकृत पद से काफी कम कर्मचारी तथा पदाधिकारी कार्य करते हैं. जिसके कारण किसी भी कार्य को पूरा करने के लिए काफी समय लग जाता है. उन्होंने कहा कि सबसे आवश्यक सेवा में विद्युत विभाग का कार्य है, विद्युत विभाग के पास एक भी सरकारी मिस्त्री या लाइन मैन नहीं हैं, जिसके कारण ठेका मजदूर से काम लिया जा रहा है. इसलिए उपभोक्ताओं को अपनी जेब से पैसा देकर काम करना पड़ता है. सरकार को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है.

भगवान भरोसे चल रहा स्वास्थ्य विभाग : तापस चटर्जी

घाटशिला प्रखंड क्षेत्र के कसीदा गांव निवासी वरिष्ठ कांग्रेसी नेता तापस चटर्जी ने कहा कि वर्षों से सरकारी कार्यालयों में पदाधिकारी से लेकर कर्मचारी की कमी रही है . सबसे आश्चर्य की बात यह है कि प्रखंड अस्पताल घाटशिला में एसएनसीयू वार्ड बनाया गया है. इस वार्ड में नवजात शिशु को रखा जाता है. परंतु यहां शिशु रोग विशेषज्ञ चिकित्सक है ही नहीं. एएनएम के भरोसे वार्ड चलता है. 14 डॉक्टरों की जरूरत है, पर पूरे प्रखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, उप स्वास्थ्य केंद्र, तथा अनुमंडल अस्पताल इन्हीं चार डॉक्टरों के भरोसे चल रहा है. एक भी डेस्क नहीं है. पोस्टमार्टम करने वाले सहायक को चायलों का इलाज करना पड़ता है. एक तरह से यहां जिंदगी से खिलवाड़ स्वास्थ्य विभाग द्वारा किया जा रहा है.

ब्रीफ खबरें

दुष्कर्म के आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेजा

राहे । ओपी क्षेत्र के इचाहातू गांव के 15 वर्षीय नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म के आरोप में राहे पुलिस ने गांव के ही सैनाथ महतो को गिरफ्तार कर लिया है, नाबालिग के आवेदन के आलोक में व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है. बयान के अनुसार अप्रैल माह में जबरन अकेले में दुष्कर्म किया. फिर धमकी देकर लगातार 4 से 5 बार दुष्कर्म किया. नाबालिग को अक्टूबर में गर्भवती होने की जानकारी हुई. नाबालिग के अनुसार 5 माह के गर्भवती होने पर परिजनों को डरते हुए सारी सच्चाई बताया. पुलिस नाबालिग को बाल सुधार गृह भेज दिया है. आरोपी को आवश्यक कार्रवाई करते हुये जेल भेज दिया गया .

आदर्श ग्राम का पहुंच पथ जर्जर,लोग परेशान

बुंडू। बुंडू प्रखंड का गभड़ेया पंचायत का गभड़या गांव में पहुंचना आसान नहीं है. इस गांव में पहुंचने के लिए बनाये गये सड़क की दशा दयनीय है. गभड़ेया आदर्श गांव में चयनित है. नवाडीह से गभड़ेया जाने वाली सड़क जर्जर हो चुकी.इन दिनों इस सड़क पर पैदल चलना भी कठिन है. उक्त सड़क का निर्माण छह साल पहले हुआ था.उसके बाद इस सड़क की मरम्मती का कार्य एक बार भी नहीं कराया गया है. जिस समय ये सड़क बनी थी, उस समय ठेकेदार ने भारी अनियमितता बरती थी. सड़क निमार्ण में अलकतरा नाम मात्र का डाला गया था.जिसके कारण सड़क का मेटल उखड़ने लगा. कोई एक भला आदमी इधर उधर लुढ़क रहे मेंटल को चुनकर किनारे ढेर कर दिया है। ताकि कोई दुर्घटना न घटे।

कार्यक्रम को ले बीडीओ ने की बैठक

खलारी । प्रखंड सभागार खलारी में 'आप की योजना आप की सरकार आप के द्वार' कार्यक्रम का पंचायतों में सफल आयोजन को लेकर सभी विभागों के पदाधिकारियों के साथ प्रखंड विकास पदाधिकारी खलारी लेखराज नाग की अध्यक्षता में बैठक हुई. इस दौरान बताया गया कि झारखंड सरकार के चार वर्ष के कार्यकाल पूरा होने के उपलक्ष्य में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 24 नवंबर से 26 दिसंबर तक प्रखंड अन्तर्गत सभी पंचायतों में शिविर का आयोजन किया जाएगा. शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा किए जाने वाले गतिविधियों एवं प्राप्त आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही करने का निर्देश दिया गया. बैठक में बीपीओ विनय कुमार, जेई रमेश गुप्ता, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व पंचायत सेवक, रोजगार सेवक उपस्थित थे.

आरोपी देवेंद्र कुमार को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

रांची। गोड्डा के कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव के आवास पर आयकर की छापेमारी के दौरान दस्तावेज फाड़ने और कुछ कागजातों को गायब करने के आरोपी देवेंद्र कुमार को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है. हाईकोर्ट ने उसके खिलाफ गोड्डा की निचली अदालत द्वारा लिए गए संज्ञान को रद्द कर दिया है.देवेंद्र कुमार ने याचिका दायर कर अदालत से प्राथमिकी रद्द करने का आग्रह किया गया था. प्रार्थी का पक्ष रखते हुए अधिवक्ता सुमित गाड़ोदिया ने अदालत को बताया कि इस मामले में देवेंद्र कुमार के खिलाफ जितने भी आरोप और मामले दर्ज किए गए हैं .

मांडर के मुड़मा गांव में धार्मिक स्थल पर तोड़फोड़ मामले का रांची पुलिस ने किया खुलासा

दो गिरफ्तार ,मुख्य आरोपी सुखदेव की हो गयी मौत

संवाददाता। रांची

मुड़मा मेला में दुकान लगाने की जगह को लेकर हुए विवाद में मुड़मा गांव में धार्मिक स्थल पर तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया गया. मामले का खुलासा करते हुए रांची पुलिस ने जानकारी दी. बुधवार को रांची पुलिस ने पीसी कर मामले की पूरी जानाकरी दी. पुलिस ने बताया कि बीते 16-17 नवंबर की रात्रि को मांडर के मुड़मा बस्ती में अज्ञात असामाजिक तत्वों ने कई धार्मिक स्थलों पर तोड़फोड़ की गयी थी. इस संबंध में मनोहर साहु अध्यक्ष महाबीर मण्डल के लिखित शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था. घटना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए रांची ग्रामीण एसपी के निर्देश पर खलारी डीएसपी अंकिता राय के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया. गठित टीम को ग्रामीणों से मिली गुप्त सूचना में अप्राथमिकी अभियुक्त सुखदेव उरांव उर्फ जटू की मौत हो गई है. प्राप्त सूचना के आधार पर मृतक के भाई सोमा उरांव और एतवा उरांव को पूछताछ के लिए थाने पर लाया गया.

पूछताछ के क्रम में इन दोनों ने बताया गया कि मुड़मा मेला के समय कुछ लोगों से दुकान लगाने की जगह को लेकर विवाद हुआ था. इसी प्रतिशोध में शराब के नशे में सुखदेव उरांव उर्फ जटू (मृत) जो मेरा भाई है, वह काफी अंदर ही अंदर आक्रोशित रह रहा था . इस संबंध में हमदोनों से भी बातचीत की थी.इस घटना को अंजाम सुखदेव उरांव उर्फ जटू ने दिया था. इसकी जानकारी हमदोनों भाई को थी. इसी बीच सुखदेव उरांव उर्फ जटू की मौत हो गयी. लेकिन हम लोगों के डर से किसी को नहीं बताए और जल्दबाजी में दाह संस्कार कर दिया. इस मामले में पुलिस ने सुखदेव उरांव के दोनों भाई सोमा उरांव और एतवा उरांव को गिरफ्तार कर लिया.

मुड़मा में आक्रोशित लोगों ने निकाला मशाल जुलूस

मुड़मा में गत दिन धार्मिक स्थल में तोड़फोड़ में किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पर आक्रोशित लोगों ने बुधवार को मशाल जुलूस निकालकर विरोध दर्ज कराया था. मशाल जुलूस मुड़मा के बड़े बजरंगबली मंदिर प्रांगण से निकाला गया, जो रांची-डालटनगंज रोड मुख्य मार्ग से होते हुए पूरे गांव का चक्कर लगाया .लगभग एक किमी की दूरी तय कर पुनः मंदिर आकर रैली समाप्त हुई . इस दौरान ग्रामीणों ने जमकर नारे भी लगाए . ग्रामीणों का कहना था कि इस कांड में शामिल अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की जरूरत है और यह जिम्मेवारी पुलिस प्रशासन की है . चूंकि दिन में अपराधियों की गिरफ्तारी की सूचना नहीं मिली थी, इसलिए लोगों ने जुलूस निकाला व सड़क पर उतरे .

असंगठित क्षेत्र के मजदूरों पर राज्य सरकार मेहरबान

सिलाई मशीन के लिए 6000 और विवाह के लिए मिलेंगे 30 हजार

विशेष संवाददाता। रांची

राज्य की हेमंत सोरेन सरकार ने राज्य के असंगठित क्षेत्र के मजदूरों पर अपनी मेहरबानी की है. बुधवार को कैबिनेट की बैठक में पहले चल रही योजनाओं और सुविधाओं के अतिरिक्त अन्य नए सुविधाएं देने का निर्णय लिया है. सरकार ने निर्णय लिया है कि ऐसे मजदूरों को अब सरकार उपचार आजीविका सहायता योजना से जोड़ेगी. इसके तहत पूर्व से चल रही चिकित्सा सहायता योजना के स्थान पर उपचार आजीविका सहायता योजना चलाएगी. जिसमें पांच से या उससे अधिक कार्यदिवसों तक अस्तपाल में भर्ती रहने पर इस योजना का लाभ मिलेगा. अकुशल श्रेणी के श्रमिकों के लिए झारखंड सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनत्तम मजदूरी का भुगतान किया जाएगा और अधिकत्तम 40 कार्य दिवसों के बराबर राशि का भुगतान डीबीटी के माध्यम से किया जाएगा.

श्रमिक को मिलेगी 5 हजार की आर्थिक सहायता : श्रमिकों के लिए सरकार ने निर्णय लिया है कि अब श्रमिकों को मुख्यमंत्री असंगठित श्रमिक औजार सहायता योजना के तहत सेफ्टी किट, टूल किट खरीदी के लिए एक मुश्त प्रति लाभुकों को 5 हजार रुपया का आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी. यह राशि डीबीटी के माध्यम से प्रत्येक तीन साल के अंतराल पर दिया जाएगा.

श्रमिकों को मिलेगी साइकिल : श्रमिकों को साइकिल सहायता योजना के तहत सभी निबंधित महिला लाभुक जिनकी उम्र 18 से 45 वर्ष है और जिन्होंने सिलाई मशीन सहायता योजना के तहत लाभ नहीं लिया है या फिर अन्य किसी योजना से साइकिल नहीं ली है उन्हें सरकार साइकिल खरीदने के लिए सात हजार रुपए डीबीटी के माध्यम से देगी.

विवाह सहायता योजना के तहत मिलेंगे 30 हजार : सरकार सिलाई मशीन सहायता योजना के तहत श्रमिकों को जिनकी उम्र 35 से 60 वर्ष है उन्हें ब्रांडेड कंपनियों की सिलाई मशीन खरीदने के लिए 6 हजार रुपए देगी. इसके अतिरिक्त सरकार श्रमिकों को विवाह सहायता योजना के तहत निबंधित लाभुक को दो संतान की शादी के लिए तथा महिला सदस्य की अपनी विवाह के लिए 30 हजार रुपए का आर्थिक सहायता डीबीटी के माध्यम से किया जाएगा.

कैबिनेट के अन्य निर्णय

- झारखंड वीमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी और विभिन्न त्योहारों में विधि व्यवस्था के लिए खरीदे गये 12 वाहनों के लिए झारखंड आकस्मिकता निधि से 2.26 करोड़ की घटनोतर स्वीकृति.
- 1984 सिख विरोधी दंगा में बोकारो के 24 दंगा पीड़ित आश्रितों को 1.20 करोड़ रुपए भुगतान करने के प्रस्ताव को मंजूरी.
- पलामू के हरिहरगंज पीएचसी की चिकित्सक डॉ लवलीन पांडेय को बखर्खास्त करने की मंजूरी.
- परगनेत को अब हर महीने तीन हजार रुपये की सम्मान राशि मिलेगी, पहले एक हजार रुपये का ही भुगतान किया जाता था
- पथ प्रमंडल खूंटी अंतर्गत हटिया लोदमा कर्रा पर चौड़ीकरण, मजबूतीकरण और नवनीकरण के लिए 109.37 करोड़ की स्वीकृति.
- गुमला जिला के चैनपुर जारी पथ 10.1 किलोमीटर के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण के लिए 29.60 करोड़ की स्वीकृति.
- झारखंड राज्य के न्यायिक सेवा के पदाधिकारियों को एसीपी की स्वीकृति में एक वर्ष से अधिक विलम्ब की स्थिति में एसीपी के बकाया राशि की निकासी के समय समायोजन के अधीन, प्रत्येक वर्ष के लिए एक अतिरिक्त वेतन वृद्धि प्रदान किये जाने की स्वीकृति दी गई.
- स्वर्गीय रवि शंकर उपाध्याय, तत्कालीन पीठासीन पदाधिकारी, राज्य परिवहन अपीलीय न्यायाधिकरण, रांची की चिकित्सा हेतु एयर एम्बुलेंस से राँची से हैदराबाद ले जाने में हुए व्यय के प्रतिपूर्ति की स्वीकृति दी गई.
- झारखंड वूमेंश एशियन हॉकी प्रतियोगिता में एवं अन्य पर्व-त्योहारों के लिए कुल खरीदे गए 12 वाहनों के लिए झारखंडआकस्मिक निधि से कुल 2,26,44,294 की स्वीकृति.
- झारखंड भूगर्भ जल सेवा नियमावली, 2023 के गठन के प्रस्ताव की स्वीकृति.
- डॉ0 लवलीन पाण्डेय, चिकित्सा पदाधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, हरिहरगंज, पलामू को सेवा से बर्खास्त करने की स्वीकृति दी गई.
- राज्य में पूर्व से स्थापित 13 राजकीय पोलिटेकनिक/राजकीय महिला पोलिटेकनिक संस्थानों के विभिन्न शाखाओं में डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के मापदंड के आलोक में शिक्षकों एवं आवश्यकतानुसार शिक्षकेत्तर कर्मियों के लिए नये पदों के सृजन एवं अनुपयोगी पदों के प्रत्यर्पण की स्वीकृति.
- 21 मार्च 2023 को झारखंड विधान सभा में पारित जैन विश्वविद्यालय विधेयक, 2023 (हिन्दी) के अनुरूप अंग्रेजी रूपान्तरण में संशोधन की स्वीकृति.
- झारखंड राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला सेवा नियमावली, 2019 (संशोधन सहित) में आवश्यक संशोधन की स्वीकृति.
- वित्तीय वर्ष 2023-24 में डुमरी विधानसभा उप-चुनाव, 2023 के दौरान प्रतिनियुक्त सुरक्षा बलों पर हुए खर्च का झारखंड आकस्मिकता निधि से 4,55,04,145 की स्वीकृति.
- लोहरदगा जिला अन्तर्गत किस्को पुलिस अनुमंडल के सृजन की स्वीकृति दी गई.
- राज्य के विश्वविद्यालयों एवं अंगीभूत महाविद्यालयों में डिजिटल लैंग्वेज लैब को क्रियाशील करने के लिए सुयोग्य प्रशिक्षक के कुल 26 पदों के सृजन की स्वीकृति.
- राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय बीआईटी सिंदरी में पढ़ाये जा रहे तथा प्रस्तावित शाखाओं में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के मापदंड के आलोक में नामांकन क्षमता के अनुसार शिक्षकों एवं आवश्यकतानुसार शिक्षकेत्तर कर्मियों के लिए पदों के री-स्ट्रक्चरिंग की स्वीकृति.
- डॉ0 तरूण कुमार, चिकित्सा पदाधिकारी, सदर अस्पताल, पाकुड़ को सेवा से बर्खास्त करने की स्वीकृति.
- पंचम झारखंड विधान सभा का (मानसून) सत्र के सत्रावसान हेतु मंत्रिपरिषद् की स्वीकृति.
- केंद्र प्रायोजित प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तृतीय घटक "भागीदारी में किफायती आवास'''' अंतर्गत मिहिजाम नगर परिषद के कानगोई में कुष्ठ रोगियों के लिए कुल 64 आवासों के निर्माण के लिए स्वीकृत परियोजना के लिए तकनीकी अनुमोदन प्राप्त प्राक्कलित राशि 8,20,33,000 की स्वीकृति.
- जल संसाधन विभागान्तर्गत पुनर्वास कार्यालय, उत्तरी कोयल परियोजना, मेदिनीनगर के छः कर्मियों की सेवा समाप्ति के कारण सेवा से बाहर रहने की अवधि का सेवा विनियमन एवं वेतन भुगतान की स्वीकृति.
- झारखंड सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) प्रोत्साहन नीति-2023 पर घटनोत्तर स्वीकृति..
- प्री बजट कार्यशाला के आयोजन के लिए वित्त नियमावली के नियम-235 को शिथिल करते हुए नियम-245 के तहत् संत जेवियर कॉलेज के एचओडी डॉ0 हरिश्वर दयालऔर उनकी टीम को मनोनयन के आधार पर नॉलेज पार्टनर के रूप में चयनित करने की स्वीकृति.
- हजारीबाग जिलान्तर्गत अंचल केरेडारी के विभिन्न मौजा अंतर्गत 150.33 एकड़ भूमि जिसका कुल देय राशि 51,29,31,221 की अदायगी पर करनदारी (केरेडारी) कोयला खनन परियोजना के लिए एनआईपीसी के साथ 30 वर्षों के लिए सःशुल्क लीज बंदोबस्ती करने की स्वीकृति.
- झारखंड अवर शिक्षा सेवा नियमावली, 2023 के गठन की स्वीकृति.

प्रस्ताव को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : विजय

रांची। आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने एसटी- एससी एक्ट की जांच दारोगा एवं इंस्पेक्टर स्तर के पदाधिकारी के द्वारा किए जाने के प्रस्ताव पर अपनी प्रतिक्रिया जारी की है और कहा कि एसटी एससी एक्ट का सुपरविजन करने का अधिकार पूर्व में डीएसपी एवं वर्तमान में भी डीएसपी को है. ऐसे में मुख्यमंत्री के द्वारा इंस्पेक्टर एवं दारोगा से सुपरविजन करने का प्रस्ताव कैबिनेट में रख रहे हैं जो समझ से परे है. एसटी एससी एक्ट में जो प्रोविजन केंद्रीय सरकार के द्वारा किया गया है. उसको छेड़छाड़ करने का काम न करें. इसके खिलाफ आने वाले दिनों में दलित आदिवासी समाज के लोग एकजुट होकर गोलबंद होकर उग्र आंदोलन करने का काम करेंगे.

मोर्चा एवं श्रमिक संगठनों का महापड़ाव 26 से

रांची। संयुक्त किसान मोर्चा एवं संयुक्त श्रमिक संगठनों की ओर से केंद्र सरकार के जन विरोधी नीतियों के विरोध में तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी महापड़ाव राजभवन के समक्ष 26 नवंबर से किया जाएगा.अखिल भारतीय किसान सभा के प्रदेश अध्यक्ष भुवनेश्वर प्रसाद मेहता, महासचिव महेंद्र पाठक ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार में महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है. जिला सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि 25 को राजभवन के समक्ष संध्या में संविधान की प्रस्तावना को पाठ किया जायेगा.

घुसपैठ का पता लगाया जा सकता है : हाईकोर्ट

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को यह बताने को कहा है कि केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों की संयुक्त टीम बना साहिबगंज, पाकुड़, दुमका, गोड्डा, जामताड़ा आदि इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का पता लगाया जा सकता है या नहीं. झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजय कुमार मिश्रा और जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने केंद्र सरकार को दो सप्ताह में इसका जवाब दाखिल करने का निर्देश अदालत ने दिया है. अब अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 13 दिसंबर की तिथि निर्धारित की है. बुधवार की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से बताया गया कि घुसपैठ के मामले में केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों को अधिकार दिए हैं. अब राज्य सरकार ऐसे लोगों को चिन्हित कर कार्रवाई कर सकती है. इस पर प्रार्थी की ओर से अदालत को बताया गया कि राज्य सरकार राज्य में घुसपैठ से इनकार कर रही है. संथाल इलाके में किसी प्रकार के धर्मांतरण की बात भी स्वीकार नहीं कर रही है. इसलिए केंद्र सरकार को ही घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश दिया जाना चाहिए.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- 1. झारखण्ड में कितने पंचायत समिति है ? -212
- 2. पंचायत समिति का प्रमुख कौन होता है ? -प्रमुख
- 3. पंचायत समिति के गठन के लिए आवश्यक जनसँख्या कितनी है ? -पांच हज़ार
- 4. पंचायत समिति का सचिव कौन होता है ? - बीडीओ
- 5. जिला परिषद का नाम किसके नाम पर रखा जाता है ? - जिला
- 6. जिला पंचायत का प्रमुख कौन होता है ? -अध्यक्ष
- 7. जिला पंचायत के गठन के लिए कितने जनसंख्या की आवश्यकता होती है ? -50 हजार
- 8. जिला पंचायत का प्रमुख कौन होता है ? - डीडीसी
- 9. झारखण्ड का राजकीय पुष्प कौन सा है ? -पलाश

पेज 1 का शेष...

6 जिलों की नर्सरियों में एक....

जामा और दुमका नर्सरी में 50-50 हजार, मसलिया, काठीकुंड, रामगढ़ः(दुमका), जामा वन, जामताड़ा और नीमडीह में एक-एक लाख पौधे उगाए गए. वहीं राजधानी के रांची के नामकुम नर्सरी में 117455 पौधे उगाए गए, लेकिन इस सभी जगह पौधो का कोई खरीदार नहीं मिला.

इन नर्सरी में कितने पौधे उगाए, कितनी खपत और कितने नहीं बिके

नर्सरी	कितने उगाए	कितनी खपत	कितने नहीं बिके
जामताड़ा	100000	4639	95361
घाघरा	103908	28951	74957
चैनपुर	100046	91011	9035
मनोहरपुर	102711	31020	71091
कटकंमसांडी	117790	99367	18423
गुमला कोईनारा	123923	96204	27719
सिसई	100089	30221	69869
गम्हरिया	100000	0000	100000
प. सिंहभूम	41419	20573	20846
दुमका	100000	75622	24378
देवघर	178623	64067	114556
चाइबासा	113250	29040	84210
पालाजोरी	236435	104575	131860
हजारीबाग	116466	61152	55314
सिमडेगा	100000	0000	100000
चतरा	136485	36485	100000
प. सिंहभूम	101309	24235	77074
खूंटी	119739	56929	62810
साहेबगंज	121154	72832	48322
बोरियो	280642	135758	144884
गिद्धौर	195247	95247	100000
तालझारी	242065	133281	108804
मंडरो	132200	23833	108367
जामा	50000	0000	50000
दुमका	50000	0000	50000
बालूमाथ	72360	72360	0000
बरही	50000	50000	0000
रामगढ़	50000	50000	0000
पाकुड़	100000	100000	0000
गोला	50000	47160	2840
चास	80000	50000	30000
गोविंदपुर	50000	50000	0000
टुंडी	50000	50000	0000
मसलिया	100000	00000	100000
काठीकुंड	100000	00000	100000
रामगढ़(गुमका)	100000	00000	100000
जामा	100000	00000	100000
बहरागोड़ा	100000	100000	00000
चाकुलिया	100000	100000	0000
चाकुलिया टू	50000	50000	0000
घाटशिला	125165	125165	0000
डुमरिया	50000	50000	0000
बेगाबाद	100000	100000	00000
जामताड़ा	100000	00000	100000
कर्रा	73866	64345	9517
बुंडू	96084	74511	18573
गंगटी	100000	7500	92500
बुड़मू	1100000	75000	25000
नीमडीह	100000	00000	100000
चक्रधरपुर	100000	43520	56480

गांव का विकास मेरी पहली प्राथमिकता : सुदेश महतो

संवाददाता। सिल्ली/मुरी

सिल्ली प्रखंड अंतर्गत ग्राम पिस्का पंचायत में ग्रामीण कार्य विभाग मुख्यमंत्री सड़क योजना अंतर्गत पिस्का से लोवादाग मरम्मती कार्य का शिलान्यास सांसद संजय सेठ एवं विधायक सुदेश कुमार महतो के द्वारा शीलापट्ट का अनावरण कर किया.वहीं मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत सिंगपुर से काटाडीह पथ का भी विशेष मरम्मती कार्य का शिलान्यास सांसद एवं विधायक ने किया. सभा को संबोधित करते हुए विधायक सुदेश कुमार महतो ने कहा कि गांवों का विकास करना मेरी पहली प्राथमिकता है . इस मौके पर जिप परिषद उपाध्यक्ष बीना चौधरी, पूर्व जिप सदस्य गौतम कृष्णा साहू , सुशील महतो, डॉ रमनेश प्रसाद , रत्नेश प्रसाद,उप प्रमुख आरती देवी, शिशुपाल महतो, आदि उपस्थित थे.

छानबीन वोकेशनल विषय के शिक्षक के पद स्वीकृत नहीं,सेल्फ फाइनेंस के रूप में संचालन

झारखंड के विश्वविद्यालयों में ठेके पर वोकेशनल कोर्स

रजनीश प्रसाद। रांची

झारखंड के विश्वविद्यालयों में अलग-अलग विषयों के वोकेशनल कोर्स की पढ़ाई होती है. इन विषयों से स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के हजारों छात्र-छात्राएं पास होकर निकलते हैं. वहीं वोकेशनल विषयों के शिक्षक के लिए पद स्वीकृत नहीं है. विश्वविद्यालय और कॉलेज सेल्फ फाइनेंस के रूप में वोकेशनल विषयों का संचालन करती है. आम तौर पर सभी विश्वविद्यालयों या कॉलेजों में एक स्थायी शिक्षक को विभाग की जिम्मेदारी दी जाती है और गेस्ट व अनुबंध शिक्षकों को पढ़ाने के लिए रखा जाता है. आज के समय में एमबीए, एमसीए जैसे कई कोर्स में झारखंड में हजारों की संख्या में नामांकन करवाते हैं. कई वोकेशनल के छात्र असिस्टेंट प्रोफेसर बनने का इच्छा रखते हैं, लेकिन झारखंड में स्थायी सहायक प्राध्यापक नहीं बन सकते हैं. वोकेशनल कोर्स से विश्वविद्यालयों की कमाई करोड़ों में होती है.

इन विश्वविद्यालयों में इतने हैं वोकेशनल कोर्स : रांची विश्वविद्यालय में कुल 26 वोकेशनल कोर्स चलते हैं, जिसमें लगभग हर साल 3000 छात्र-छात्राएं नामांकन लेते हैं, बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद में 5 वोकेशनल कोर्स चलते हैं, जिसमें हर साल लगभग 900 छात्र नामांकन लेते हैं, कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा में 4 वोकेशनल कोर्स चलते हैं, नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय, पलामू में 8 वोकेशनल कोर्स चलते हैं, जिसमें लगभग 1000 छात्र-छात्राएं हर साल नामांकन करवाते हैं. विनोबा भावे विश्वविद्यालय में 9 वोकेशनल कोर्स चलते हैं, जिनमें हर साल लगभग 700 छात्र नामांकन करवाते हैं. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में कुल 19 वोकेशनल कोर्स चलते हैं और यहां हर साल लगभग 3000 विद्यार्थी नामांकन करवाते हैं.

छात्रों को नहीं मिलता है क्वालिटी एजुकेशन : डॉ. अटल पांडेय

रांची विश्वविद्यालय के पूर्व सिंडिकेट सदस्य सह वोकेशनल शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अटल पांडेय ने कहा कि वोकेशनल या सेल्फ फाइनेंस विभाग विश्वविद्यालय की करोड़ों कमाई के बहुत बड़े सोर्स हैं. यह पैसा वोकेशनल शिक्षकों पर खर्च हो तो इसका सीधा लाभ शिक्षकों और छात्रों को मिलेगा.

पीएचडी करने में आती है कठिनाई

वोकेशनल कोर्स करने के बाद छात्र अगर आगे पीएचडी करना चाहते है, तो उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पढ़ता है . झारखंड में वोकेशनल के रेगुलर शिक्षक नहीं होने से या तो उन्हें अपना गाइड झारखंड के बहार के विश्वविद्यालयों से लाना होता है या फिर किसी संबंधित विषय के अंदर करना होता है .

एक भारत श्रेष्ठ भारत में भाग लेने रांची टीम रवाना

संवाददाता। रांची

एक भारत, श्रेष्ठ भारत युवा संगम कार्यक्रम एनआईटी कुरूक्षेत्र हरियाणा में होना है. इसके लिए झारखंड से रांची विश्वविद्यालय, ट्रिपल आईटी, डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, बिरला इंस्टीट्यूटऑफ टेक्नोलॉजी, एमिटी यूनिवर्सिटी सहित अन्य शैक्षणिक संस्थानों के छात्र हरियाणा रवाना हो गए हैं. एक ओर जहां झारखंड का नोडल संस्थान ट्रिपल आईटी रांची है.

वहीं हरियाणा का नोडल संस्थान एनआईटी, कुरुक्षेत्र है. युवा संगम कार्यक्रम की मुख्य अतिथि , राज्यसभा सदस्य डॉ. महुआ माजी ने हरी झंडी दिखा कर छात्रों की यात्रा शुरू कराई. छात्र 25 नवंबर को एनआईटी, कुरुक्षेत्र पहुंचेंगे,उनकी यात्रा 30 नवंबर को समाप्त होगी, उनके साथ 4 संकाय सदस्य भी हैं. भारत सरकार द्वारा लोगों के बीच विशेष रूप से उत्तर- पूर्वी भारत और अन्य राज्यों के युवाओं के बीच जुड़ाव को और मजबूत करने की पहल की गयी.

एक भारत श्रेष्ठ भारत युवा संगम युवाओं के लिए एक्सपोजर टूर आयोजित करने पर ध्यान केंद्रित करेगा और मेजबान राज्य में जीवन के विभिन्न पहलुओं, विकास स्थलों, हाल की उपलब्धियों और युवाओं के जुड़ाव का एक व्यापक अनुभव प्रदान करेगा. अपनी यात्रा के दौरान युवाओं को पांच व्यापक क्षेत्रों - पर्यटन, परंपरा, प्रगति, प्रौद्योगिकी और परस्पर संपर्क के तहत बहुआयामी अनुभव प्राप्त होगा.

रांची समेत 16 जेलों के अधीक्षकों का तबादला

रांची। रांची समेत 16 जेल अधीक्षकों का सरकार ने तबादला कर दिया है. इससे संबंधित अधिसूचना गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के द्वारा बुधवार की देर शाम जारी कर दी है. इनमें कुमार चंद्रशेखर को दुमका जेल अधीक्षक, अजय कुमार प्रजापति को केंद्रीय कारा घाघीडीह जमशेदपुर का जेल अधीक्षक, भागीरथ कार्जी को पलामू जेल अधीक्षक, जितेंद्र कुमार को हजारीबाग जेल अधीक्षक, हिमानी प्रिया को गिरिडीह जेल अधीक्षक, बेसरा निशांत रॉबर्ट को बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार होटवार रांची का जेल अधीक्षक बनाया गया. इसके अलावा सत्येंद्र चौधरी को देवघर, सुनील कुमार को चाईबासा, अनिमेष कुमार चौधरी को गुमला, मेनसन बरवा को धनबाद, प्रभात कुमार को लातेहार और अरुनभ को चास जेल अधीक्षक बनाया गया है.

ब्रीफ खबरें

न्यायिक हिरासत में भेजे गए अमित कात्याल

पटना। नौकरी के बदले घोटाले में राजद सुप्रीमो लालू यादव के करीबी अमित कात्याल को बड़ा झटका लगा है. दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने लैंड फॉर जॉब मामले में लालू प्रसाद के करीबी अमित कात्याल को 5 दिसंबर तक की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. स्पेशल जज गीतांजलि गोयल ने बुधवार को ये आदेश दिया. कात्याल को ईडी ने 11 नवंबर को गिरफ्तार किया था और उसी दिन कोर्ट ने बुधवार तक के लिए ईडी हिरासत में भेजा था. कात्याल की ओर से पेश वकील ने ईडी की हिरासत की मांग का विरोध किया था.

अवैध बालू लदे ट्रैक्टर ने बच्चे कुचला, गंभीर

बांका। बांका के बाराहाट थाना क्षेत्र के खडहरा गांव के बीचो-बीच से गुजरने वाले ग्रामीण पथ से गुजर रहे अवैध बालू लदे ट्रैक्टर की चपेट में आकर एक तीन वर्षीय बालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ढाका मोर की तरफ से तकरीबन आधा दर्जन की संख्या में काफी तेज रफ्तार से अवैध बालू लेकर ट्रैक्टर गांव के बीचों बीच से गुजर रहा था इसी क्रम में ग्रामीण पथ को पार करने के क्रम में अंशु कुमार (3 साल), पिता लक्ष्मण पासवान तेज रफ्तार से गुजर रहे ट्रैक्टर की चपेट में आ गया और वहीं गिरकर जख्मी हो गया.

हत्या व लूट में शामिल अपराधी गिरफ्तार

अरवल। वांछित एवं कुख्यात अपराधियों को पकड़ने के लिए अरवल पुलिस विशेष अभियान चला रही है. इसी आलोक में मंगलवार को जिले की कुर्था पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है. जब अरवल जिले के टॉप 10 लिस्ट में शामिल अपराधी वाहन लुटेरा उत्तम कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया. कुर्था पुलिस द्वारा एसटीएफ के सहयोग से अंतरजिला वाहन लुटेरा को कुर्था थाना क्षेत्र के प्रतापपुर नहर मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया है. पुलिस अधीक्षक मोहम्मद कासिम ने प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि पुलिस को इस बारे में गुप्त सूचना मिली थी.

उपलब्धि : 17 साल की श्रेया पांडेय मिस टीन इंडिया साउथ 2023 की विजेता रह चुकी हैं

मनिहारी की श्रेया मिस टीन यूनिवर्स 2024 की दौड़ में

माता-पिता के साथ काटाकोष गांव की श्रेया पांडेय.

संवाददाता। कटिहार

कटिहार के छोटे से गांव मनिहारी के काटाकोष गांव की श्रेया पांडेय मिस टीन यूनिवर्स 2024 में पूरे विश्व में भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रही है. 17 साल की श्रेया पांडेय मिस टीन इंडिया साउथ 2023 की विजेता रह चुकी है, श्रेया के पिता भारतीय सेना में कार्यरत हैं.

अपनी उपलब्धि के बारे में जानकारी देते हुए श्रेया कहती है कि स्टार एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन दिल्ली के बैनर तले उन्हें इस आयोजन के बारे में जानकारी मिली थी. ऑनलाइन के माध्यम से आवेदन के बाद उन्हें यह मौका मिला है, अब वह पूरे विश्व में मिस टीन यूनिवर्स 2024 में वो भारत का प्रतिनिधित्व करेगी. पूरे देशभर की प्रतिभागियों में से उनका चयन इस प्रतियोगिता के लिए किया गया है. यह वाकई श्रेया पांडेय के लिए बड़ी उपलब्धि है.

गौरव के पल

- श्रेया के पिता संतोष पांडेय सेना में सूबेदार पद पर हैं
- ऑनलाइन आवेदन कर उन्हें यह अवसर मिला है

श्रेया कहती है ग्लैमर वर्ल्ड से जुड़ना सुखद अनुभव तो है, लेकिन उन्हें अपनी भारतीय सभ्यता संस्कृति पर भी नाज है. श्रेया की उपलब्धि पर पूरा परिवार खुश है. वह कहती है कि पूरे परिवार के साथ-साथ खासकर पापा उन्हें आगे बढ़ाने के लिए अक्सर प्रेरित करते हैं. श्रेया के पिता संतोष पांडेय कहते हैं कि वह सेना में सूबेदार हैं और देश की सेवा कर रहे हैं. बेटी अलग क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर रहे हैं. पूरा परिवार बेटी को भरपूर सहयोग करने के लिए तैयार है. श्रेया भी कहती है कि उनके परिवार ने हमेशा उनका साथ दिया है. इसलिए उसे यह मुकाम यह हासिल हुआ है.

आओ जानें

बिहार : सामान्य ज्ञान

1. बिहार दिवस कब मनाई जाती है ? – 22 मार्च
2. बिहार की राजकीय भाषा है? – हिंदी व उर्दू
3. बिहार का राजकीय वृक्ष है ? – पीपल
4. बिहार का राजकीय पुष्प है ? – गेंदा
5. बिहार का राजकीय पशु है ? – बैल
6. बिहार का राजकीय पक्षी है? – गोरैया
7. बिहार का प्रमंडल है ? – 9
8. बिहार में विश्वविद्यालयों की संख्या हैं ? – 21
9. बिहार में सर्वाधिक जनसख्या वाला जिला हैं ?- पटना
10. बिहार में सबसे कम जनसख्या वाला जिला हैं ? – शेखपुरा
11. बिहार में सबसे कम लिंगानुपात वाला जिला हैं ? – मुंगेर
12. बिहार में सर्वाधिक लिंगानुपात वाला जिला हैं ? – गोपालगंज
13. बिहार में सर्वाधिक साक्षारता वाला जिला हैं ? – रोहतास
14. सबसे कम साक्षरता वाला जिला हैं ? – पूर्णिया

नीतीश कैबिनेट का बड़ा फैसला : 40 एजेंडे पर लगाई गई मुहर

सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 4% की बढ़ोतरी की मंजूरी

एजेंसी। पटना

बिहार के सरकारी कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर है. सरकार ने महंगाई भत्ते में चार प्रतिशत की बढ़ोतरी का फैसला किया है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट की बैठक हुई. बैठक में कुल 40 एजेंडों पर मुहर लगी. इसमें बिहार के सरकारी कर्मचारियों और पेंशनधारियों को लेकर बड़ा फैसला किया गया है. महंगाई भत्ता में 4 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी करने के फैसले को कैबिनेट ने अपनी मंजूरी प्रदान की है. इसके तहत अब बिहार के सरकारी कर्मचारियों और पेंशनधारियों को महंगाई भत्ता यानी डीए के रूप में 42 फीसदी के बदले 46 फीसदी मिलेगा.

वित्त विभाग से जुड़े दो अहम फैसलों में नीतीश कैबिनेट ने सप्तम केन्द्रीय पुनरीक्षित वेतन संरचना में वेतन/पेंशन प्राप्त कर रहे राज्य सरकार के सरकारी सेवकों, पेंशन भोगियों, पारिवारिक पेंशनभोगियों को एक जुलाई 2023 के प्रभाव से 42% के स्थान पर 46% महंगाई भत्ता/राहत की स्वीकृति के संबंध में इसे अपनी स्वीकृति प्रदान की. यानी बिहार के वेतन/पेंशन प्राप्त कर रहे राज्य सरकार के सरकारी सेवकों, पेंशनभोगियों, पारिवारिक पेंशन भोगियों को 1 जुलाई 2023 से ही महंगाई भत्ता 42% के स्थान पर 46% मिलेगा.

प्रस्ताव पारित

- सरकारी कर्मियों को पहले 42 प्रतिशत डीए मिल रहा था
- फैसले के बाद अब कर्मियों को 46 प्रतिशत डीए मिलेगा

वहीं वित्त विभाग नियंत्रणाधीन राष्ट्रीय बचत कार्यालयों में वर्तमान में पदस्थापित एवं कार्यरत लिपिकों एवं कार्यालय परिचारियों को जिला समाहरणालयों में समान पद पर समायोजित करने के लिए वित्त विभाग को प्राधिकृत करने व राष्ट्रीय बचत कार्यालयों का परिसमापन करने के संबंध में भी बिहार कैबिनेट ने अपनी स्वीकृति प्रदान की.

इसके अतिरिक्त बिहार कैबिनेट ने कुल 40 एजेंडों पर एपीआई मुहर लगाई है. इसमें बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर केंद्र सरकार से अनुरोध करने का निर्णय लिया गया है. साथ ही आरक्षण के नए प्रावधान जिसमें अब बिहार में 65 फीसदी आरक्षण किया गया है उसे संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल करने को ही स्वीकृति प्रदान की गई है.

अपहरण मामले में लोगों ने किया जाम

संवाददाता। पटना सिटी

लगभग एक महीने से अपहृत युवक अभिषेक की कुशल बरामदगी के लिए आज परिजन सहित ग्रामीण बुधवार को सड़क पर उतर गए. अपहृत अभिषेक के पिता और ग्रामीणों ने अशोक राजपथ के मुख्य सड़क पर उतर आगजनी कर और बांस बल्ले से सड़क को बाधित कर बंद कर दिया. मुख्य सड़क को जाम होता देख स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गयी और रास्ते को खोलने के लिए

लोगो से बार बार आग्रह करती रही.

बता दें कि आलमगंज थाना क्षेत्र के त्रिपोलिया स्थित पथरी घाट के रहने वाले मनोज यादव के बेटे अभिषेक को कुम्हरार के रहनेवाले प्रमोद यादव के बेटी से लव अफेयर चल रहा था और प्रमोद यादव की पत्नी ने बेटे अभिषेक को फोन कर रात्रि में अपने यहां कुम्हरार बुलाया, उसी रात से अभिषेक लापता है. हालांकि इसके बाद परिजनों ने आलमगंज थाना अभिषेक की गुम होने का मामला दर्ज करा दिया, लेकिन लगभग एक महीने होने को आये हैं और अभी तक अभिषेक का पता नही चल पाया, ना ही पुलिस उसकी खोजबीन कर पायी.

शेखपुरा में दो समुदायों में विवाद, 18 गिरफ्तार

शेखपुरा। दो पक्षों के बीच हुए विवाद में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों से 18 लोगों को गिरफ्तार किया. दरअसल शेखपुरा जिले के नगर थाना क्षेत्र के कमासी गांव में मामूली विवाद देखते देखते हिंसक रूप ले लिया,जबकि हिंसक झड़प की सूचना मिलते ही स्थानीय नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची व लोगों को समझा बुझाकर मामला को शांत कराना चाहा. लेकिन दोनों पक्ष के लोग शांत नही हुए जिसके बाद पुलिस विधिव्यवस्था को देखते हुए दोनों पक्षो से 18 लोगो को गिरफ्तार किया। पुलिस के इस कार्रवाई की शेखपुरा पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय शर्मा ने पुष्टि की है.

अगरबत्ती से घर में लगी आग पिता-पुत्र की झुलसने से मौत

संवाददाता। दरभंगा

बिहार के दरभंगा जिला में मंगलवार की रात एक दर्दनाक वाकया हो गया. इसमें घर में आग लगने से पिता-पुत्र की मौत हो गयी. स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पाने के भरपूर प्रयास किया,लेकिन झोपड़ी होने की वजह से आग की लपट पर काबू नहीं पाया जा सका और पूरा घर जल कर खाक हो गया है. जिस वक्त घर मे आग लगी, उस वक्त घर में पांच लोग मौजूद थे. इनमें से तीन लोग किसी तरह अपनी जान बचाकर बाहर निकल गए, लेकिन दो लोगों निकलने में सफल नहीं हो सके और उनकी आग में झुलसने से मौत हो गयी.

वहीं घटना की सूचना मिलने के बाद बहादुरपुर के अंचलाधिकारी, समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी मौके पर पहुंचकर हर संभव मदद का भरोसा दिया. वहीं मंत्री मदन सहनी और अंचलाधिकारी द्वारा मृतक मो सब्बीर की पत्नी अंगूरी प्रवीण को चार-चार लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया तथा सरकार द्वारा चलायी जाने वाली योजना का लाभ देने का भरोसा दिया गया. वहीं पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच में जुट गयी है. वहीं हादसे के बाद परिवार वाले का रो-रोकर बुरा हाल है.

कारोबार

लक्ष्मी बने साउथ इंडियन बैंक के अतिरिक्त निदेशक

कोच्चि (केरल)। बैंकिंग क्षेत्र के अग्रणी लोगों में से एक लक्ष्मी रामकृष्ण श्रीनिवास को साउथ इंडियन बैंक का अतिरिक्त निदेशक नियुक्त किया गया है. लक्ष्मी को 20 नवंबर 2023 से तीन साल की अवधि के लिए बैंक का गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया गया है. साउथ इंडियन बैंक की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, लक्ष्मी के पास बैंकिंग क्षेत्र में 38 साल का अनुभव है. वह भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य महाप्रबंधक के तौर पर सेवाएं दे चुकी हैं. बयान में कहा गया, वह स्टेट बैंक स्टाफ कॉलेज के निदेशक सहित कई वरिष्ठ पदों पर सेवाएं दे चुकी हैं.

एसडब्ल्यूपीई को मिला 38 करोड़ का ठेका

नयी दिल्ली। साउथ वेस्ट पिनेकल एक्सप्लोरेशन लिमिटेड को राजस्थान में 'डायमंड कोर ड्रिलिंग' के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान कॉपर से 38 करोड़ रुपये का ठेका मिला है. एसडब्ल्यूपीई ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा, हमें राजस्थान में 'डायमंड कोर ड्रिलिंग' के लिए हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड से कार्य आदेश प्राप्त हुआ है. इसका कुल मूल्य जीएसटी सहित 38 करोड़ रुपये है. खनन उद्योग में जमा वस्तुओं की जांच के लिए 'डायमंड कोर ड्रिलिंग' की जाती है.

टाटा टेक्नोलॉजीज के आईपीओ को पूर्ण अभिदान

नयी दिल्ली। इंजीनियरिंग एवं उत्पाद विकास संबंधी डिजिटल सेवाएं देने वाली कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बुधवार को खुलने के कुछ मिनट बाद ही पूर्ण अभिदान मिला. एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, पूर्वाह्न 11 बजकर 21 मिनट तक 3,042.5 करोड़ रुपये के आईपीओ के प्रस्ताव पर 4,50,29,207 शेयरों के मुकाबले 8,73,22,890 शेयरों के लिए बोली मिली. उसे 1.94 गुना अभिदान मिला. टाटा टेक्नोलॉजीज ने मंगलवार को एंकर निवेशकों से 791 करोड़ रुपये जुटाए थे.

गन्ने का रिटेल बाजार

आगरा में बुधवार को खुदरा बाजार में गन्ने की बिक्री करते स्थानीय व्यापारी. फोटो : पीटीआई

यूएसटी ने हैदराबाद में नया केंद्र खोला

भाषा। मुंबई

डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन सॉल्यूशंस कंपनी यूएसटी ने हैदराबाद के इंटरनेशनल टेक पार्क में एक नयी उन्नत सुविधा खोली है. कंपनी की योजना अगले तीन वर्षों में अपने कर्मचारियों की संख्या दोगुनी कर चार हजार करने की है. यूएसटी की ओर से बुधवार को जारी एक बयान के अनुसार, अमेरिका केंद्रित कंपनी के कर्मचारियों की संख्या अभी 2,000 है. उसकी योजना अगले दो-तीन वर्षों में इसे दोगुना करने की है. हैदराबाद के इंटरनेशनल टेक पार्क में 1,18,000 वर्ग फुट में फैली इस सुविधा में दूरसंचार, हाईटेक, खुदरा और बीमा सहित कई क्षेत्रों में अनुसंधान संबंधी काम किए जाएंगे. यह देश में इसका चौथा विकास केंद्र है. मुख्य कार्यकारी कृष्ण सुधींद्र ने कहा कि नया केंद्र कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग और 'इंटरनेट ऑफ थिंग्स' पर भी ध्यान केंद्रित करेगा. 'इंटरनेट ऑफ थिंग्स' से तात्पर्य ऐसी तकनीक से है, जिसके जरिए सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को इंटरनेट के जरिये आपस में जोड़ा जाता है.

आरबीआई गवर्नर शशिकांत दास ने एफआई-बीएसी कार्यक्रम को किया संबोधित

असुरक्षित कर्ज के लिए मानदंड जरूरी

भाषा। मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को कहा कि हाल ही में असुरक्षित माने जाने वाले कुछ कर्ज के मानदंडों को कड़ा करना बैंक व्यवस्था को सुचारू बनाये रखने के मकसद से सोच-समझकर लिया गया एहतियाती और लक्षित कदम है. दास ने उद्योग मंडल फिक्की (फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री) और भारतीय बैंक संघ के संयुक्त रूप से आयोजित सालाना एफआई-बीएसी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आरबीआई ने गृह और वाहन खरीद के अलावा छोटे कारोबारियों द्वारा लिये जाने वाले कर्जों को इससे अलग रखा है. इसका कारण उन्हें वृद्धि के मोर्चे पर जो लाभ हो रहा है, उसे बनाये रखना है. उन्होंने कहा, हमने हाल ही में व्यवस्था को सुचारू बनाये रखने को ध्यान में रखकर सोच-विचारकर कुछ उपायों की भी घोषणा की है. ये उपाय एहतियाती हैं. ये उपाय सोच-विचारकर और लक्ष्य के हिसाब से किये गये हैं. दास ने यह भी कहा कि उन्हें फिलहाल बैंकों में कोई नया दबाव उत्पन्न होता नहीं दिख रहा है, वे चाहते हैं कि बैंक सतर्क रहे और दबाव परीक्षण जारी रखे. उन्होंने कहा कि कुछ गैर-बैंक वित्त कंपनियां-सूक्ष्म वित्त संस्थान (एनबीएफसी-एमएफआई) उच्च ब्याज मार्जिन की सूचना दे रहे हैं. आरबीआई ने उन्हें विवेकपूर्ण तरीके से दरों को निर्धारित करने में लचीला रुख अपनाने को कहा है. आरबीआई गवर्नर ने कहा कि हालांकि हेडलाइन (कुल) मुद्रास्फीति में नरमी के संकेत हैं, पर केंद्रीय बैंक कीमत वृद्धि पर पैनी नजर रखे हुए है. रुपये का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल के बढ़ने के बावजूद घरेलू मुद्रा में उतार-चढ़ाव कम रहा है और वह व्यवस्थित था. दास ने निरंतर उच्च वृद्धि, मूल्य को टिकाऊ रूप से स्थिर करने और कीमत वृद्धि के झटके को कम करने के लिए कृषि विपणन व संबंधित मूल्य श्रृंखलाओं में सुधारों की भी वकालत की.

मुंबई में आयोजित एफआई-बीएसी के कार्यक्रम में आरबीआई गर्वनर सहित अन्य.

दी जानकारी

- व्यवस्था को देखते हुए कुछ उपायों की घोषणा हुई है
- सोच-विचार कर व लक्ष्य के अनुरूप उपाय दिए गए हैं

प्रभाव भारत के चिकित्सकीय उपकरणों के निर्यात पर असर पड़ता है : जीटीआरई

ब्रिटेन की विनियामक अनुमोदन प्रक्रिया का पड़ेगा असर

भाषा। नयी दिल्ली

ब्रिटेन की लंबी नियामक अनुमोदन प्रक्रियाएं उसके बाजार में भारत के चिकित्सकीय उपकरणों के निर्यात को प्रभावित करती हैं. शोध संस्थान जीटीआरआई ने बुधवार को यह बात कही. जीटीआरई के अनुसार, इन उपकरणों के निर्यात को बढ़ावा देने के वास्ते भारत को ब्रिटेन के बाजार में इन उपकरणों के प्रवेश में तेजी लाने के लिए एक पारस्परिक मान्यता समझौते (एमआरए) पर बातचीत करनी चाहिए. खासकर सीडीएससीओ (केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन) लाइसेंस या क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया का इंडियन सर्टिफिकेशन ऑफ मेडिकल डिवाइसेज प्रमाणन पर.

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के सह-संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, एमआरए विनियामक अनुपालन और लेखापरीक्षा आवश्यकताओं को कम करेगा संभावित रूप से भारत के निर्यात को बढ़ाएगा. यह सुझाव महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों देश मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं और यह क्षेत्र उसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा है.

निर्यात अधिक होने पर हो सकती है शुल्क कटौती

जीटीआरआई ने कहा, ब्रिटेन में शून्य शुल्क के बावजूद वहां भारत का चिकित्सकीय उपकरण निर्यात देश की लंबी नियामक अनुमोदन प्रक्रियाओं के कारण सीमित है. उसने कहा कि ब्रिटिश नियम उत्पादों को 'मेड इन ब्रिटेन' (ब्रिटेन निर्मित) के रूप में 'लेबल' करने की अनुमति देते हैं, भले ही वे वहां केवल विपणन किए गए हों, निर्मित नहीं. शोध संस्थान ने कहा, एफटीए के बाद शुल्क में कटौती तथा उत्पाद-विशिष्ट नियमों में ढील से आयात में वृद्धि का जोखिम उत्पन्न हो सकता है, जो संभावित रूप से भारत के बढ़ते चिकित्सकीय उपकरण क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है. उसने कहा कि भारत प्रस्तावित व्यापार समझौते में केवल उन उत्पादों पर शुल्क कटौती पर विचार कर सकता है जहां भारत का निर्यात अधिक है.

शोध संस्थान के अनुसार, ब्रिटेन में चिकित्सकीय उपकरणों पर मौजूदा शून्य आयात शुल्क का एफटीए के तहत भारत के लिए कोई प्रत्यक्ष शुल्क-संबंधी लाभ नहीं है. इसका मतलब है भारत के चिकित्सकीय उपकरण उद्योग को शुल्क रियायतें नहीं मिलती हैं, जबकि ऐसे व्यापार समझौतों में यह एक विशिष्ट लाभ होता है.

ओपन एआई ने आल्टमैन की कंपनी में लौटने की घोषणा की

सैन फ्रांसिस्को (अमेरिका)। कृत्रिम मेधा (एआई) पर आधारित मंच चैट जीपीटी का निर्माण करने वाली कंपनी ओपन एआई ने कहा कि अपदस्थ किए गए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सैम ऑल्टमैन कंपनी में वापस लौट रहे हैं. कंपनी ने पिछले सप्ताह उन्हें निकालने की घोषणा कर सभी को चौंका दिया था. सैन फ्रांसिस्को स्थित कंपनी की ओर से मंगलवार देर रात जारी एक बयान में कहा गया है, हम सैम ऑल्टमैन को नए प्रारंभिक बोर्ड के जरिये सीईओ के रूप में ओपनएआई में वापस लाने के लिए सैद्धांतिक रूप से एक समझौते पर पहुंच गए हैं. इस निदेशक मंडल में सेल्सफोर्स के पूर्व सह-सीईओ ब्रेट टेलर, पूर्व अमेरिकी मंत्री लैरी समर्स और क्वोरा के सीईओ एडम डी एंजेलो शामिल होंगे.

डिजिटल एक्सेलेरेशन एक्सपो का उद्घाटन आज

भाषा। नयी दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण डिजिटल एक्सेलेरेशन एंड ट्रांसफॉर्मेशन एक्सपो (डीएटीई) का गुरुवार को उद्घाटन करेंगी. इसमें भारत की बढ़ती डिजिटल महत्वाकांक्षाओं, उसके प्रौद्योगिकी बदलाव पर जोर दिया जाएगा और नए युग के नवाचारों पर चर्चा की जाएगी. प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दो दिवसीय कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर मुख्य अतिथि और वक्ता के रूप में उभरती प्रौद्योगिकियों के बढ़ते प्रभाव तथा भारत की डिजिटल आकांक्षाओं के बारे में बात करेंगे.

यह कार्यक्रम ट्रेसकॉन द्वारा आयोजित किया जा रहा है. यह ऐसे समय में हो रहा है जब देश की डिजिटल उपलब्धियां तथा अभूतपूर्व समाधानों को तेजी से अपनाना आर्थिक परिदृश्य को नया आकार दे रहा है, जिससे भारत नई विश्व व्यवस्था तथा वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में एक ताकत के रूप में स्थापित हो रहा है.

डीएटीई राष्ट्रीय राजधानी स्थित यशोभूमि (आईआईसीसी द्वारका) में भारत के सबसे प्रभावशाली तथा नवीन प्रौद्योगिकी से जुड़े लोगों, स्टार्टअप, निवेशकों, उद्यम निर्णय निर्माताओं तथा नीति निर्माताओं को एक साथ ला रहा है. प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वित्त मंत्री सीतारमण कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगी.

सियासी रेवड़ियां

भारत की चुनावी राजनीति का एक मात्र यथार्थ या तो ध्रुवीकरण की प्रवृत्ति या फिर मतदाताओं के बीच रेवड़ियों का अंबार लगा कर लोभ को बढ़ावा देना है. भारत जैसे देश के लिए इन दोनों प्रवृत्तियों से सावधान रहने की बात विशेषज्ञ करते रहे हैं. लेकिन दुखद पहलू तो यह है कि चुनाव प्रचार के दौरान न तो भाषा की मर्यादा का ध्यान रखा जाता है और न ही नफरती विचारों के प्रचार का. इसी तरह यदि दोनों बड़े दलों के घोषणापत्रों की तुलना की जाए तो वे गारंटी या संकल्प पत्र के रूप में बदल चुके हैं. उन घोषणाओं में एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा के ऐसे पहलू हैं, जिन पर व्यापक आर्थिक संदर्भ में विचार करने की जरूरत है. भारतीय जनता पार्टी पिछले दस सालों से केंद्रीय सत्ता में है और कांग्रेस भी सत्ता में रह चुकी है. दूसरे दल भी गठबंधनों की शक्ल में सत्ता में आए गए हैं. ऐसे में विचार करने की जरूरत यह है कि आखिर देश में सामाजिक सुरक्षा,स्वास्थ्य रोजगार और शिक्षा की सर्वकालिक गारंटी वाले कदम क्यों नहीं उठाए गए. मनरेगा, शिक्षा, अधिकार और वनाधिकार जैसे कानून जरूर बनाए गए. बावजूद देश असमानता की भवाहता का दंश झेल रहा है. देश में आमलोगों की क्रयशक्ति लगातार घट रही है. जो कुछ कल्याणकारी योजनाएं देश में लागू की गयीं थीं, उनके पर कतरे जा रहे हैं. किसानों के लिए एमएसपी को कानूनी जामा नहीं पहनाया गया है और स्वास्थ्य, रोजगार और भोजन के अधिकार को मौलिक अधिकार बनाने की दिशा में कदम नहीं उठाए गए हैं. बुजुर्गों के लिए सम्मानजनक जीवन की गारंटी भारत जैसे देश के लिए दिवास्वप्न है. दुनिया के अनेक लोकतंत्रों और समाजवादी देशों ने अपने नागरिकों को ऐसे अधिकार दिए हैं और उन्हें जमीन पर उतारा भी है. स्केंडिनेविया प्रायद्वीप के देशों की खुशहाली से हमारे जैसे देशों ने ज्यादा कुछ नहीं सीखा है. चुनाव के समय रेवड़ियां बांटने के एलानों की तुलना में यदि लोगों की सामाजिक सुरक्षा की गारंटी पूरे देश के नागरिकों को दी जाए तो वोटरों को लाभार्थी बनाने के बजाय नागरिक बनाया जाएगा और धर्म के नाम पर ध्रुवीकरण की जरूरत भी शेष नहीं रहेगी. जिन रास्तों से चुनाव को हर हाल में जीत लेने पर जोर दिया जाता है, वह दूरगामी नजरिए से लोकतंत्र के लिए घातक ही साबित होगा. इसलिए जनधर्मी आर्थिक विशेषज्ञों के विचारों का आदर करते हुए असमानता बढ़ाती आर्थिक नीतियों के विकेंद्रीकरण की प्रक्रिया पर विचार करने की जरूरत है. थामस पिकेटी जैसे विश्व प्रसिद्ध अर्थशास्त्री आर्थिक स्रोतों और संसाधनों के असमान वितरण के खतरों के प्रति आगाह करते रहे हैं. राजस्थान और मध्य प्रदेश में भाजपा ने गैस सिलिंडर पांच सौ रुपए में देने की गारंटी दी है और कांग्रेस राजस्थान में पहले से ही इतने ही मूल्य पर दे रही है. सवाल है कि घरेलू ईंधन के मूल्यों को देश भर में एक समान और लोगों की क्रयशक्ति का ध्यान रखते हुए करने में क्या बाधा है?

> ऐसे में विचार करने की जरूरत यह है कि आखिर देश में सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य रोजगार और शिक्षा की सर्वकालिक गारंटी वाले कदम क्यों नहीं उठाए गए. मनरेगा, शिक्षा, अधिकार और वनाधिकार जैसे कानून जरूर बनाए गए.

सुभाषित

न वध्यन्ते ह्यविश्वस्ता
बलिभिर्दबला अपि
विश्वस्तास्त्वेव वध्यन्ते
बलिनो दुर्बलैरपि

दुर्बल मनुष्य अगर विश्वसनीय नहीं भी हो तो भी बलवान मनुष्य उसे मारता नहीं है. इसके विपरीत बलवान पुरुष अगर विश्वसनीय होता है, तब भी दुर्बल मनुष्य उसे मारता अवश्य है.

सिर्फ सियासत नहीं नीतीश की माफी

नीतीश कुमार को उस रोज अपनी तरह से वह बात कहनी थी, जो उन्होंने पहले कभी कही ही नहीं थी. उन्हें अपनी सरकार की सफलता के झंडे भी लहराने थे जैसे हर राजनीतिज्ञ लहराता है. उन्हें विपक्ष पर गहरा कटाक्ष कर उसे व्यर्थ की बकवासी भी साबित करनी थी. इस नट–लीला में वे फंस गए. तनी हुई रस्सी पर संतुलन साधता नट संतुलन खोकर गिरता भी तो है न ! गिरना खेल के गलत होने का प्रमाण नहीं है, खिलाड़ी के चूकने का प्रमाण है.

यह अपने-आप में अनोखा था. कभी देखा नहीं था कि कोई मुख्यमंत्री सदन में और सदन के बाहर भी अपनी कही किसी बात के लिए बार-बार इस तरह माफी मांग रहा हो कि उसे अपनी कही बात की सच में ग्लानि हो. जुमलेबाजी पर टिकी आज की राजनीतिक संस्कृति में, जुमलेवाली माफी और सच्ची माफी में जो फर्क होता है, वह पहचानने का विवेक अभी जिंदा है. इसलिए कह सकता हूं कि नीतीश कुमार को माफी मिल ही जानी चाहिए. जुमले उछालना, झूठ बोलना, गलत बोलना और अनगढ़ ढंग से बोलना, दो सर्वथा भिन्न बातें हैं. बोलने का सच यह है कि जब कभी हम बोलते हैं तो अपनी तरह से ही बोलते हैं, लेकिन बोलते हमेशा दूसरे के लिए हैं. यदि सुनने के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष दूसरा कोई न हो, तो हम बोलें ही नहीं. बोलना बड़ी जिम्मेवारी है. बार-बार दोहराई लेकिन फिर भी ताजा- के-ताजा वह बात सौ टंच खरी है कि वाण से छूटा तीर व जुबान से निकली बात वापस नहीं आती है. इसलिए तो वाक्-संयम को गीता ने स्थितप्रज्ञ के लक्षणों में एक माना है. राजनीति में स्थितप्रज्ञता की न जगह मानी जाती है, न गुंजाइश!

नीतीश कुमार को उस रोज अपनी तरह से वह बात कहनी थी, जो उन्होंने पहले कभी कही ही नहीं थी. उन्हें अपनी सरकार की सफलता के झंडे भी लहराने थे जैसे हर राजनीतिज्ञ लहराता है. उन्हें विपक्ष पर गहरा कटाक्ष कर उसे व्यर्थ की बकवासी भी साबित करनी थी. इस नट-लीला में वे फंस गए. तनी हुई रस्सी पर संतुलन साधता नट संतुलन खोकर गिरता भी तो है न ! गिरना खेल के गलत होने का प्रमाण नहीं है, खिलाड़ी के चूकने का प्रमाण है. बोलना तीन तरह का होता है : गलत बोलना, असभ्यता से बोलना तथा सर्वथा झूठ बोलना! लोकतंत्र के संदर्भ में एक तीसरा प्रकार भी है : असंवैधानिक बोलना!

• देश-काल

कुमार प्रशांत

नीतीश कुमार ने उस रोज जो कहा व जिस तरह कहा, उसे दूसरी श्रेणी में रखा जा सकता है. भाषा की यह दिक्कत जगजाहिर है. वह यदि लोक- व्यवहार से गढ़ते-गढ़ते तराश न दी गई हो तो भोंडी लगती है और अपना अर्थ संप्रेषित करने में विफल होती है. कितनी तो आलोचना गांधीजी की हुई, होती रहती है कि उन्होंने संसदीय लोकतंत्र को 'बांझ व वेश्या' कह कर स्त्री-जाति को हीन बताया. गांधीजी की तरफ से ऐसे 'अभद्र' शब्द आएं, कई लोगों को तो यही नहीं पचा. किसी को इसमें गांधीजी की पुरुष मानसिकता के दर्शन हुए. गांधीजी ने कहा : मैं जो कहना चाहता हूं उसके लिए इससे अधिक मौजूं शब्द मिला नहीं मुझे! मिल जाएगा तो बदल दूंगा! यहां मेरी तरफ से नीतीश कुमार व गांधीजी की तुलना या साम्यता का मतलब न निकालें पाठक, बल्कि भाषा की मर्यादा का एक उदाहरण मात्र समझें.

हमारे यहां यौनिक संदर्भ की भाषा विकसित ही नहीं हुई है, क्योंकि उसे हमने हमेशा अत्यंत निजी, किसी हद तक गुप्त विषय माना है. इसमें अंग्रेजी का हमारा अत्यंत सीमित (व विकृत !) ज्ञान हमारा सहारा बनता है. अंग्रेजी का हमारा अज्ञान हमें वैसा कुछ कह कर निकल जाने की सुविधा देता है, जिसे हम ठीक से समझते भी नहीं है. चुम्मा कहो तो अशिष्ट लगता है, चुंबन कहो तो कालिदासीय क्लिष्टता लगती है, तो हम कीस कह कर निकल जाते हैं, जिसमें न मिठास मिलती है, न अपना कोई संदर्भ मिलता है, लेकिन अंग्रेजी में है तो भद्र ही होगा, ऐसा जमाना मानता है, तो हम भी मानते हैं.

नीतीश कुमार को कहना यह था कि लड़की पढ़ी-लिखी, जानकार होगी, जैसा कि हमारी सरकार उसे बनाने में लगी है, तो वह अपने पति की कामुकता को नियंत्रित कर सकेगी, उसे गर्भ न रहने के प्रति सचेत कर सकेगी. इसे आप भदेसपन से कहेंगे तो नीतीश कुमार का हाल होगा आपका, अंग्रेजी में 'विद्ड्रॉल' कहेंगे तो भद्रता मान कर आपको बरी कर दिया जाएगा. जब नीतीश कुमार आक्रामक हास्य की मुद्रा में यह सब कह रहे थे तो वे समझ रहे थे कि वे कुछ अटपटा कह रहे हैं, लेकिन यही तो राजनीति है और राजनीति ऐसी सावधानी कब रखती है! उनकी खुली सार्वजनिक माफी ही यह बताती है कि जो कुछ कहा उन्होंने, वह इरादतन महिलाओं का अपमान करने, यौनिकता को राजनीतिक हथियार बनाने या अपनी यौन कुंठा को तुष्ट करने का जायका लेने जैसा नहीं था. वे इस नाहक के विवाद और अपनी रौ में बह जाने के परिणाम से त्रस्त व्यक्ति की ईमानदार माफी थी.

स्त्री-वर्ग के रूप में बिहार की महिलाओं को नीतीश कुमार ने सशक्त ही किया है, उनमें उत्साह भरा है, उनकी उमंगों को अपनी व्यवस्था का आधार भी दिया है. मुझे अंदाजा नहीं है कि उनके मंत्रिपरिषद में यौन अपराधियों को कितनी जगह मिली हुई है या कि ऐसे अपराधियों के प्रति उनका रवैया कैसा है. यदि यह आंकना हो तो प्रधानमंत्री समेत केंद्रीय मंत्रिमंडल का चेहरा अच्छा नजर नहीं आएगा. लेकिन इस आधार पर नीतीश कुमार से इस्तीफे की मांग या कि दूसरे किसी को सरकार की बागडोर सौंप देने की मांग अतिवादी मांग है. मांग करने वालों को यह समझना चाहिए कि यह अपराध से कहीं बड़ी सजा देने की अविवेकी भूल होगी.

व्यापक सार्वजनिक भर्त्सना के रूप में उन्हें अनगढ़ अभिव्यक्ति की वह सजा मिल चुकी है, जो किसी राजनेता के लिए सबसे बड़ी सजा होती है. अब आगे की नितीश कुमार जानें, लेकिन कुछ तो हम भी जानें. हम सब बड़ी सावधानी बरतें कि किसी भी हाल में, कैसी भी परिस्थिति में हमारी सार्वजनिक अभिव्यक्ति यौनिक गालियों या प्रतीकों का सहारा न ले. ऐसी हर अभिव्यक्ति औरत का अपमान करती है.

• बोधि-वृक्ष | अज्ञात

सत्संग की महिमा

एक बार देवर्षि नारद भगवान विष्णु के पास गए और प्रणाम करते हुए बोले, भगवन मुझे सत्संग की महिमा सुनाइये. भगवान मुस्कराते हुए बोले, नारद! तुम यहां से आगे जाओ, वहां इमली के पेड़ पर एक रंगीन प्राणी मिलेगा. वह सत्संग की महिमा जानता है, वही तुम्हें समझाएगा भी. नारद जी खुशी-खुशी इमली के पेड़ के पास गए और गिरगिट से बातें करने लगे. उन्होंने गिरगिट से सत्संग की महिमा के बारे में पूछा. सवाल सुनते ही वह गिरगिट पेड़ से नीचे गिर गया और छटपटाते हुए प्राण छोड़ दिए. नारदजी आश्चर्यचकित होकर लौट आए और भगवान को सारा वृत्तांत सुनाया. भगवान ने मुस्कराते हुए कहा, इस बार तुम नगर के उस धनवान के घर जाओ और वहां जो तोता पिंजरे में दिखेगा, उसी से सत्संग की महिमा पूछ लेना. नारदजी क्षण भर में वहां पहुंच गए और तोते से सत्संग का महत्व पूछा. थोड़ी देर बाद ही उसके भी प्राणपखेरू उड़ गए. नारद जी भगवान कृष्ण के पास पहुंचे. नारद जी कहा, भगवान यह क्या लीला है. क्या सत्संग का नाम सुनकर मरना ही सत्संग की महिमा है? भगवान हंसते हुए बोले, इस बार तुम नगर के राजा के महल में जाओ और उसके नवजात पुत्र से अपना प्रश्न पूछो. नारदजी तो थरथर कांपने लगे और बोले, इस बार अगर वह नवजात राजपुत्र मर गया तो राजा मुझे जिंदा नहीं छोड़ेगा. भगवान ने नारदजी को अभयदान दिया. नारदजी राजमहल में आए. पुत्र के जन्म पर बड़े आनन्दोल्लास से उत्सव मनाया जा रहा था. नारदजी ने डरते-डरते राजा से पुत्र के बारे में पूछा. नारदजी को राजपुत्र के पास ले जाया गया. पसीने से तर होते हुए नारदजी ने राजपुत्र से सत्संग की महिमा के बारे में प्रश्न किया तो वह नवजात शिशु हंस पड़ा और बोला, महाराज! चंदन को अपनी सुगंध और अमृत को अपने माधुर्य का पता नहीं होता. ऐसे ही आप अपनी महिमा नहीं जानते, इसलिए मुझसे पूछ रहे हैं. वास्तव में आप ही के क्षणमात्र के संग से मैं गिरगिट की योनि से मुक्त हो गया और आप ही के दर्शनमात्र से तोते की क्षुद्र योनि से मुक्त होकर इस मनुष्य जन्म को पा सका. आपके सान्निध्यमात्र से मैं सीधे मानव-तन में ही नहीं पहुंचा अपितु राजपुत्र भी बना. यह सत्संग का ही अद्भुत प्रभाव है.

ग्रीनहाउस गैसों के बढ़ने का सिलसिला जारी

• जलवायु

ललित मौर्य

ग्रीनहाउस गैसों के बढ़ने का सिलसिला थमने का नाम ही नहीं ले रहा. यही वजह है कि 2022 के दौरान वातावरण में मौजूद ग्रीनहाउस गैसें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी. कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) जोकि जलवायु परिवर्तन के दृष्टिकोण में सबसे ज्यादा योगदान दे रही है उसका औसत स्तर भी वर्ष 2022 में रिकॉर्ड 417.9 भाग प्रति मिलियन (पीपीएम) पर पहुंच गया था. अनुमान है कि इसमें बढ़ने का यह सिलसिला 2023 में भी जारी रह सकता है. इतना ही नहीं यदि औद्योगिक काल से पहले को तुलना में देखें तो सीओ2 का वैश्विक औसत स्तर तब से 50 फीसदी बढ़ चुका है. जो पर्यावरण और जलवायु में आते बदलावों के दृष्टिकोण से बेहद खतरनाक है. यह जानकारी 15 नवंबर 2023 को विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) द्वारा जारी नई रिपोर्ट में सामने आई है. आपको जानकर हैरानी होगी कि पिछली बार पृथ्वी पर सीओ2 का इतना स्तर 30 से 50 लाख साल पहले अनुभव किया गया था. जब तापमान दो से तीन डिग्री सेल्सियस ज्यादा दर्ज किया गया था और समुद्र का स्तर आज की तुलना में 10 से 20 मीटर अधिक था.

डब्ल्यूएमओ के मुताबिक इन गैसों में तेजी से होती वृद्धि के लिए हम मनुष्य ही जिम्मेवार हैं. जीवाश्म ईंधन का बढ़ता उपयोग इसकी सबसे बड़ी वजह है. गौरतलब है कि यह ग्रीनहाउस गैसें सूर्य से आने वाली गर्मी को पृथ्वी पर ही रोक देती हैं, जिससे वैश्विक तापमान में तेजी से इजाफा हो रहा है. जो जलवायु में आते बदलावों की वजह बन रहा है. इसकी वजह से बाढ़, तूफान, लू जैसी चरम मौसमी घटनाएं कहीं ज्यादा विकराल रूप ले रहीं हैं. इतना ही नहीं, बढ़ता तापमान समुद्र के जलस्तर में होती वृद्धि के साथ-साथ ग्लेशियरों में जमा बर्फ के भी पिघलने की वजह बन रहा है, जिसकी वजह से न केवल आपदाएं आ रही हैं साथ ही जल सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा हो गया है. हालांकि डब्ल्यूएमओ द्वारा जारी ग्रीनहाउस गैस बुलेटिन के मुताबिक सीओ2 के स्तर में होती वृद्धि की दर पिछले वर्ष और दशक के औसत की तुलना में थोड़ी कम रही. गौरतलब है कि पिछले दशक ग्रीनहाउस गैसों में होती औसत वार्षिक वृद्धि को देखें तो वह 2.46 पीपीएम थी. वहीं साल 2022 में इसके औसत स्तर में 2.2 पीपीएम की वृद्धि दर्ज की गई है. मतलब कि 2021-22 के बीच इसके औसत स्तर में 0.53 फीसदी की वृद्धि हुई है. डब्ल्यूएमओ के मुताबिक ऐसा संभवतः कार्बन चक्र में हुए प्राकृतिक और अल्पकालिक बदलावों के कारण हुआ. वहीं औद्योगिक गतिविधियों के चलते उत्सर्जन में होती वृद्धि 2022 में भी जारी रही. संयुक्त राष्ट्र की जलवायु परिवर्तन पर दुबई में होने वाली कॉप-28 वार्ता से पहले जारी इन आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान न केवल कार्बन डाइऑक्साइड बल्कि मीथेन (सीएच4) के स्तर में भी वृद्धि दर्ज की गई. इसी तरह नाइट्रस ऑक्साइड जोकि तीसरी सबसे प्रमुख ग्रीनहॉउस गैस है, उसमें भी 2021-22 के बीच रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई. मीथेन एक शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैस है, जो दशकों तक वातावरण में बनी रह सकती है. गौरतलब है कि जहां 2022 में मीथेन का औसत स्तर 2021 की तुलना में 16 भाग प्रति बिलियन (पीपीबी) की वृद्धि के साथ 1923 पीपीबी पर पहुंच गया. जो वर्ष 1750 की तुलना में 264 फीसदी अधिक है. डब्ल्यूएमओ के मुताबिक करीब 40 फीसदी मीथेन प्राकृतिक स्रोतों से उत्सर्जित होती है, जबकि बाकी 60 फीसदी के लिए इंसानी उत्सर्जन जिम्मेवार हैं.

इसी तरह 2022 में नाइट्रस ऑक्साइड का स्तर 1.4 पीपीबी की वृद्धि के साथ बढ़कर 335.8 पीपीबी पर पहुंच गया है. अनुमान है कि 60 फीसदी नाइट्रस ऑक्साइड प्राकृतिक स्रोतों से उत्सर्जित हो रही है, जबकि 40 फीसदी के लिए हम इंसान जिम्मेवार हैं.बुलेटिन में इस तथ्य को भी उजागर किया गया है कि कार्बन बजट तेजी से घट रहा है. यह तब है, जब उत्सर्जित होते सीओ2 का आधे से भी कम हिस्सा वातावरण में मौजूद रहता है, क्योंकि उत्सर्जित होते कार्बन डाइऑक्साइड में से एक चौथाई से ज्यादा को समुद्र द्वारा सोख लिया जाता है. एक विशेषज्ञ का कहना है कि इससे सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय लागत बढ़ जाएगी. ऐसे में उन्होंने जीवाश्म ईंधन की खपत को कम करने के लिए तत्काल कार्रवाई पर जोर दिया है. गौरतलब है कि पेरिस समझौते के तहत वैश्विक तापमान में होती वृद्धि को औद्योगिक काल से पहले की तुलना में डेढ़ से दो डिग्री सेल्सियस के बीच सीमित रखने का लक्ष्य रखा गया था.

> डब्ल्यूएमओ के मुताबिक इन गैसों में तेजी से होती वृद्धि के लिए हम मनुष्य ही जिम्मेवार हैं. जीवाश्म ईंधन का बढ़ता उपयोग इसकी सबसे बड़ी वजह है. गौरतलब है कि यह ग्रीनहाउस गैसें सूर्य से आने वाली गर्मी को पृथ्वी पर ही रोक देती हैं, जिससे वैश्विक तापमान में तेजी से इजाफा हो रहा है. जो जलवायु में आते बदलावों की वजह बन रहा है.

लापरवाही से अनुचित दवाओं के दुरुपयोग

• सामयिकी

बॉबी रमाकांत

दवाएं अक्सर जीवनरक्षक होती हैं, यदि हम उनका दुरुपयोग करेंगे तो वे रोग उत्पन्न करने वाले कीटाणु पर असर नहीं करेंगी और रोग लाइलाज तक हो सकता है. यदि दवाएं बेअसर हो जायेंगी तो ऐसे में, रोग के उपचार के लिए नयी दवा चाहिए होगी और यदि नई दवा नहीं है तो रोग लाइलाज हो सकता है. अनेक ऐसे गंभीर और साधारण संक्रमण हैं, जिनका इलाज मुश्किल होता जा रहा है, क्योंकि दवाओं का दुरुपयोग हो रहा है.एक नयी दवा को शोध से रोगग्रस्त इंसान के उपचार तक पहुंचने में सालों लग जाते हैं और अत्यधिक व्यय भी होता है. लापरवाही से हो रहे अनुचित दवाओं के दुरुपयोग के कारण, हम प्रभावकारी दवाओं को क्यों खो देना चाहते हैं? रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एंटीमाइक्रोबायल रेजिस्टेंस) के कारण दुनिया में 50 लाख से अधिक लोग एक साल में मृत होते हैं. विश्व बैंक की 2017 रिपोर्ट के अनुसार, यदि दवा प्रतिरोधकता पर अंकुश नहीं लगाया गया तो 2050 तक इससे हर साल रुपये 1200 खरब तक का आर्थिक नुक़सान होगा. विश्व बैंक का आकलन है कि 2030 तक दवा प्रतिरोधकता के कारण लगभग 3 करोड़ अधिक लोग ग़रीबी में धंसेंगे.

अपनी आप-बीती साझा करते हुए वनेसा कार्टर ने बताया कि कैसे रोगाणुरोधी प्रतिरोध ने उनके पूरे जीवन की दिशा ही बदल दी. रोगाणुरोधी प्रतिरोध से जूझने में उनके कम-से-कम 10 साल चले गये. अब वह बहादुरी से रोगाणुरोधी प्रतिरोध के ख़िलाफ़ जागरूकता अभियान में प्रयासरत हैं. 2004 में वह 25 साल की थीं, जब दक्षिण अफ्रीका में वह एक भयानक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से चोटिल हो गयीं थीं. उनको सड़क के किनारे ही जीवन रक्षक प्राथमिक उपचार दिया गया, लाइफ सपोर्ट पर रखा गया, चेहरे पर अनेक फ्रैक्चर थे और एक आंख तक हमेशा के लिए चली गई थी. सर में गंभीर चोट थी, पेल्विस की हड्डी टूट गई थी और रीढ़ को भी चोट लगी थी. चेहरे पर सबसे गंभीर चोटें थीं, जिनसे उभरने में उनको 10 साल लग गये थे. अनेक आपरेशन के बाद उनको अनेक इंप्लांट लगे थे. इस दुर्घटना के छह साल बाद, वह अस्पताल से विदा हुईं. एक दिन बाज़ार में उनको महसूस हुआ कि चेहरे पर नमी है. जब आईने में चेहरा देखा तो पूरा चेहरे पर नमी नहीं, मवाद था. तुरंत उनको अस्पताल की आकस्मक सेवा में भर्ती किया गया, क्योंकि चेहरे में इंप्लांट के पास गंभीर संक्रमण हो गया था. अनेक आपरेशन पर आपरेशन हुए, अनेक विशेषज्ञ चिकित्सकों ने उनका इलाज किया और अंततः उनको रोगाणुरोधी प्रतिरोधक एमआरएसए संक्रमण निकला – जिसका इलाज दवा प्रतिरोधकता के कारण बहुत जटिल हो गया था – आम दवाएँ बेअसर थीं. विश्व स्वास्थ्य संगठन के डॉ फ़िलिप मैथ्यू ने एंटीमाइक्रोबायल रेजिस्टेंस पर तीसरे वैश्विक मीडिया फोरम में कहा कि दवाओं के दुरुपयोग के कारण, रोग उत्पन्न करने वाले कीटाणु, प्रतिरोधकता विकसित कर लेते हैं और दवाओं को बेअसर करते हैं. दवा प्रतिरोधकता की स्थिति उत्पन्न होने पर रोग का इलाज अधिक जटिल या असंभव तक हो सकता है. साधारण से रोग जिनका पक्का इलाज मुमकिन है, वे तक लाइलाज हो सकते हैं. इसको एंटीमाइक्रोबायल रेजिस्टेंस या रोगाणुरोधी प्रतिरोध कहते हैं. दवाओं का अनुचित और अनावश्यक दुरुपयोग सिर्फ़ मानव स्वास्थ्य में ही नहीं हो रहा है, बल्कि पशु स्वास्थ्य और पशु पालन, कृषि और खाद्य वर्ग, में भी दवाओं का दुरुपयोग हो रहा है. इसीलिए यह अत्यंत आवश्यक है कि न सिर्फ़ मानव स्वास्थ्य में बल्कि सभी वर्गों में दवाओं के अनुचित, अनावश्यक या दुरुपयोग पर पूर्ण रोक लगे जिससे कि रोगाणुरोधी प्रतिरोध पर अंकुश लग सके. मुख्यतः मानव स्वास्थ्य के साथ-साथ, पशु स्वास्थ्य और पशु पालन, कृषि और खाद्य और पर्यावरण से जुड़े वर्गों को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी स्तर पर और किसी भी रूप में, दवाओं का अनुचित, अनावश्यक या दुरुपयोग नहीं हो. इस व्यापक अन्तर-वर्गीय प्रयास को 'वन हेल्थ' भी कहते हैं. संयुक्त राष्ट्र की कृषि और खाद्य संस्था के इमैनुएल क़ाबली ने कहा कि कृषि और खाद्य प्रणाली में हर स्तर पर, दवाओं के अनुचित, अनावश्यक या दुरुपयोग पर रोक लगाना सर्व हितकारी है. खाद्य उत्पादन बढ़ाने के लिए दवाओं का अनावश्यक, अनुचित या दुरुपयोग को जायज़ नहीं ठहराया जा सकता है.

> 2004 में वह 25 साल की थीं, जब दक्षिण अफ्रीका में वह एक भयानक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से चोटिल हो गयीं थीं. उनको सड़क के किनारे ही जीवन रक्षक प्राथमिक उपचार दिया गया, लाइफ सपोर्ट पर रखा गया, चेहरे पर अनेक फ्रैक्चर थे और एक आंख तक हमेशा के लिए चली गई थी.

मीडिया में अन्यत्र

चिंताजनक उलटी गिनती

संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट के अनुसार तापमान को दो डिग्री सेल्सियस से ज्यादा बढ़ने से रोकना था और जहां तक संभव हो सके, इस बढ़ोतरी को पूर्व-औद्योगिक स्तर के 1.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखना था. पिछले कुछ सालों के दौरान, अधिकांश आम सहमति इस बात पर रही है कि हमें अपने सभी प्रयास इस बढ़ोतरी को 1.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने की दिशा में करना चाहिए. हालांकि, ब्रोकन रिकॉर्ड रिपोर्ट बताती है कि पीए के मुताबिक जीवाश्म ईंधन पर अपनी अर्थव्यवस्थाओं की निर्भरता को कम करने के लिए विभिन्न देशों द्वारा की गई सभी प्रतिबद्धताओं के मद्देनजर इस सदी के अंत तक तापमान में 2.5 डिग्री सेल्सियस से लेकर 2.9 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि होगी. तापमान को दो डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने के लिए, 2030 तक उत्सर्जन में 28 फीसदी की कटौती की जानी चाहिए और 1.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे के लिए, उत्सर्जन को 42 फीसदी तक कम करने की जरूरत है. कई देशों द्वारा 'शुद्ध शून्य' यानी शुद्ध कार्बन उत्सर्जन नहीं करने का वादा किए जाने के बावजूद, इस रिपोर्ट को नहीं लगता कि ये वादे 'विश्वसनीय' हैं और यहां तक कि सबसे आशावादी परिदृश्यों में भी, उत्सर्जन को 1.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने की संभावना 14 फीसदी ही है. हालांकि, ऐसा नहीं है कि पेरिस समझौता (पीए) व्यर्थ रहा है. पीए को अपनाने के समय मौजूदा नीतियों के आधार पर 2030 में जीएचजी के उत्सर्जन में 16 फीसदी के इजाफे का अनुमान लगाया गया था. आज, अनुमानित वृद्धि तीन फीसदी है. तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने के लिए, 2030 तक हर साल सालाना उत्सर्जन में 8.7 फीसदी की कमी होनी चाहिए. यह रिपोर्ट बताती है कि दुनिया ने 2022 में सामूहिक रूप से 57.4 बिलियन टन का उत्सर्जन किया, जोकि 2021 की तुलना में 1.2 फीसदी की वृद्धि है. महामारी की वजह से उत्सर्जन में 4.7 फीसदी की गिरावट देखी गई थी, लेकिन 2023 के अनुमानों से पता चलता है कि दुनिया लगभग महामारी-पूर्व के उत्सर्जन स्तर पर वापस लौट आई है. दुनिया की शिथिलता के नतीजे स्पष्ट रूप से व्यापक हैं. इस साल अक्टूबर तक, 86 दिन तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा दर्ज किए गए थे.

(द हिंदू)

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

उद्बोधन/संबोधन

गणतंत्र दिवस समारोह में प्रधानाध्यापक ने अपने उद्बोधन के माध्यम से छात्रों को देशभक्ति एवं श्रेष्ठ नागरिक बनने की प्रेरणा दी. युवा उद्यमियों के साथ प्रधानमंत्री ने पहला संवाद किया था और उसी की श्रृंखला में आज उनका दूसरा संबोधन था. इन दोनों वाक्यों में भाषण देने के अर्थ में प्रयुक्त दो शब्दों पर गौर करें. पहला शब्द है उद्बोधन और दूसरा शब्द है संबोधन. दोनों तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द हैं. अर्थ के दृष्टिकोण से विचार किया जाये तो दोनों शब्द एक जैसे ही लगते हैं, लेकिन व्यावहारिक दृष्टिकोण से उद्बोधन के स्थान पर संबोधन का प्रयोग अगर गलत नहीं हो तो अटपटा जरूर लगता है. दोनों के सूक्ष्म भेद को समझने के लिए इनको अच्छी तरह से समझना आवश्यक होगा. उद्बोधन शब्द का संधि विच्छेद करते हैं तो हमें दो शब्द मिलते हैं-उत्+बोधन. उत् संस्कृत उपसर्ग है, जिसका अर्थ है ऊपर, उन्नति, विकास, आधिक्य. दूसरा शब्द है बोधन, जो बोध शब्द से बनता है. बोध का अर्थ है ज्ञान, समझ, अवगमन. बोध शब्द संस्कृत के बुध् धातु में णिच् और ल्युट प्रत्यय लगने का प्रतिफल है. बोध में जब अन प्रत्यय लगता है तो बनता बोधन. मतलब है समझने या समझाने का भाव. 'उत्' शब्द की जब बोधन के साथ संधि होती है हल् संधि के नियम के अनुसार 'त्' अक्षर 'द्' में परिणत हो जाता है और बनता है उद्बोधन. उद्बोधन का अर्थ है उन्नति, श्रेष्ठता, विकास, सकारात्मकता को उत्पन्न करनेवाला या सत्प्रेरणा देनवाला भाषण, आह्वान, संदेश. संबोधन शब्द बोधन के पहले सम् उपसर्ग से बना है. इसका अर्थ है जगाना, नींद से उठाना, पुकारना, आह्वान करना, बतलाना, समझाना-बुझाना, व्याकरण में आठवां कारक, जिसमें किसी शब्द से किसी को पुकारने या बुलाने का भाव प्रकट होता है. जैसे-हे राम. अरे भाई, कहां जा रहे हो. इनमें हे और अरे शब्द संबोधन हैं. उद्बोधन में वक्ता की श्रेष्ठता का बोध है, जबकि संबोधन किसी भी सामान्य वक्ता के लिए उपयुक्त है.

धन्य हैं वे महानुभाव जो बन गये मंत्री

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

वे महानुभाव धन्य हैं, जो मंत्री बन गए. उनको बारंबार धन्यवाद जिन्होंने पाँच वर्षों तक मंत्री का पद धारण किया. उनकी धन्यता का तो कहना ही क्या जो दस साल या पंद्रह साल मंत्री बने रहे. सबसे ज्यादा दुखी वह व्यक्ति है जो मंत्री बनने के बाद भूतपूर्व मंत्री बना है. उसके दुख की कोई सीमा नहीं है. घर पर बैठा हुआ मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह देखता है और सीने पर सांप लोटना शुरू हो जाते हैं. बस यह कहिए कि पूरे शरीर में किसी ने भाले भोंक दिए हों.

मंत्री बनने के बाद ही भूतपूर्व मंत्री होने के दुख को कोई समझ सकता है. जो आदमी जिंदगी में कभी मंत्री बना ही नहीं ,वह कभी भी भूतपूर्व मंत्री के दर्द को नहीं समझ सकता. मंत्री बनने के बाद मंत्री पद छिनता है तो जीवन निस्सार जान पड़ता है. लगता है अब जिंदगी का कोई मतलब नहीं रहा. आदमी एक तरह से समझ लो, देवदास बन जाता है. किसी असफल प्रेमी की तरह एक नीरस जीवन बिताता है. अपनी प्रेमिका रूपी मंत्री की कुर्सी को बराबर याद करता रहता है. आंसू बहाता है और दर्द भरे गीतों से वातावरण को रुआँसा बना जाता है. उसके इष्ट मित्र सगे संबंधी परिजन उसके भीतर की वेदना को समझते हैं. वे जानते हैं कि यह आदमी भूतपूर्व मंत्री होने के कारण दुखी है. ज्ञानी जन उसे समझाते हैं : बंधु ! मंत्री पद नश्वर और क्षणभंगुर होता है. व्यक्ति को घड़ी दो घड़ी के लिए प्राप्त होता है और फिर पानी के बुलबुले की तरह समाप्त हो जाता है. इससे मोह मत करो. यह बड़ा निष्ठुर होता है. जब जाता है, तब किसी की वेदना को नहीं देखता. उसे जाना था, वह चला गया. अब उसका शोक कैसा? इस प्रकार संसार में ज्ञानीजन भूतपूर्व मंत्री के शोक को दूर करने का भरसक प्रयत्न अपने उपदेशों द्वारा करते हैं. पर ज्ञान की बातों से भला किसी का मोह आज तक मिटा है ?

मंत्री पद इस संसार में देवलोक के समान माना जाता है. जिसे मिल जाता है, वह देवताओं की भांति पूजा जाता है. लोग उसे देखने के लिए आते हैं और देख कर कहते हैं कि अरे! यह तो आदमी नजर आ रहा है. हम तो समझते थे कि यह मंत्री बन गया है. ऐसे में सर्वसाधारण को विद्वानजन समझाते हैं कि मंत्री भी एक प्रकार से मनुष्य ही होता है. बस उसे दिव्य-गति प्राप्त हो जाती है. परिणामतः वह अंगरक्षकों से घिरा हुआ मस्ती में झूमता हुआ स्वयं को जमीन से तीन इंच ऊपर उठकर चलने वाला अद्भुत प्राणी समझता है. वास्तव में मंत्री और कुछ नहीं है ,केवल एक थोड़े समय के लिए मनुष्यों के बीच में से उच्च स्थिति को प्राप्त मनुष्य ही है.

लाइफ लाइन

सेलेब्स डाइट सीक्रेट : यामी गौतम

किनुआ और मड़ुआ है फिटनेस का राज!

ऐसे तो यामी गौतम खाने की शौकीन हैं, पर फिगर और हेल्थ के लिए सजग भी. खाने में वेरायटी है, स्वाद देखती हैं, पर स्वास्थ्य की कीमत पर नहीं. फिट रहने के लिए नियम से यामी योगा करती हैं. योगा में चक्रासन त्रिकोणासन, वृक्षासन करती हुई एक्ट्रेस अक्सर अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर करती हैं. थाली से मैदा, रिफाइंड और सफेद शक्कर को बाहर रखती हैं. आइए, यामी की डाइट के बारे में थोड़ा विस्तार से जाने-

दिन की शुरुआत हल्दी पानी से

दिन की शुरुआत यामी गौतम अक्सर हल्दी पानी से करती हैं. यह शरीर को डिटॉक्स करने में मददगार होता है, रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता बढाता है और वजन कंटोल करता है. इसके सेवन से पाचन सिस्टम भी दुरुस्त रहता है. हल्दी वाला पानी बनाने के लिए एक कप में एक चम्मच हल्दी और आधा चम्मच पानी डाल कर गर्म पानी डालें और गुनगुना ही सेवन करें.

ब्रेकफास्ट में रागी पराठा

व्यायाम से पहले यामी कुछ फल या मेवे लेती हैं और फिर ग्रीन टी. व्यायाम के बाद यामी गौतम धनिया-आंवला की चटनी के साथ बेसन का चीला या पनीर स्टफ रागी (मड़ुआ) पराठा खाती हैं. कभी कभी ब्रेकफास्ट में उपमा या रागी का इडली भी होता है. मिड मॉर्निंग डाइट में अक्सर सूखे मेवे के साथ नारियल पानी या एक कटोरा ताजा फल होता है. यामी खुद को हाइड्रेट रखने के लिए दिन भर खूब पानी पीती हैं.

चावल की जगह किनुआ

लंच में दाल, सब्जी, दही, सलाद सबकुछ होता है, बस चावल की जगह किनुआ का उपयोग करती हैं. लंच में कभी कभी रागी पास्ता भी लेती हैं जिसे बनाने का उनका अपना अंदाज है. शाम के समय ग्रीन टी के साथ अक्सर भूने मखाने या भूने चने खाती हैं. रात का खाना अक्सर शाम साढ़े सात बजे तक हो जाता है. इसमें कभी किनुआ सलाद तो कभी सूप लेना पसंद करती हैं. देर रात यदि भूख लग जाए तो फल खाती हैं.

डॉ. आनंद श्रीवास्तव

बाइपोलर डिसआर्डर

बेकाबू कर सकता है डिप्रेशन और मूड में बदलाव

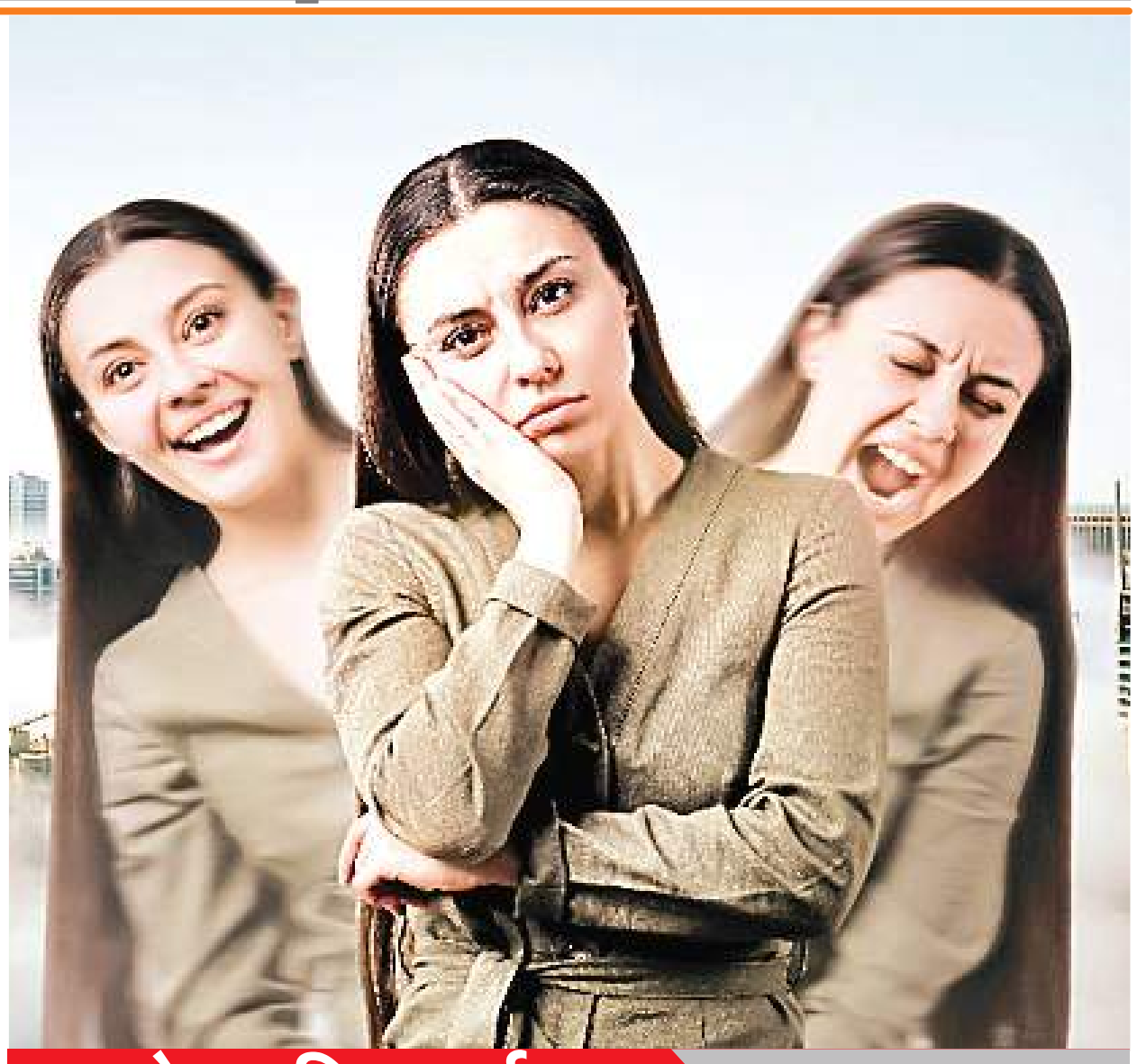

मीता को बचपन से लगता था कि उसकी अपनी कोई पहचान नहीं है. सब उसे मोहित की बहन के तौर पर जानते हैं. ऐसा नहीं था कि मोहित ने स्कूल में सफलता के झंडे गाड़ दिए हों और मीता एकदम फिसड्डी रही हो. मोहित अगर पढाँई के साथ स्पोर्ट्स में भी चैंपियन था, तो गीत-संगीत में मीता की कोई बराबरी नहीं थी, पढ़ाई में अव्वल तो वह थी ही. अलबत्ता, उसे एक बात का हमेशा मलाल रहता कि उसकी कामयाबी उसकी पहचान क्यों नहीं बन सकती. वह कहती भी, ठीक है, घर और सोसायटी में छोटी बहन के तौर पर पहचान में कोई बुराई नहीं है, क्योंकि मोहित बड़ा भाई है, लेकिन स्कूल में तो मैंने भी मेडल जीते हैं. दोनों भाई-बहन की उम्र में कोई चार साल का फर्क था. स्कूलिंग के बाद मोहित ने आईआईटी, दिल्ली से बीटेक किया और फिलहाल जापान की एक फर्म में आईटी प्रोफेशनल हैं. जबकि स्कूलिंग के बाद से ही मीता तय नहीं कर पा रही कि उसे करना क्या है? कभी एमकॉम करने की जिद, तो कभी सीए बनने का जुनून. रांची से दिल्ली आकर एमकॉम में दाखिला लिया. एक साल बाद लगा कि सीए करना चाहिए तो सीए की तैयारी में डेढ़ साल लगा दिए. फिर अचानक लगने लगा कि इससे बेहतर था कि एमकॉम करती. बस इसी उधेड़बुन में समय निकलता जा रहा था. वह तय नहीं कर पा रही थी कि आखिर करना क्या है. इसी सब के बीच कभी वह डिप्रेशन में चली जाती तो कभी अति उत्साह से लबरेज.

हॉस्टलमेट्स मीता के व्यवहार में बहुत तेजी से होने वाले बदलाव से थोड़ा हैरान रहते. क्योंकि पल में मीता का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच जाता, और पल में लगता कि उससे ज्यादा कूल कोई हो ही नहीं सकता. दो-तीन महीने से उसका चिड़चिड़ापन भी बढ़ गया था. अक्सर खोई-खोई भी रहने लगी थी. गुस्से में एक रात में उसने हॉस्टल में हंगामा खड़ा कर दिया. टेबल पर रखे सामान फेंकने लगी. जो कोई पास आता, मारने के लिए झपटती, जैसे होशो-हवास खो बैठी हो. दोस्तों को लगा कि मीता को कन्ट्रोल करना मुश्किल है तो उन्होंने तुरंत मीता के पापा को इन्फॉर्म किया. एक डॉक्टर से फोन पर बात की तो उन्होंने साइकियाट्रिस्ट के पास ले जाने की सलाह दी. छह-सात फ्रैंड्स उसे लेकर नई दिल्ली में मानसिक रोगों के इलाज के लिए प्रसिद्ध विद्यासागर इन्स्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ, न्यूरो एंड एलायड साइंसेज (विमहांस) पहुंचे. वहां के डॉक्टरों को लगा कि उसे एडमिट करना जरूरी है.

ये सब बताते-सुनाते, प्रोफेसर विनय मिश्रा (बदला हुआ नाम) भावुक हुए जा रहे थे. उनके माथे पर चिंता की लकीरें लगातार गहराती जा रही थीं. बोले, मीता के हॉस्पिटल में होने की खबर सुनकर मैं रांची से फौरन दिल्ली के लिए रवाना हो गया. यह अहसास साल रहा था किआखिर कहां कमी रह गई. मैंने और मेरी वाइफ रोनिता ने दोनों बच्चों के पालन-पोषण और करियर बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी. लेकिन मीता को देखकर यही लगता है कि हमने बच्चों के फिजिकल हेल्थ पर तो खूब ध्यान दिया, लेकिन मेंटल हेल्थ के बारे में शायद हम सोच भी नहीं सके. कैंटीन में कॉफी पीने के बाद उन्होंने मेरी मुलाकात विमहांस में साइकियाट्रिस्ट डॉक्टर गजानन से कराई. डॉ. गजानन ने बताया, जिस रात मीता हॉस्पिटल आई, उसकी हालत को देखते हुए, एडमिट करना जरूरी था. कुछ जरूरी टेस्ट्स हुए तो पता लगा कि बाइपोलर डिसऑर्डर की शिकार है.

जानिए लक्षण

बाइपोलर डिसऑर्डर दरअसल, एक मानसिक बीमारी है, जो डिप्रेशन और मूड में बदलाव की वजह बनती है. इसमें रोगी की मनोदशा दो विपरीत अवस्था में बदलती रहती है. बीमारी की चपेट में आने के बाद कई बार व्यवहार पर नियंत्रण रखना मुश्किल हो जाता है. आमतौर पर इस बीमारी का पता 25 साल की उम्र के आसपास चलता है, लेकिन लक्षण किशोरावस्था या बाद में भी जाहिर हो सकते हैं. यह बीमारी पुरुषों और महिलाओं को समान रूप से प्रभावित करती है. अलबत्ता, परिवार के किसी सदस्य में यह बीमारी होने से बाइपोलर डिसऑर्डर होने की आशंका काफी बढ़ जाती है. इसके अलावा, दिमाग के न्यूरोट्रांसमीटर्स में असंतुलन से बाइपोलर डिसऑर्डर हो सकता है. तनाव भी बाइपोलर डिसऑर्डर के लिए बहुत हद तक जिम्मेदार होता है.

प्रभावित होती है दिनचर्या

डॉ. गजानन के मुताबिक, बाइपोलर डिसऑर्डर का चक्र, कभी-कभी कई दिन, कभी हफ्तों और कभी महीनों तक चलता है. सामान्य मनोदशा के विपरीत, बाइपोलर डिसऑर्डर की स्थिति में मनोदशा में बदलाव इतना प्रचंड होता है कि उससे व्यक्ति की काम करने की क्षमता बुरी तरह प्रभावित होती है. बाइपोलर डिसऑर्डर, अलग-अलग लोगों में अलग तरीके से दिख सकता है. मेडिकल टर्म में कहें तो लक्षण अपने पैटर्न, गंभीरता और आवृत्ति में व्यापक रूप से भिन्न होते हैं. कुछ लोगों में या तो उन्माद का अधिक खतरा होता है या फिर अवसाद का, जबकि कुछ लोगों का भरोसा नहीं होता. उन्हें कभी उन्माद का खतरा होता है और कभी अवसाद का खतरा. कुछ लोगों का मूड बार-बार खराब होता है, जबकि कई लोगों को अपने पूरे जीवनकाल में एक-दो बार ही इस तरह की स्थिति का सामना करना पड़ता है.

चार तरह की मनोदशा

डॉ. गजानन की बात जारी थी. बाइपोलर डिसऑर्डर में चार तरह की मनोदशा देखने को मिलती है. कभी उन्माद, कभी हाइपोमैनिया, कभी अवसाद या कभी-कभी तीनों तरह की स्थिति. उन्माद के संकेत और लक्षण की बात करें तो बिना कारण हंसना, बोलना, नाचना, गाना, सामान्य से अधिक खुश रहना, सोने की इच्छा में कमी, बड़े-बड़े दावे (बातें) करना, खुद को बड़ा बताना, अपने अन्दर अत्यधिक शक्ति का अनुभव करना, बहुत सारे काम एक साथ करने की कोशिश करना, परन्तु किसी भी काम को सही से न कर पाना, और यौन इच्छा में वृद्धि. इसके दूसरे पहलू यानी डिप्रेशन या अवसाद के संकेत एवं लक्षण एक दम भिन्न होते हैं. उसमें ऊर्जा और थकान में कमी, चिड़चिड़ापन या उदासी, चिंता और क्रोध की भावना, एकाग्रता में कमी, बेकार की भावनाओं का उत्पन्न होना, अत्यधिक नींद आना या सोने में परेशानी होना, भूख अधिक लगना या बिल्कुल भी भूख न लगना शामिल है. मैं बड़े ध्यान से डॉ. गजानन की बात सुन रहा था..... बाइपोलर डिसऑर्डर लंबे समय तक रहनेवाली स्थिति है. इसलिए, मरीज को दवा से ज्यादा प्यार और प्रोत्साहन की जरूरत होती है. मैं खुश हूं कि एक महीने के इलाज के बाद मीता को हॉस्पिटल में छुट्टी मिल रही है. वह काफी खुश है. उसको लिवाने आए उसके पापा डॉ कपूर और मम्मी रोनिता के चेहरे पर भी सुकून साफ नजर आ रहा था.

जीवन संध्या में भी मोती से चमकते दांत

डॉ आकांक्षा चौधरी
एमडीएस (मसूढ़ों एवं इंप्लांट सर्जरी विशेषज्ञ)

बुजुर्ग मरीजों को बहुत सारी शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के साथ दांत की भी कई तरह की मुश्किलें रहती हैं. अधिकतर बुजुर्ग अपनी दांत संबंधित समस्याओं के बारे में यह सोचकर बैठे रहते हैं कि अब दांत के विषय में अधिक क्या सोचना! कई बुजुर्ग तो अपने बाल बच्चों के खर्च और उनकी असुविधा के कारण अपने दांतों की चिकित्सा नहीं करवाना चाहते. आइए, हम बुजुर्ग मरीजों में होनी वाली कुछ महत्वपूर्ण दांत संबंधी परेशानियों की चर्चा करते हैं-

ये हैं मुख्य समस्याएं

बढ़ती उम्र के साथ दांतों का टूट जाना या झड़ जाना सबसे आम समस्या है. इसके अलावा मसूढ़ों का ढीलापन, दांतों का सड़ना, मुंह में दांतों की जड़ों का पड़ा रहना, दांतों का पीला पड़कर संवेदनशील हो जाना या अट्रीजन, तम्बाकू या सिगरेट आदि के लम्बे समय तक सेवन करने से मसूढ़ों का खराब होना जैसी समस्याएं भी होती है. बढ़ती उम्र के साथ दांतों के बीच का खालीपन भी बढ़ता है. जबड़ों की हड्डी के गलने जैसी समस्याएं भी होती हैं.

बुजुर्गों में दांतों के क्षरण से होनेवाली समस्याएं

दांतों के क्षरण से बुजुर्ग भोजन को पहले की तरह ठीक से चबा नहीं पाते हैं. इस वजह से पोषण की कमी हो जाती है. दांतों के झड़ने से कुछ शब्दों के उच्चारण में दिक्कत होती है. दांतों के गिर जाने से मरीजों के चेहरे की मांसपेशियां भी खराब हो जातीं हैं. इस वजह से चेहरे का शेप, उनकी हंसी व मुस्कान भी बदल जाती है.

बुजुर्गों के लिए नकली दांतों का रिप्लेसमेंट

नकली एक्रेलिक के दांत और मसूड़े

नकली दांत के जबड़ों की मरीज के मुंह के हिसाब से फिटिंग बनाई जाती है. कभी कभी ढीले और खराब फिटिंग वाले नकली दांत के जबड़े या बहुत ज्यादा फिटिंग वाले नकली दांत मरीजों के मुलायम उत्तकों को बहुत ही नुकसान पहुंचाते हैं. उनमें जलन, चुभन, बार बार छाले आना जैसी समस्याएं देखने को मिलती हैं. सामान्यतः उम्र बढ़ने पर मुंह में लार कम बनने की समस्या देखी जाती है. कभी कभी नकली दांत पहनने वालों को भी मुंह सूखने की दिक्कत होती है. नए नकली दांत पहनने वालों को शुरुआत में नए सिरे से बोलने की आदत डालनी पड़ती है. जब मरीज़ बात करने के अभ्यस्त हो जाते हैं तो उन्हें मुलायम और नरम भोजन के सेवन की आदत लगाई जाती है जिसे चबाने में मरीज को कम मेहनत लगे. धीरे धीरे मरीज़ को नकली जबड़े पहनने की आदत पड़ जाती है. नकली दांत के सेट को हर दिन डेन्चर क्लींजर और टूथब्रश से साफ करना चाहिए. सोते समय अपने डेन्चर को खोल कर रात भर पानी में रखना चाहिए.

टाइटेनियम के डेन्टल इंप्लांट या दंत प्रत्यारोपण

कुछ वरिष्ठ मरीज या परिजन उचित समय पर दांतों की देखभाल करते हैं और उनमें आधुनिक इलाज के प्रति जागरूकता होती है तो दंत चिकित्सक का काम बड़ा आसान और बेहतर हो जाता है. यहां तक कि मरीज़ भी शारीरिक और मानसिक रूप से बहुत फिट महसूस करता है. किसी भी व्यक्ति की मुस्कान और उसका चेहरा, उसके बेहतर रहन-सहन और स्वास्थ्य के द्योतक होते हैं. इस मायने में डेंटल इंप्लांट, सर्जिकल अलवियोलर और फुल माउथ रिहैबिलिटेशन का बहुत महत्व है. एक बेहतर विकल्प के तौर पर दंत प्रत्यारोपण और मुख के मुलायम और नर्म उत्तकों का प्रत्यारोपण आधुनिक दंत चिकित्सा क्षेत्र में एक क्रांति है. इससे न सिर्फ क्षरण और खोए हुए दांतों को प्रत्यारोपित किया जाता है, बल्कि किसी दुर्घटना में विद्रूप हुए चेहरे के किसी भी भाग को प्रतिस्थापित किया जा सकता है. मरीज बिल्कुल पहले की तरह और अपने मौलिक दांतों की तरह हंस सकते हैं, मुस्कुरा सकते हैं. मरीज में आत्मविश्वास बढ़ता है. इन डेंटल इंप्लांट की डिजाइनिंग इतने रिसर्च के बाद की गई है कि मौलिक दांतों के बराबर खाना चबाने की क्षमता भी देखने को मिलती है. इंप्लाटोलोजिस्ट इस तरह की सर्जरी को बिल्कुल निसंक्रमित और अत्यधिक विशिष्ट मशीनों द्वारा संपादित करते हैं. बढ़ती उम्र में भी बुजुर्ग मरीजों को अब बहुत सारी दंत चिकित्सा संबंधी सुविधाएं उपलब्ध हैं. मरीज चाहे कमजोर याददाश्त के हों, अल्जाइमर्स या पार्किनसन्स डिजीज के, सुविधाएं और विशेषताएं दंत चिकित्सा क्षेत्र में दिनानुदिन प्रगति पर हैं, जरूरत है तो जागरूक होने की.

ये 3 आसन दूर करेंगे वेरिकोज वेन्स की समस्या

पैरों व जांघों पर नीले रंग की उभरी हुई नसें वेरिकोज वेन्स कहलाती हैं. आजकल ये समस्या टीनएजर्स के बीच भी आम है. इसका मुख्य कारण एक ही जगह पर खड़े रहना या लंबे समय तक कुर्सी पर बैठना है. इससे निजात पाने के लिए तीन योगासन फायदेमंद हैं.

ऋषि रंजन
योग एक्सपर्ट

नौकासन

ऐसे करें : आसन पर पीठ के बल लेट जाएं. धीरे-धीरे पैर और ऊपरी शरीर को ऊपर उठाएं. हाथों को घुटने के बाजू में उठाकर रखें. ध्यान रहे सिर और पैर एक ही ऊंचाई में रहें. इस अवस्था में दो से तीन मिनट रहें. यही क्रम 5-6 बार दोहराएं.

इसके फायदे :
ऐसा करने से आपके पैरों को बल मिलता है. पैर में कंपन बंद हो जाता है. पैरों की नसों में खिंचाव आता है.

मेरु आकर्षण आसन

ऐसे करें : आसन पर दाहिनी करवट लेकर लेट जाएं. अब दाहिने हाथ से सिर को सहारा देते हुए हथेलियों पर रखें. धीरे-धीरे बाएं पैर को ऊपर उठाएं. अब बाएं हाथ से बाएं पैर के अंगूठे को पकड़ने की कोशिश करें. यही क्रम दूसरी तरफ से करें. 5-6 बार इस क्रम को दोहराएं.

इसके फायदे : यह आसन पैरों की नसों में खिंचाव लाता है. पैरों को आराम देता है. पैरों में रक्त संचार सुचारु करता है.

विपरीत करनी आसन

ऐसे करें : शवासन की स्थिति में लेट जाएं. दोनों हाथों से कमर को सहारा देते हुए दोनों पैरों को एकसाथ उठाएं. शुरू में 60 डिग्री पर स्थापित करें. दीवार का सहारा देते हुए पैरों को धीरे-धीरे 90 डिग्री तक ले आएं. पांच से सात मिनट तक इसी स्थिति में रहें.

इसके फायदे : हाथ और पैरों के समस्त विकार दूर होते हैं. पैरों की नसों को आराम मिलता है. पैरों में रक्त के प्रवाह को ठीक करता है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

टी-20 शृंखला : भारत के युवा खिलाड़ियों की ऑस्ट्रेलिया के सामने परीक्षा

नये प्रारूप में नई शुरुआत करना चाहेगी टीम इंडिया

भाषा । विशाखापत्तनम

सूर्यकुमार यादव को विश्व कप फाइनल में मिली हार की निराशा को भुलाकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार से यहां शुरू होने वाली पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय शृंखला में भारत के युवा खिलाड़ियों से सजी टीम का नेतृत्व करना होगा. विश्व कप की हार को भुलाना इतना आसान काम नहीं है और फिर सूर्यकुमार को केवल 96 घंटे के अंदर मजबूत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम की अगुवाई करनी है. उन्हें आत्ममंथन करने का मौका भी नहीं मिलेगा, लेकिन टी-20 उनका पसंदीदा प्रारूप है और वह इसमें खेलने के लिए तैयार होंगे. टीम का कप्तान होने के नाते उनकी जिम्मेदारी केवल जीत दर्ज करना ही नहीं बल्कि उन खिलाड़ियों की पहचान करना भी होगा जो अगले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले आईसीसी टी-20 विश्व कप के लिए अपना दावा पेश कर सकते हैं. यशस्वी जायसवाल, रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा और मुकेश कुमार जैसे खिलाड़ियों ने हाल के महीनों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया है लेकिन उनकी पहली परीक्षा ऑस्ट्रेलिया की मजबूत टीम के खिलाफ होगी. पिछले साल टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में मिली हार के बाद कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और केएल राहुल के नाम पर सबसे छोटे प्रारूप में खेलने के लिए विचार नहीं किया जा रहा है और ऐसे में चयनकर्ताओं को इस शृंखला से अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए टीम का खाका तैयार करने में मदद मिलेगी. रिंकू सिंह ने अभी तक भारत की तरफ से जितने मैच खेले हैं उनमें उन्होंने प्रभावित किया है. यही बात यशस्वी, तिलक और मुकेश पर लागू होती है जबकि एशियाई खेलों के दौरान पदार्पण करने वाले जितेश को इशान किशन की मौजूदगी के कारण इंतजार करना होगा. भारत के इन खिलाड़ियों ने अभी तक वेस्टइंडीज, आयरलैंड और एशियाई खेलों में औसत दर्जे के आक्रमण का सामना किया है. ऐसे में केन रिचर्डसन, नाथन एलिस, सीन एबॉट और बाएं हाथ के जेसन बेहरनडोर्फ जैसे गेंदबाजों की मौजूदगी वाले ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण के सामने उनकी असली परीक्षा होगी.

शेड्यूल

पहला टी-20	23-11-2023	विशाखापट्टनम
दूसरा टी-20	26-11-2023	त्रिवेंद्रम
तीसरा टी-20	28-11-2023	गुवाहाटी
चौथा टी-20	01-12-2023	रायपुर
पांचवां टी-20	03-12-2023	बेंगलुरु

CRICKET AUSTRALIA

मैच भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे शुरू होगा

टीमें

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़ (उपकप्तान), इशान किशन, यशस्वी जायसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, अवेश खान, मुकेश कुमार.

ऑस्ट्रेलिया: मैथ्यू वेड (कप्तान), आरोन हार्डी, जेसन बेहरेनडोर्फ, सीन एबॉट, टिम डेविड, नाथन एलिस, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर सांघा, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मार्कस स्टोइनिस, केन रिचर्डसन, एडम जम्पा.

भारतीय टीम के लिए लंबे समय तक खेलना चाहते हैं मुकेश

इस साल के शुरू में वेस्टइंडीज दौरे पर सभी प्रारूपों में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने वाले तेज गेंदबाज मुकेश कुमार की निगाहें इस टी-20 अंतरराष्ट्रीय शृंखला से भारतीय टीम के साथ लंबे समय तक बने रहने पर लगी हुई हैं. दायें हाथ के 30 साल के गेंदबाज मुकेश इस मौके का फायदा उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं. वह घरेलू सर्किट और इंडियन प्रीमियर लीग की सफलता के बूते अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे क्योंकि इसकी बदौलत ही उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह मिली थी. मुकेश कहा कि मैं अपने देश के लिए नियमित रूप से खेलना चाहता हूं, यही मेरी पहली उपलब्धि होगी. मैं प्रक्रिया पर ध्यान बनाये रखना चाहता हूं. इस पर अडिग रहने से ही मुझे नतीजे मिल रहे हैं इसलिये मैं ध्यान बनाये रखकर आगे बढ़ना चाहता हूं.

ऑस्ट्रेलिया की टीम मजबूत

इस शृंखला में भारतीय युवा टीम के सामने ऑस्ट्रेलिया की टीम मजबूत नजर आ रही है. ऑस्ट्रेलिया की टीम में विश्व कप में भाग लेने वाले कुछ खिलाड़ी जैसे सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड, ग्लेन मैक्सवेल, लेग स्पिनर एडम ज़म्पा और पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ शामिल हैं. इसके अलावा आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले मार्कस स्टोइनिस, नाथन एलिस, टिम डेविड जैसे खिलाड़ी भी ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल हैं. अपने प्रमुख तेज गेंदबाजों की अनुपस्थिति के बावजूद मैथ्यू वेड की अगुवाई वाली टीम काफी मजबूत नजर आ रही है.

आओ जानें

भारत के शीर्ष 10 फुटबॉल स्टेडियमों की सूची

1. इंदिरा गांधी एथलेटिक्स स्टेडियम	गुवाहाटी
2. जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स	जमशेदपुर
3. फतोर्दा फुटबॉल स्टेडियम	गोवा
4. जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम	चेन्नई
5. श्री कांतीरावा स्टेडियम	बेंगलुरु
6. श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स	पुणे
7. जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम	कोच्चि
8. मुंबई फुटबॉल एरेना, फुटबॉल स्टेडियम	मुंबई
9. जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम	नई दिल्ली
10. सॉल्ट लेक स्टेडियम	कोलकाता

फील्ड अपडेट

साइकिलिंग प्रतियोगिता में 500 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

रांची । रांची के खेलगांव स्थित मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 30 नवंबर से 4 दिसंबर तक सीनियर, जूनियर, सब जूनियर नेशनल साइकिलिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया जायेगा. साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के चेयरमैन सह एशियाई साइकिलिंग कॉन्फेडरेशन के सेक्रेटरी सरदार ओंकार सिंह ने बुधवार को रांची के प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी. सरदार ओंकार सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में देशभर से 26 टीमों के 500 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे. वहीं झारखंड के 30 खिलाड़ी भी इस प्रतियोगिता में अपनी दावेदारी पेश करेंगे. सरदार ओंकार सिंह ने कहा कि रांची में जो साइकिलिंग के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर है, उनका उपयोग होना चाहिए.

हॉकी: झारखंड ने चंडीगढ़ को 2-0 से हराया

रांची । तमिलनाडु में 17 से 28 नवंबर तक आयोजित हॉकी इंडिया सीनियर राष्ट्रीय पुरुष हॉकी चैंपियनशिप 2023 में झारखंड पुरुष हॉकी टीम ने बुधवार को दूसरे मैच में हॉकी चंडीगढ़ को 2-0 से पराजित कर लगातार दूसरी जीत दर्ज की. झारखंड टीम की ओर से प्रेम केरकेट्टा और अनुरोध भेंगरा एक एक गोल किए. इससे पूर्व झारखंड ने अपने पहले मैच में हॉकी आंध्रप्रदेश को 10-3 से हराया था. झारखंड टीम की लगातार दूसरी जीत पर हॉकी झारखंड और खेल विभाग के समस्त पदाधिकारियों ने बधाई दी.

लक्ष्य और श्रीकांत चाइना मास्टर्स में हारे

शेनझेन । भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और किदाम्बी श्रीकांत बुधवार यहां सत्र के अंतिम बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट चाइना मास्टर्स में हारकर बाहर हो गये. दुनिया के 17वें नंबर के खिलाड़ी सेन को चीन के सातवें वरीय शि युकी से 19-21 18-21 से हार का सामना करना पड़ा जबकि श्रीकांत (24वें नंबर के खिलाड़ी) को थाईलैंड के विश्व चैंपियन कुनलावुत विदितसवर्ण से 15-21 21-14 13-21 से पराजय मिली. श्रीकांत विश्व टूर पर लगातार तीसरी बार पहले दौर में बाहर हुए.

एशियाई पैरा तीरंदाजी में भारत ने जीते नौ पदक

बैंकॉक । विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज राकेश कुमार ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई जिसके दम पर भारत ने एशियाई पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप में बुधवार को नौ पदक जीतकर दक्षिण कोरिया जैसे दिग्गज टीम पर बढत बनाई. भारत को चार स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य पदक मिला. वहीं दक्षिण कोरिया तीन स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य जीतकर दूसरे स्थान पर रहा. हांगझोउ पैरा एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता राकेश ने पुरूषों के कंपाउंड वर्ग में इंडोनेशिया के केन एस को 145-144 से हराया. इससे पहले राकेश और सूरज सिंह ने पुरूषों के कंपाउंड वर्ग में चीनी ताइपै के पुंग हुंग वू और चिह चियांग चांग को 147-144 से हराकर टीम स्पर्धा का स्वर्ण जीता.

ब्रीफ खबरें

क्रोएशिया यूरो 2024 के लिए क्वालीफाई

वाशिंगटन । क्रोएशिया ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद आर्मेनिया को 1-0 से हराकर अगले साल जर्मनी में होने वाली यूरोपीय चैंपियनशिप (यूरो 2024) फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया. ग्रुप डी में शीर्ष पर काबिज तुर्की के बाद दूसरे स्थान पर रहकर सीधे क्वालीफाई करने के लिए क्रोएशिया को जीत की जरूरत थी. जग्रेब में खेले गए इस मैच में उसकी तरफ से महत्वपूर्ण गोल मिडफील्डर एंटे बुदिमीर ने 43वें मिनट में बोर्ना सोसा के क्रॉस पर हेडर से किया. इस ग्रुप पर एक अन्य मैच में तुर्की ने वेल्स को 1-1 से बराबरी पर रोका. वेल्स को भी इस मैच में जीत की जरूरत थी .

डेविस कप के सेफा में पहुंचा फिनलैंड

मलागा (स्पेन) । फिनलैंड ने पिछली बार के चैंपियन और दुनिया की नंबर एक टीम कनाडा को हराकर पहली बार डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया. दक्षिणी स्पेन के शहर में खेली जा रही प्रतियोगिता के पहले क्वार्टर फाइनल में ओटो वर्टेनन और हैरी हेलियोवारा ने निर्णायक युगल मैच में एलेक्सिस गैलारन्यू और वासेक पोस्पिसिल को 7-5, 6-3 से हराकर 14वीं रैंकिंग वाले फिनलैंड को जीत दिलाई. वर्टेनन ने दूसरे एकल मैच में गैब्रियल डायलो को 6-4, 7-5 से हराकर फिनलैंड की उम्मीदों को जीवंत रखा था. इससे पहले मिलोस राओनिच ने पैट्रिक कौकोवल्टा पर 6-3, 7-5 से जीत के साथ कनाडा को शुरुआती बढ़त दिलाई थी.

केकेआर से जुड़े गंभीर, लखनऊ का मेंटर पद छोड़ा

भाषा । लखनऊ

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मेंटर (मार्गदर्शक) पद से इस्तीफा दे दिया है और अब वह इसी पद पर अपनी पुरानी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से जुड़ गये हैं. केकेआर ने गंभीर की कप्तानी में ही 2012 और 2014 में आईपीएल का खिताब जीता था. गंभीर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बुधवार को डाली गयी पोस्ट में कहा कि मैं लखनऊ सुपरजायंट्स के

साथ अपने शानदार सफर के अंत की घोषणा करता हूं. मैं सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, सहयोगी स्टाफ और हर उस व्यक्ति का बेहद शुक्रगुजार हूं जिसने इस सफर को यादगार बनाया. वर्ष 2022 में लखनऊ सुपर जायंट्स से बतौर मार्गदर्शक जुड़े गंभीर ने एक अन्य पोस्ट में अब कोलकाता नाइट राइडर्स से जुड़ने का भी ऐलान किया.

केकेआर ने अपने आधिकारिक हैंडल पर इसकी पुष्टि की है. केकेआर ने 'एक्स' पर लिखा कि घर में आपका स्वागत है, मेंटर गौतम गंभीर. टीम ने अपने आधिकारिक वेब पेज पर की गयी पोस्ट में कहा कि केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने (22 नवंबर) घोषणा की कि गौतम गंभीर केकेआर में मेंटर के रूप में लौटेंगे और मुख्य कोच चंद्रकांत पंडित के साथ मिलकर काम करेंगे. वर्ष 2011-17 तक गंभीर का केकेआर के साथ पिछला जुड़ाव ऐतिहासिक था.

लखनऊ के लिए पड्डिकल व राजस्थान के लिए खेलेंगे आवेश

भारतीय तेज गेंदबाज आवेश खान अगले साल आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिये खेलेंगे जबकि उनकी पूर्व टीम लखनऊ सुपर जाइंट्स ने उनकी जगह रॉयल्स के देवदत्त पड्डिकल को खरीदा है. आवेश गुरुवार से विशाखापत्तनम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रही टी-20 शृंखला में भारतीय टीम का हिस्सा हैं. वह आईपीएल में अब तक 47 मैचों में 55 विकेट ले चुके हैं.

राष्ट्रीय पेंचक सिलाट प्रतियोगिता आज से

रांची । 11वीं प्री टीन, प्री जूनियर, जूनियर (महिला, पुरुष) राष्ट्रीय पेंचक सिलाट प्रतियोगिता का आयोजन पटना के पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में गुरुवार से शुरू होगा. इस प्रतियोगिता का आयोजन इंडियन पेंचक सिलाट महासंघ कि देख रेख में बिहार पेंचक सिलाट संघ के द्वारा किया जा रहा है. इस प्रतियोगिता के लिए झारखंड के कई जिलों से महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों का चयन किया गया है. रांची की टीम में अभ्युदय राणा, शुभम कुमार, प्रत्युष राज, राज कुमार, कंचन कुमारी, आस्था, शाद कौशर, मोनिका कुमारी समेत अन्य खिलाड़ी शामिल हैं.

फुटबॉल लियोनल मेस्सी को देखने के लिए ब्राजील के मकराना स्टेडियम में पहुंचे हजारों लोग, किया स्वागत

अर्जेंटीना ने विश्व कप क्वालीफाइंग मैच में ब्राजील को 1-0 से हराया

- विश्व कप क्वालीफाइंग में घरेलू मैदान में पहली बार हारा ब्राजील
- क्वालिफाइंग में 15 अंक के साथ शीर्ष पर है अर्जेंटीना

भाषा । रियो डी जेनेरियो

विश्व चैंपियन अर्जेंटीना ने निकोलस ओटामेंडी के गोल की मदद से विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वालीफाइंग मैच में अपने चिर प्रतिद्वंदी ब्राजील को 1-0 से हराया. मकराना स्टेडियम में हजारों दर्शक लियोनेल मेसी को संभवतः ब्राजील में आखिरी बार खेलते हुए देखने के लिए पहुंचे थे लेकिन वह ओटामेंडी थे जिनके 63वें मिनट में किए गए गोल ने मैच का परिणाम तय किया. ब्राजील की यह विश्व कप क्वालीफाइंग में अपने घरेलू मैदान

पर पहली हार है. राउंड रोबिन आधार पर खेली जा रही इस प्रतियोगिता में ब्राजील की यह लगातार तीसरी पराजय है जो नए कोच फर्नांडो डिनिज़ के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं. मेसी जब 78वें मिनट में मैदान छोड़कर बाहर निकले तो ब्राजील के प्रशंसकों ने भी तालियां बजाकर उनका स्वागत किया. मकराना स्टेडियम में कई ऐसे बच्चे पहुंचे थे जिन्होंने बार्सिलोना की जर्सी पहन रखी थी. मेसी लंबे समय तक बार्सिलोना के लिए खेलते रहे लेकिन वह वर्तमान में अमेरिका के क्लब इंटर मियामी की तरफ से खेल रहे हैं. अर्जेंटीना 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग प्रतियोगिता में छह मैच में 15 अंक लेकर शीर्ष पर है.

दर्शकों के बीच झगड़े के कारण देर से शुरू हुआ खेल

मैच शुरू होने से ठीक पहले राष्ट्रीय गान के बाद दर्शक एक दूसरे से भिड़ गए जिसके कारण मैच निर्धारित समय से 27 मिनट देर से शुरू हुआ. इस बीच अर्जेंटीना की टीम 22 मिनट तक लाकर रूम में रही. रियो पुलिस ने कहा कि उसने इस झगड़े के लिए जिम्मेदार आठ लोगों को गिरफ्तार किया है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी से बचाव कार्यों के बारे में ली जानकारी

सिलक्यारा सुरंग में फिर से शुरू की गई ड्रिलिंग

भाषा। उत्तरकाशी

निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग में 10 दिन से अधिक समय से फंसे 41 श्रमिकों को बाहर निकालने का रास्ता तैयार करने के लिए अमेरिकी ऑगर मशीन से ड्रिलिंग फिर शुरू होने से बचाव अभियान में तेजी आ गयी है और लगातार स्थिति पर नजर रख रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बचाव कार्यों के बारे में जानकारी ली.

अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि अमेरिकी ऑगर मशीन से मंगलवार देर रात फिर से ड्रिलिंग शुरू कर दी गयी और अब तक मलबे के 40 मीटर अंदर तक पाइप

सुरंग से श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए राहत व बचाव कार्य जारी है.

डाले जा चुके हैं. ऑगर मशीन के शुक्रवार दोपहर को किसी कठोर सतह से टकराने के बाद उससे ड्रिलिंग रोक दी गयी थी. अधिकारियों ने बताया कि अब मलबे के अंदर 900 मिमी की जगह 800 मिमी व्यास के पाइप डाले जा रहे हैं और दोबारा ड्रिलिंग शुरू होने के बाद से अब तक छह मीटर लंबे तीन और पाइप डाले जा चुके हैं. उन्होंने बताया कि इस तरह अब तक मलबे के 40 मीटर अंदर तक पाइप जा चुके हैं. सुरंग में ड्रिलिंग फिर शुरू होने से बचाव प्रयासों में तेजी आ गयी है.

सुरंग के अंदर 53 मीटर मलबा भेदा जाना बाकी

बताया जा रहा है कि सुरंग के अंदर 53 मीटर तक मलबा है जिसे भेदा जाना है. उत्तरकाशी जिले में चारधाम यात्रा मार्ग पर निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग का एक हिस्सा 12 नवंबर को ढह गया था जिससे मलबे के दूसरी ओर श्रमिक फंस गए, जिन्हें निकालने के लिए युद्धस्तर पर बचाव अभियान चलाया जा रहा है. बचावकर्मियों को सोमवार को 53 मीटर लंबी छह इंच की पाइपलाइन को मलबे के आरपार डालने में सफलता मिली थी जिसके जरिए ज्यादा भोजन सामग्री श्रमिकों तक पहुंचाई जा रही है.

पीएम का मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है: धामी

प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बात कर सिलक्यारा में चल रहे बचाव कार्यों की जानकारी ली. सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा करते हुए धामी ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री को केंद्रीय एजेंसियों, अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों एवं प्रदेश प्रशासन के परस्पर समन्वय के साथ संचालित बचाव कार्यों से अवगत कराया और उन्हें गत 24 घंटों में हुई सकारात्मक प्रगति और श्रमिकों और उनके परिजनों की बातचीत से बढ़े मनोबल की भी जानकारी दी.

कश्मीर में शीतलहर शुरू, तापमान शून्य से 3.3 डिग्री नीचे दर्ज

श्रीनगर। समूचे जम्मू-कश्मीर में पारा जमाव बिंदु के नीचे बना रहा और श्रीनगर शहर में रात में इस मौसम का सबसे कम तापमान दर्ज किया गया. अधिकारियों ने यहां बुधवार को यह जानकारी दी. सुबह के समय घाटी में कोहरा छाया रहा, जिससे श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए हवाई यातायात बाधित हुआ. तापमान बढ़ने से कोहरा छंटने के कारण जल्द उड़ानों का सामान्य संचालन शुरू हो गया. घाटी में शीतलहर की स्थिति बढ़ने से सुबह घने कोहरे की चादर छाई रही. अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में बीती रात को न्यूनतम तापमान शून्य से 1.8 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो इस मौसम में अब तक का सबसे कम तापमान है.

आओ जानें

शराब पीने की कानूनी उम्र (न्यूनतम)

मध्य अफ्रीकी गणराज्य	15	जापान	20
माली	15	थाईलैंड	20
ऑस्ट्रिया	16	उज़्बेकिस्तान	20
बेल्जियम	16	बहरीन	21
जर्मनी	16	मिस्र	21
लक्ज़मबर्ग	16	इंडोनेशिया	21
स्विट्ज़रलैंड	16	संयुक्त राज्य अमेरिका	21
माल्टा	17	इरिट्रिया	25
अर्जेंटीना	18	अफगानिस्तान	अवैध
ऑस्ट्रेलिया	18	ईरान	अवैध
ब्राज़ील	18	कुवैत	अवैध
फ्रांस	18	लीबिया	अवैध
नाइजीरिया	18	मालदीव	अवैध
रूस	18	पाकिस्तान	अवैध
तुर्किये	18	सऊदी अरब	अवैध
यूनाइटेड किंगडम	18	सोमालिया	अवैध
वियतनाम	18	बुर्किना फासो	कोई आयु सीमा नहीं
कनाडा	18-19	गिनी-बिसाऊ	कोई आयु सीमा नहीं
संयुक्त अरब अमीरात	8-21 (या अवैध)	तिमोर-लेस्ते	कोई आयु सीमा नहीं
भारत	18-21 (या अवैध)	टोगो	कोई आयु सीमा नहीं
कतर	19	प. सहारा	कोई आयु सीमा नहीं
दक्षिण कोरिया	19		
आइसलैंड	20		

बंधकों की रिहाई हमारी शीर्ष प्राथमिकता, लक्ष्य हासिल होने तक युद्ध जारी रहेगा : नेतन्याहू

इजराइल-हमास युद्ध में अस्थायी विराम!

भाषा। तेल अवीव

इजराइल और हमास बुधवार को चार दिन के अस्थायी युद्ध विराम पर सहमत हो गए जिससे 150 फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले गाजा में चरमपंथी समूह द्वारा बंधक बनाए गए 50 लोगों की रिहाई होगी और क्षेत्र में मानवीय सहायता आपूर्ति की अनुमति मिलेगी. समझौता लागू होने पर यह पहली बड़ी कूटनीतिक जीत होगी और सात अक्टूबर को इजराइल पर हमास के हमले के बाद से शुरू हुए युद्ध में विराम लगेगा. यह घोषणा इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की उस टिप्पणी के बीच आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि हमारे सभी लक्ष्य हासिल होने तक युद्ध जारी रहेगा. तेल अवीव में करीब छह घंटे चली बैठक बुधवार को सुबह खत्म हुई. बैठक के बाद इजराइल कैबिनेट ने कतर, मिस्र और अमेरिका की मध्यस्थता वाले समझौते को तीन के मुकाबले 35 वोट से मंजूरी दी. कैबिनेट की बैठक से पहले युद्ध कैबिनेट और सुरक्षा कैबिनेट की बैठक हुई. प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि गाजा में बंधक बनाई गईं 50 महिलाओं और बच्चों को चार दिनों में रिहा किया जाएगा, इस दौरान युद्ध विराम रहेगा.

बंधकों की रिहाई पर युद्ध विराम बढ़ा दिया जाएगा: बयान में कहा गया है कि हर 10 अतिरिक्त बंधकों की रिहाई पर युद्ध विराम अगले दिन के लिए बढ़ा दिया जाएगा. हालांकि इसमें रिहा किए जाने वाले फिलिस्तीनी कैदियों की संख्या का जिक्र नहीं है. सरकार की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, इजराइल की सरकार सभी बंधकों की घर वापसी के लिए प्रतिबद्ध है. आज रात सरकार ने इस लक्ष्य को प्राप्त करने के पहले चरण की रूपरेखा को मंजूरी दे दी, जिसके अनुसार कम से कम 50 बंधकों (महिलाओं और बच्चों) को इस दौरान युद्ध में विराम रहेगा. प्रत्येक 10 अतिरिक्त बंधकों की रिहाई के परिणामस्वरूप एक और दिन की राहत मिलेगी. अंतिम मंजूरी के बाद अगले 24 घंटे तक समझौते को लागू इजराइल का कानून जनता को किसी समझौते के खिलाफ उच्चतम न्यायालय जाने की अनुमति देता है.

गाजा में मानवीय सहायता की आपूर्ति बढ़ेगी : बयान के अनुसार, पकड़े गए फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले में हमास द्वारा कब्जे में लिए गए 50 बंधकों की रिहाई होगी. दोनों पक्षों द्वारा रिहा किए जाने वालों में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं. बाद के चरणों में रिहा किए जाने वाले बंधकों की संख्या बढ़ सकती है. बयान के मुताबिक, इस समझौते से गाजा में मानवीय सहायता की आपूर्ति भी बढ़ेगी और युद्धविराम से बड़ी संख्या में मानवीय सहायता एवं राहत सामग्री आपूर्ति वाहनों के काफिलों को जाने की अनुमति मिल जाएगी जिनमें ईंधन की आपूर्ति भी शामिल है.

तुलकेरेम शहर में इजरायली सेना ने एक छापे के दौरान पांच आतंकवादी को मार डाला. -फोटो : पीटीआई

कतर ने की अस्थायी युद्ध विराम के लिए समझौते की पुष्टि

कतर की राजधानी दोहा हमास के मुख्यालय के रूप में काम करती है. कतर ने इजराइल और हमास के बीच अस्थायी युद्ध विराम के लिए समझौते की पुष्टि की है और कहा है कि युद्ध विराम कब से लागू होगा इसकी घोषणा अगले 24 घंटे में होगी. युद्ध विराम चार दिनों का होगा. बुधवार को सुबह कतर के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में इसकी घोषणा की गई और इसे मिस्र, अमेरिका और कतर द्वारा 'मानवीय संघर्ष विराम' के लिए की गई मध्यस्थता की वार्ता का नतीजा बताया. बयान में कहा गया है, युद्धविराम कब से लागू होगा, इसकी घोषणा अगले 24 घंटे में होगी. युद्धविराम चार दिन का होगा. इसमें विस्तार की भी संभावना है.

खास बातें

- प्रथम चरण में 150 फिलिस्तीनी कैदियों की होगी रिहाई
- चरमपंथी समूह द्वारा बंधक बनाए 50 इजराइली की भी होगी रिहाई

300 फिलिस्तीनी कैदियों की सूची जारी

स्थानीय मीडिया का अनुमान है कि बंधकों की रिहाई का पहला चरण गुरुवार को सुबह हो सकता है. इजराइल ने 300 फिलिस्तीनियों की सूची जारी की है जिन्हें इजराइल और हमास के इस समझौते के तहत रिहा किया जा सकता है. यह सूची इजराइल के न्याय मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है. सूची में शामिल लोगों के नाम, उम्र और अपराध का जिक्र है. पहले चरण में सिर्फ 150 कैदियों की रिहाई की संभावना है.

सारे लक्ष्य हासिल होने तक युद्ध जारी रहेगा

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि हमास को खत्म करने, सभी बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने और इजराइल की सुरक्षा को गाजा से कोई खतरा नहीं होने की पुष्टि समेत सारे लक्ष्य हासिल होने तक युद्ध जारी रहेगा. हम युद्ध कर रहे हैं और सारे लक्ष्य हासिल होने तक युद्ध जारी रहेगा. उन्होंने कहा कि बंधकों की रिहाई हमारी शीर्ष प्राथमिकता है और इसे लेकर हम प्रतिबद्ध हैं. नेतन्याहू ने कहा कि हमारे सामने मुश्किल लेकिन सही फैसला है. उन्होंने कहा कि जब तक हर व्यक्ति देश नहीं लौटता, तब तक हम चैन से नहीं बैठेंगे. युद्ध के कई चरण हैं और बंधकों की वापसी भी चरणबद्ध होगी.

बंधकों में कई अमेरिकियों के होने की संभावना

अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि हमास द्वारा रिहा किए जाने बंधकों में कई अमेरिकी नागरिकों के भी होने की संभावना है. अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक बयान में कहा कि मैं कतर के शेख तमिम बिन हमद अल-थानी और मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी के अहम नेतृत्व और इस समझौते पर पहुंचने में उनकी भागीदारी के लिए उनका शुक्रिया अदा करता हूं. मैं प्रधानमंत्री नेतन्याहू और उनकी सरकार की उस प्रतिबद्धता की सराहना करता हूं, जिन्होंने इस समझौते को पूरी तरह से लागू किया और गाजा में फिलिस्तीनियों के लिए अतिरिक्त मानवीय सहायता के प्रावधान सुनिश्चित करने के वास्ते एक विस्तारित विराम का समर्थन किया.

अमेरिका ने हिज्बुल्ला के दो ठिकानों पर किए हवाई हमले

वाशिंगटन। गाजा में हमास के खिलाफ इजराइल के अभियानों के साथ-साथ अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाने के जवाब में अमेरिका के लड़ाकू विमानों ने इराक में हिज्बुल्ला के दो ठिकानों पर हवाई हमला किया. दो रक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि मंगलवार को हिज्बुल्ला की ओर से अमेरिकी सैनिकों पर कम दूरी की बैलस्टिक मिसाइल दागी गई. अधिकारियों ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने मंगलवार को बगदाद के दक्षिण में अल अनबर और जुरफ अल सकर के पास दो कताइब हिज्बुल्ला संचालन केंद्रों पर हमला किया. जिस समय हमला किया गया, दोनों जगहों पर कताइब हिज्बुल्ला के जवान वहां मौजूद थे, लेकिन अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि नहीं की है कि हमले में कोई मारा गया है या नहीं.

गाजा की शांति में ब्रिक्स की अहम भूमिका : रामफोसा

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने ब्रिक्स समूह के देशों से इजराइल एवं हमास के बीच न्यायसंगत और स्थायी शांति लाने के लिए एकजुट होकर प्रयास करने का आह्वान किया है. रामफोसा ने मंगलवार को पश्चिम एशिया की स्थिति पर ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) नेताओं और आमंत्रित ब्रिक्स सदस्यों की एक ऑनलाइन विशेष संयुक्त बैठक को संबोधित किया. उन्होंने फिलिस्तीन में 'संयुक्त राष्ट्र रैपिड डिप्लॉयमेंट फोर्स' की तैनाती का भी प्रस्ताव रखा, जिसका उद्देश्य शत्रुता की समाप्ति की निगरानी करना और नागरिकों की सुरक्षा के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के समर्थन से फिलिस्तीनियों और इजराइलियों के नेतृत्व एवं स्वामित्व वाली व्यापक बातचीत करना शामिल है.

नैतिक शिक्षा समाज में सकारात्मक बदलाव लाती है : राष्ट्रपति मुर्मू

भाषा। संबलपुर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि नैतिक शिक्षा जीवन निर्माण में मदद करती है और समाज में सकारात्मक बदलाव लाती है. ओडिशा की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के समापन पर मुर्मू ने संबलपुर में ब्रह्माकुमारी के शिक्षा अभियान 'न्यू एजुकेशन फॉर न्यू इंडिया' की शुरुआत करते हुए यह बात कही.

राष्ट्रपति ने कहा कि नैतिक शिक्षा हमें करुणा, दया, मित्रता और भाईचारे के जीवन मूल्यों से अवगत कराती है. उन्होंने कहा कि इस अभियान की परिकल्पना मूल्यों को विकसित करने और छात्रों की चेतना के उत्थान के लिए की गई है. उन्होंने कहा कि समाज निर्माण में शिक्षा ने सदैव महत्वपूर्ण एवं परिवर्तनकारी भूमिका निभाई है. मुर्मू ने कहा कि सेवा, समानता और सहानुभूति जैसे नैतिक और मानवीय मूल्य हमारी संस्कृति की बुनियाद हैं और युवाओं को इन आदर्शों से परिचित होना चाहिए. मुर्मू ने युवा पीढ़ी को अपने बुजुर्ग माता-पिता और समाज के वंचित वर्ग के लोगों की देखभाल करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा के माध्यम से बच्चों के मन में इन मूल्यों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण पैदा किया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि करुणा, दयालुता, मित्रता और भाईचारे जैसे गुणों वाले व्यक्ति में सकारात्मक परिवर्तन आ सकते हैं. किसी व्यक्ति में सकारात्मक परिवर्तन से एक बेहतर समाज बन सकता है.

कांग्रेस ने हमेशा तुष्टिकरण की राजनीति की : अमित शाह

भाषा। जयपुर

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए बुधवार को कहा कि उसने हमेशा तुष्टिकरण की राजनीति की और राजस्थान के 40 लाख युवाओं के साथ छल किया. विधानसभा चुनाव प्रचार के तहत केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पाली के जैतारण में एक जनसभा में कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा तुष्टिकरण की राजनीति की, वहीं भाजपा ने डरे बगैर भारतीय संस्कृति का सम्मान किया. सत्ता में आने पर प्रदेश के विकास को प्राथमिकता देने का वादा करने के साथ ही शाह ने आरोप लगाया कि राज्य की अशोक गहलोत सरकार ने भ्रष्टाचार के सारे रिकार्ड तोड़ दिये हैं. उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार ने राजस्थान के 40 लाख युवाओं के साथ छल किया है. राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए 25 नवंबर को मतदान होना है जबकि वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी.

ब्रीफ खबरें

कनाडाई नागरिकों के लिए ई-वीजा सेवा बहाल

नई दिल्ली। भारत ने करीब दो महीने के विराम के बाद कनाडाई नागरिकों के लिए इलेक्ट्रॉनिक वीजा सेवा बहाल कर दी है. सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी. सितंबर महीने में भारत और कनाडा के रिश्तों में उस समय तनाव पैदा हो गया था जब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने ब्रिटिश कोलंबिया में 18 जून को खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता का आरोप लगाया था. भारत ने 2020 में निज्जर को आतंकवादी घोषित किया था.

फेफड़ा लेकर चेन्नई जा रही एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त

पुणे। पुणे के पास एक अस्पताल से फेफड़ों को ले जा रही एक एंबुलेंस शहर के हवाई अड्डे के रास्ते में दुर्घटनाग्रस्त हो गई. हालांकि, एक सर्जन और उनकी टीम की सुझबुझ से चेन्नई में एक मरीज की जान बच गई, जहां कुछ घंटों बाद फेफड़े का सफलतापूर्वक प्रत्यारोपण किया गया. यह घटना सोमवार को पुणे के पास पिंपरी चिंचवड़ उपनगर में हुई. जाने-माने हृदय और फेफड़े के प्रत्यारोपण सर्जन डॉ. संजीव जाधव और उनकी मेडिकल टीम ने कहा कि दुर्घटना में उन्हें चोटें आईं, लेकिन उन्होंने चेन्नई में 26 वर्षीय मरीज के फेफड़े का सफलतापूर्वक प्रत्यारोपण किया.

वैज्ञानिकों ने 'म्यूजिक फ्रॉग' की नयी प्रजाति का पता लगाया

भाषा। ईटानगर

वैज्ञानिकों ने अरुणाचल प्रदेश में 'म्यूजिक फ्रॉग' की नयी प्रजाति का पता लगाया है. वैज्ञानिकों ने 15 नवंबर को पत्रिका 'जूटाक्सा' में प्रकाशित लेख में दावा किया है कि नया मेंढक निदिराना जाति का है. उनके अनुसार, यह नयी प्रजाति रूपात्मक, आणविक और ध्वनिक साक्ष्यों के आधार पर हुए बदलावों के बारे में बताती है. वैज्ञानिक बिटुपन बरुआ, वी दीपक और अभिजीत दास ने पिछले वर्ष अगस्त से सितंबर के बीच इस पूर्वोत्तर राज्य के चांगलांग और लोहित जिलों में क्षेत्रीय सर्वेक्षण किया था. लेख के अनुसार, इस प्रजाति को 'निदिराना नोआदिहिंग' भी कहा जाता है. नई प्रजाति का नाम नोआ-दिहिंग नदी के नाम पर रखा गया है, जो उस स्थान के निकट है.

खास बातें

- इस प्रजाति का नाम 'निदिराना नोआदिहिंग' है
- लेख के अनुसार नया मेंढक निदिराना जाति का है

आतंकी मुठभेड़ में सेना के दो अफसर समेत 3 शहीद

राजौरी/जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में आज सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई. इस दौरान सेना के दो कैप्टन समेत तीन जवान शहीद हो गए. जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक बुधवार सुबह 9 बजे सेना को आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी. इसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया. एनकाउंटर में सेना के 2 कैप्टन समेत एक जवान शहीद हो गए हैं. जबकि एक जवान गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें इलाज के लिए उधमपुर ले जाया गया है. अधिकारियों ने बताया कि जैसे ही सेना आतंकियों के नजदीक पहुंची, वैसे ही आतंकियों ने सेना पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू हो गई.

मानवाधिकार के क्षेत्र में काम करने वाले ह्यूमन राइट्स वॉच ने रिपोर्ट में दी विस्तार जानकारी

चीन कई क्षेत्रों की मस्जिदों को कर रहा बंद

भाषा। हांगकांग

मानवाधिकारों के क्षेत्र में काम करने वाले एक अंतरराष्ट्रीय संगठन ने बुधवार को जारी अपनी रिपोर्ट में कहा कि चीन शिंजियांग के अलावा भी अन्य क्षेत्रों में मस्जिदों को बंद करने की कार्रवाई कर रहा है. मानवाधिकार के क्षेत्र में काम करने वाले 'ह्यूमन राइट्स वॉच' ने अपनी रिपोर्ट में मस्जिदों को बंद किए जाने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी है. रिपोर्ट में कहा गया कि अधिकारियों ने उत्तरी निंशिआ और गांसू प्रांत में मस्जिदें बंद की हैं. इन इलाकों में 'हुई मुसलमानों' की बहुलता है. स्थानीय अधिकारी मस्जिदों की वास्तुकला शैलियों को भी खत्म कर रहे हैं ताकि वह चीन की तरह प्रतीत हों. दरअसल सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी धर्म पर नियंत्रण मजबूत करने और उसके शासन के लिए जोखिम कम करना चाहती है.

शिनजिंयाग में एक बंद पड़ी मस्जिद के बाहर से गुजरते लोग.

चीन ने मानवता के खिलाफ अपराध किए हैं

चीन के राष्ट्रपति शी ने 2016 में धर्मों को चीन के अनुरूप करने का आह्वान किया था और इसके साथ ही शिंजियांग में शिकंजा कसने की कार्रवाई शुरू की थी. उस इलाके में एक करोड़ 10 लाख से अधिक उइगर मुसलमान अल्पसंख्यक रहते हैं. संयुक्त राष्ट्र की पिछली एक रिपोर्ट में कहा गया था कि चीन ने शिंजियांग में 'मानवता के खिलाफ अपराध' किए हैं. कहा जाता है कि चीन ने इन शिविरों में दस लाख उइगर, हुई, कजाख और किर्गिज लोगों को रखा है.

प्रसिद्ध मलयालम उपन्यासकार पी वलसला का निधन

कोझिकोड। प्रख्यात मलयालम उपन्यासकार पी वलसला का यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया. पारिवारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी. वलसला की उम्र 85 वर्ष थी. उन्हें मंगलवार की रात दिल का दौरा पड़ा था. राज्य की प्रमुख लेखिकाओं में से एक वलसला को, केरल साहित्य अकादमी अवार्ड समेत कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा गया था. 'नेल्लु', 'अग्नायम' और 'वेनल' उनके कुछ प्रमुख उपन्यास हैं. उनकी रचनाएं कई बार पुनर्मुद्रित हुईं. ज्ञात हो कि पी वलसला अपनी विशिष्ट लेखन शैली के लिए जानी जाती थीं.

आरोप — नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र की संपत्ति जब्त किए जाने पर भाजपा ने किया कांग्रेस पर पलटवार, कहा-

गांधी परिवार को अपने सभी पापों की कीमत चुकानी होगी

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र और इससे जुड़ी कपनियों की संपत्ति जब्त किए जाने की निंदा करने को लेकर बुधवार को कांग्रेस पर पलटवार किया और कहा कि गांधी परिवार को अपने पापों की कीमत चुकानी होगी. यहां भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने गांधी परिवार पर नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों पर कब्जा करने का आरोप लगाया. प्रकाशन का एक ऑनलाइन संस्करण, हालांकि उपलब्ध है. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा मंगलवार को नेशनल हेराल्ड की संपत्ति

कुर्क किए जाने के बाद कांग्रेस ने इस कार्रवाई को 'प्रतिशोध का तुच्छ हथकंडा' करार दिया था और केंद्रीय जांच एजेंसी को भाजपा का 'गठबंधन साझेदार' बताया था. कांग्रेस की यह टिप्पणी उस वक्त आई जब ईडी ने मंगलवार को कहा कि उसने कांग्रेस पार्टी द्वारा प्रवर्तित नेशनल हेराल्ड समाचारपत्र और इससे जुड़ी कंपनियों के खिलाफ धनशोधन की अपनी जांच के तहत करीब 752 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्ति और 'इक्विटी' हिस्सेदारी (शेयर) जब्त की है.

क्या है नेशनल हेराल्ड मामला? : नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र आजादी के पहले का अखबार है. इस अखबार की शुरुआत इंदिरा गांधी के पिता और देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने 1938 में की थी. नेशनल हेराल्ड का प्रकाशन एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड नाम की कंपनी करती थी. इस कंपनी की स्थापना 1937 में की गई थी और नेहरू के अलावा 5000 स्वतंत्रता सेनानी इसके शेयर होल्डर्स थे. ये कंपनी दो और दैनिक समाचार पत्रों का प्रकाशन करती थी. उर्दू में कौमी आवाज और हिन्दी में नवजीवन. यह कंपनी किसी एक व्यक्ति के नाम पर नहीं थी. साल 2008 में कांग्रेस की अगुवाई में जब यूपीए सत्ता में थी तो अखबार का प्रकाशन एक बार फिर बंद कर दिया गया. वजह बताया गया कि कंपनी वित्तीय घाटे में है और अखबार संचालन के खर्चे नहीं उठा पा रही है. 2010 में इस कंपनी के 1057 शेयर होल्डर्स थे. 2011 में घाटे में चल रही इस कंपनी के होल्डिंग यंग इंडिया लिमिटेड को ट्रांसफर कर दिए गए.

यंग इंडिया लिमिटेड कंपनी की एंट्री

यंग इंडिया लिमिटेड (वाईआईएल) एक कंपनी है. इसकी शुरुआत साल 2010 में हुई. राहुल गांधी तब समय कांग्रेस महासचिव थे और वही इस कंपनी के डायरेक्टर भी बने थे. इस कंपनी की स्थापना 5 लाख रुपये से की गई थी. इस कंपनी का 38 फीसदी शेयर राहुल गांधी के पास, 38 फीसदी शेयर उनकी मां सोनिया गांधी के पास थे. बाकी के 24 फीसदी शेयर कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा, ऑस्कर फर्नांडीज, पत्रकार सुमन दुबे, और कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा के पास थे.

सुब्रह्मण्यम स्वामी का आरोप

साल 2012 में बीजेपी नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी ने निचली अदालत में एक शिकायत दर्ज करवाई. उन्होंने आरोप लगाया कि यंग इंडिया लिमिटेड द्वारा एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड के अधिग्रहण में धोखाधड़ी विश्वासघात किया गया. इसमें कांग्रेस के कुछ नेता शामिल थे. स्वामी का आरोप था कि वाईआईएल ने नेशनल हेराल्ड की संपत्ति पर गलत तरीके से कब्जा किया था.

सत्ता का सेमीफाइनल

डूंगरपुर के सागवाड़ा स्थित राजकीय भीखा भाई महाविद्यालय में हुई चुनावी जनसभा

राजस्थान में अब कभी नहीं बनेगी गहलोत की सरकार : पीएम मोदी

शुभम संदेश नेटवर्क। जयपुर

राजस्थान विधानसभा चुनाव के प्रचार में सिर्फ दो दिन का समय शेष है. बुधवार और गुरुवार शाम 23 नवंबर को प्रचार खत्म हो जाएग. विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार 25 नवंबर को वोटिंग है. प्रचार खत्म होने के बाद उम्मीदवार सिर्फ घर-घर जाकर मतदाता से वोट मांग सकेंगें. राजस्थान में पीएम नरेंद्र मोदी ने डूंगरपुर जिले के सागवाड़ा स्थित राजकीय भीखा भाई महाविद्यालय में चुनावी जनसभा को संबोधित किया. पीएम मोदी ने कहा, आज मैं एक भविष्यवाणी करना चाहता हूं कि इस बार तो नहीं अब राजस्थान में कभी भी नहीं अशोक गहलोत की सरकार बनेगी. ये मावजी महाराज की धरती से बोले गए शब्द कभी गलत नहीं होते हैं.

कांग्रेस का सूपड़ा साफ करो

पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस का सूपड़ा साफ करो और राजस्थान से अत्याचार, भ्रष्टाचार से मुक्त करो. कांग्रेस सरकार की विदाई इसलिए भी जरूरी है ताकि यहां केन्द्र की हर योजना तेजी से लागू हो.

मोदी की गारंटी कांग्रेस के हर झूठे वादों पर भारी

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, मोदी की गारंटी कांग्रेस के हर झूठे वादों पर भारी है. जहां कांग्रेस से उम्मीद खत्म होती है, वहां से मोदी की गारंटी शुरू होती है. कांग्रेस ने दशकों के अपने शासन काल में जो सोचा तक नहीं, वो बीते 10 साल में आपके सेवक ने देशवासियों के चरणों में समर्पित कर दिया. किसी ने कल्पना नहीं की थी कि देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिलेगा.

लाल डायरी में कांग्रेस की काली सच्चाई

डूंगरपुर के सागवाड़ा में विशाल जनसभा को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, कांग्रेस के पाले हुए पेपर लीक माफिया ने राजस्थान के युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है. आज कांग्रेस के नेताओं के घर से छापे में जो निकल रहा है, लॉकर से सोने की ईंटें निकल रही हैं, काले कारनामों की लाल डायरी..ये लाल डायरी के जो पन्ने खुल रहे हैं उसमें कांग्रेस की काली सच्चाई है.

हैरान करते हैं ज्यादा वोटिंग के आंकड़े

छत्तीसगढ़ में इस बार बदलेगी सत्ता या रिपीट होगी सरकार?

एजेंसी। रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में शुक्रवार को 70 सीट के लिए दूसरे और अंतिम चरण की वोटिंग हुई. राज्य में कुल 70.59 फीसदी मतदाताओं ने मताधिकार का इस्तेमाल किया. चुनाव आयोग के अनुसार, फाइनल आंकड़ा 75 फीसदी के करीब चला गया. प्रदेश में दूसरे चरण के मतदान के लिए 1,63,14,479 मतदाता थे. इस चरण में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, आठ मंत्रियों और चार सांसदों समेत 958 उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम में बंद हो गया. पहले फेज की 20 फीसदी सीटों पर 76 फीसदी से ज्यादा मतदान हुआ. दूसरे फेज के मतदान में संजारी बालोद सीट पर 84.07 फीसदी तथा राजधानी रायपुर की रायपुर नगर दक्षिण सीट पर सबसे कम 52.11 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया. राज्य में हुई बंपर वोटिंग के क्या सियासी मायने हैं. आइए आंकड़ों से जानते हैं...

चुनाव आंकड़ें

2018

2018 के विधानसभा चुनाव में 75.3 फीसदी मतदान हुआ था. इस दौरान राज्य में सत्ता परिवर्तन हुआ था. कांग्रेस को 43.9 फीसदी वोट शेयर के साथ 68 सीटों पर जीत मिली थी. वहीं, बीजेपी को 15 सीटें मिली थीं.

2013

2013 के विधानसभा चुनाव में राज्य में 75.3 फीसदी वोटिंग हुई थी. तब बीजेपी अपनी सरकार बचाने में कामयाब रही थी. बीजेपी को 2013 के चुनाव में 49 सीटें मिली थीं, वहीं कांग्रेस को 39 सीटें मिली थीं.

2008

2008 के विधानसभा चुनाव में राज्य में 70.6 फीसदी वोटिंग हुई थी. इस दौरान बीजेपी को 50 और कांग्रेस के खाते में 38 सीटें आई थीं. बीजेपी का वोट शेयर 40 फीसदी था, वहीं कांग्रेस का वोट शेयर 38 फीसदी था.

2003

2000 में छत्तीसगढ़ के गठन के बाद पहली बार 2003 में विधानसभा के चुनाव हुए थे. तब राज्य में 71.3 फीसदी वोटिंग हुई थी. राज्य में बीजेपी की सरकार बनी थी. बीजेपी के खाते में 50 सीटें आई थीं जबकि कांग्रेस के खाते में 37 सीटें आई थीं.

राजस्थान में वोटिंग से ठीक पहले कांग्रेस को बड़ा झटका

एजेंसी। जयपुर

राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए मतदान से सिर्फ दो दिन पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है. दरअसल, चुनाव आयोग ने कांग्रेस पार्टी के उस मिस्ड कॉल विज्ञापन पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं, जिसमें सीएम अशोक गहलोत की आवाज़ में ऑडियो संदेश प्रचारित किया जा रहा था. इस विज्ञापन में कांग्रेस पार्टी की 7 गारंटियों को मतदाताओं तक पहुंचाया जा रहा था. सीएम गहलोत के ऑडियो संदेश वाले कांग्रेस पार्टी के विज्ञापन को लेकर भाजपा ने आपत्ति जताई थी. इसे लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने चुनाव आयोग से मिल कर अपनी शिकायत दर्ज करवाई थी. इस तरह के विज्ञापनों के प्रचार को आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप भी लगाया था. अब भाजपा की इसी आपत्ति और शिकायत के बाद चुनाव आयोग भी हरकत में आया है. आयोग ने अब

ऐसे विज्ञापनों पर तुरंत प्रभाव से रोक लगाने के निर्देश दिए हैं. कांग्रेस पार्टी इस इस बारे में स्पष्टीकरण मांगा है.

आयोग से मिला था भाजपा प्रतिनिधिमंडलः केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया के नेतृत्व में भाजपा का प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग से मिला था. इसमें पूर्व केंद्रीय क़ानून मंत्री रविशंकर प्रसाद भी मौजूद रहे थे. भाजपा नेताओं ने कहा कि कांग्रेस के अखबारों और मिस्ड कॉल के ज़रिए दिए जा रहे विज्ञापन चुनाव की आदर्श आचार संहिता और प्रेस काउंसिल के दिशा निर्देशों का उल्लंघन है.

शिवराज नहीं, चुनाव खर्च में आगे रहे ये नेता

एजेंसिया। भोपाल

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में वोटिंग खत्म हो गई है. इस बार चुनाव आयोग ने कई बदलाव किए थे. उम्मीदवारों के खर्च 28 से बढ़ा कर 40 लाख रुपए कर दिए गए हैं. रिजल्ट आने के 30 दिनों के अंदर सभी उम्मीदवारों को चुनाव खर्च का हिसाब देना होता है. कुछ उम्मीदवारों ने चुनाव खर्च के हिसाब दिए हैं. कमलनाथ ने 14 नवंबर तक करीब 16 लाख खर्च किए हैं. वहीं, सीएम शिवराज सिंह चौहान ने इस तारीख तक 11 लाख रुपए से अधिक खर्च किए हैं. खर्च के मामले में दो केंद्रीय मंत्री टॉप पर हैं. दरअसल, मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों ने अपने खर्च का हिसाब दिया है.

पूर्व सीएम कमलनाथ ने 14 नवंबर तक 16 लाख 47 हजार 534 रुपए चुनाव अभियान में खर्च किए हैं. वहीं, सीएम शिवराज सिंह चौहान ने 11 लाख 66 हजार 315 रुपए का खर्च किया है.

कमलनाथ छिंदवाड़ा तो शिवराज सिंह चौहान बुधनी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं. दोनों सबसे ज्यादा खर्च वाहनों के किराए और विज्ञापन पर किए हैं.

खास बातें

- न सिर्फ शिवराज, बल्कि कमलनाथ से भी आगे रहे ये दोनों नेतागण
- कमलनाथ ने 16 लाख और शिवराज ने 11 लाख से ऊपर चुनाव खर्च किया

फग्गन सिंह कुलस्ते ने किए सबसे ज्यादा खर्च

इस बार केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते को बीजेपी ने निवास विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है. उन्होंने अभी तक चुनाव प्रचार में 18 लाख 30 हजार 587 रुपए खर्च किए हैं. फग्गन सिंह कुलस्ते का विधानसभा क्षेत्र मंडला में पड़ता है. इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल खर्च के मामले में दूसरे नबंर पर हैं. वह नरसिंहपुर विधानसभा सीट से उम्मीदवार हैं. उन्होंने 13 नवंबर तक 17 लाख 57 हजार 852 रुपए खर्च किए हैं. केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को बीजेपी ने मुरैना जिले के दिमनी विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है. 14 नवंबर तक उन्होंने 11 लाख 36 हजार 480 रुपए खर्च किए हैं. चुनाव आयोग ने पोर्टल पर इनकी जानकारी सार्वजनिक की है. गौरतलब है कि यह अंतिम खर्च नहीं हैं. चुनाव खत्म होने के बाद फाइनल रिपोर्ट सबमिट करेंगे. प्रदेश में आचार संहिता लागू होने के बाद प्रत्याशी जो भी खर्च करते हैं, वह चुनावी खर्चे में शामिल होता है. इसमें सभी तरह के खर्चे शामिल होते हैं.

'आप' के दो प्रत्याशियों ने छोड़ा मैदान, कांग्रेस को समर्थन

एजेंसी। जयपुर

अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी पिछले कई महीनों से दावा कर रही थी कि पार्टी पूरे दमखम से चुनाव मैदान में उतरेगी, लेकिन राजस्थान विधानसभा चुनावों में पार्टी का असर कहीं नजर नहीं आ रहा है. दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने जयपुर और हनुमानगढ़ में पिछले दिनों तिरंगा यात्राएं निकालीं, लेकिन चुनावी दिनों में प्रदेश में सक्रिय नजर नहीं आए. पार्टी में भी दिग्गज नेताओं की गैरमौजूदगी से आम आदमी पार्टी के लिए यह विधानसभा चुनाव महज औपचारिकता वाला नजर आ रहा है.

कुछ तो किया होगा तभी दो राज्यों में सरकारें बनीः मंगलवार 21 नवंबर को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के सीएम भगवंत मान ने सीकर जिले के नीमकाथाना विधानसभा क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में रैली की. इस रैली में केजरीवाल ने कहा कि दस साल पहले बनी यह पार्टी ईमानदारों और देशभक्तों की पार्टी है. दो राज्यों में आप की सरकार है. ऐसे में कुछ तो हमने अच्छा किया होगा. प्रदेश में करीब 80 सीटों पर आम आदमी पार्टी ने प्रत्याशी उतारे हैं लेकिन केजरीवाल की सभाएं नगण्य हैं.

मतदान से पहले दो प्रत्याशी चुनाव मैदान से हटेः जयपुर में आम आदमी पार्टी के दो प्रत्याशियों ने मतदान से पहले ही चुनाव मैदान छोड़ दिया है. हवामहल विधानसभा सीट से पप्पू कुरैशी और आदर्श नगर से उमर दराज ने कांग्रेस प्रत्याशियों को समर्थन दे दिया है. पिछले दिनों सीएम अशोक गहलोत पप्पू कुरैशी के घर पहुंचे थे. 10 मिनट बाद ही पप्पू कुरैशी ने चुनाव मैदान से हटने का ऐलान करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी आर आर तिवाड़ी को समर्थन दे दिया. मंगलवार को आदर्श नगर से उमर दराज ने भी कांग्रेस प्रत्याशी रफीक खान को अपना समर्थन देते हुए चुनाव मैदान छोड़ने की बात कह दी.

कॅरियर-काउंसिलिंग

शेफ की पढ़ाई कर संवार सकते हैं अपना सुनहरा कॅरियर

शेफ एक प्रशिक्षित प्रोफेशनल होते हैं, जो मेन्यू की योजना बनाने, भोजन तैयार करने की देखरेख, किचन के कर्मचारियों की देखरेख और अन्य संबंधित गतिविधियों को मैनेज करने वाला होता है. शेफ आमतौर पर होटल और रेस्तरां में काम करते हैं. इनके लिए रोजगार और विकास के कई अवसर उपलब्ध हैं. कुलिनरी कोर्स उन उम्मीदवारों के लिए एक आदर्श विकल्प है, जो खाने-पीने के प्रबंधन, रसोई प्रबंधन के साथ-साथ अन्य आतिथ्य और भोजन से संबंधित क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं. पिछले कुछ समय से जिस तरह से होटल एंड हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में ग्रोथ हुई है उससे शेफ के पेशेवरों की काफी डिमांड हुई है. शेफ के लिए रोजगार और विकास के बहुत से अवसर हैं. भारत के राष्ट्रीय रेस्तरां (एनआरएआई) ने बताया कि 2018-19 में लगभग 73 लाख लोग कार्यरत थे, और 2024 तक इस संख्या में 20 लाख और जुड़ जाएंगे.एक शेफ का शुरुआती सालाना वेतन आमतौर पर 3.50-4.50 लाख के बीच होता है, हालांकि यह धीरे-धीरे अनुभव के साथ बढ़ता है. एक शेफ के लिए उच्चतम सालाना वेतन 25 लाख या उससे अधिक तक जा सकता है. शेफ को कई प्रकार में बांटा गया है. शेफ की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां धीरे-धीरे अनुभव के साथ बढ़ती हैं.

शेफ बनने के लिए स्किल्स

- सीखने की इच्छा
- टीम वर्क
- ऑर्गेनाइज्ड
- टाइम मैनेजमेंट
- अच्छा जुनून होना चाहिए
- लीडरशिप स्किल्स
- क्रिएटिव
- फिजिकल और मेंटल स्टैमिना
- मल्टी टास्किंग

शेफ बनने के लिए स्किल्स

- किचन में कौन-कौन सा सामान खत्म है, उसको मंगवाने की जिम्मेदारी शेफ की होती है.
- एक शेफ मेन्यू प्लान करने के प्रति जिम्मेदार होता है.
- होटल के किचन में क्या क्या चल रहा है उसका सुपरविजन करने का कार्य शेफ का होता है.
- किचन के स्टाफ को समय समय पर निर्देश देना आदि बहुत से कार्य शामिल होते हैं.

शेफ बनने के लिए कोर्सेज

- बीए इन क्लनरी आर्ट्स
- बीएचएम इन क्लनरी आर्ट्स
- बेचलर इन कैटरींग टेक्नोलोजी एंड क्लनरी आर्ट्स
- बैचर इन वोकेशनल इन क्लनरी ऑपरेशनस
- बीएससी इन क्लनरी साइंस
- बीए इन इंटरनेशनल क्लनरी आर्ट्स इसके अलावे कई सारे कोर्स हैं.

शेफ के प्रकार

- एग्जीक्यूटिव शेफ
- हेड शेफ
- सॉस शेफ
- पेस्ट्री शेफ
- पेंट्री शेफ
- वेजिटेबल शेफ
- बुचर शेफ
- रोस्ट शेफ
- फिश शेफ
- मीट शेफ
- फ्राई शेफ
- सॉसर शेफ
- प्रेप शेफ
- एक्सपिडिटोर शेफ
- कॉमिस शेफ

शेफ के प्रकार

- **एग्जीक्यूटिव शेफ**

एग्जीक्यूटिव शेफ किचन की सभी गतिविधियों के प्रबंधक होते हैं. वे अपने काम के दौरान ये निगरानी रखते हैं कि उसके नीचे काम कर रहे सारे शेफ अपने कर्तव्यों को समय पर पूरा कर रहे है या नहीं. आमतौर पर उनका काम ग्राहकों को भेजने से पहले बने हुए व्यंजनों का स्वाद देखना है और नए मेन्यू आइटम्स बनाना है.

- **हेड शेफ**

हेड शेफ के भी कई कार्य एग्जीक्यूटिव शेफ की तरह ही होते हैं. वे किचन में चल रही सभी गतिविधियों पर नजर रखते हैं. खाना तैयार हो जाने के बाद आर्डर सप्लाई करते हैं. वे किचन ने ए नए कर्मचारियों को प्रशिक्षित करते हैं और उनकी देखरेख क्र सकते हैं. वे अपने डीलरों के साथ संपर्क बनाकर रखते हैं, टीम मेंबरों और ग्राहकों के साथ बातचीत का काम भी करते हैं.

- **सॉस शेफ**

सॉस शब्द फ्रेंच भाषा से आया है. फ्रेंच में इसका मतलब है किसी के अंतर्गत. फ्रांस में शेफ्स की डिमांड होती है. इसीलिए ये शब्द वहीं से आया. सॉस शेफ किचन में दूसरा सबसे उच्च पद का कर्मचारी होता है, जो एग्जीक्यूटिव और हेड शेफ के अंतर्गत काम करता है. सॉस शेफ के पास पूरे रेस्तरां की रख रखाव की जिम्मेदारी होती है.

- **पेस्ट्री शेफ**

पेस्ट्री शेफ किचन में सभी बेक्ड समान और डेसर्ट बनाते है. वे आटे को गूंथ कर अक्सर ब्रेड, केक, क्रोइसेन, पफ पेस्ट्री और एक्लिर्स जैसे समान तैयार करते हैं और उनको सजाने का समान तैयार करते हैं. पेस्ट्री शेफ उच्च श्रेणी के रसोई कर्मचारी हो सकते हैं जो अपने फासले खुद के सकते हैं. कई पेस्ट्री शेफ इस विशेषता के लिए कुलिनरी स्कूल में भाग लेते हैं.

- **पेंट्री शेफ**

पेंट्री शेफ रेफ्रिजरेटर स्टॉक का प्रबंधन करता है और ठंडे व्यंजन तैयार करता है. वे सलाद और अन्य ठंडे भोजन भी तैयार कर सकते हैं, नई आपूर्ति का आदेश दे सकते हैं व ऊपर के शेफ्स को ठंडी चीजे वितरित कर सकते हैं, जो उन्हें जरूरत थी. वे आमतौर पर बड़े रेस्तराओं में काम करते हैं जिनमे कई कोल्ड स्टोरेज क्षेत्र होते हैं और जिनकी निगरानी के लिए एक पेशेवर की आवश्यकता होती है.

- **वेजिटेबल शेफ**

ये होटल में सब्जियों स्व जुड़े सभी व्यंजन संभालते हैं. वे सब्जियों को बनाने का सबसे अच्छा तरीका तैयार करते हैं. सब्जी व्यंजनों के लिए सॉस और टॉपिंग बनाना और सिर्फ सब्जियां विकसित करना होता है. हालांकि सब्जी बनाने वाले रसोइए सूप और अंडे भी बना सकते हैं.

- **बूचर शेफ**

बूचर मतलब कसाई जिसके नाम से ही पता है कि ये मांस से बने व्यंजन तैयार करते हैं. वे किचन में सही प्रकार के मांस और कट तैयार करते हैं. किचन में जो भी मांस आता है उसकी गुणवत्ता चेक करना, इन्वेंट्री की निगरानी करना और आवश्यकता अनुसार मांस का भंडारण करना शामिल हो सकता है. सभी रसोइयों में कसाई शेफ नहीं होता सिर्फ नॉन वेज होटलों में ही होते हैं.

- **रोस्ट शेफ**

रोस्ट शेफ व्यंजनों को भूनने की कला में निपुण होते हैं. ये मांस या सब्जियों को भून कर तरह तरह के व्यंजन तैयार करते हैं. ये सभी व्यंजनों के लिए पूरक सॉस बना सकते हैं.

- **फिश शेफ**

जैसा की नाम से पता चल रहा है कि ये शेफ मछली के सभी व्यंजन बनाते हैं. वे निर्धारित करते हैं कि कौन सी मछली किस-किस मौसम में मिलती है. फिश की सभी आइटम्स बनाना और उनके लिए समान इकट्ठा करना फिश शेफ का काम है.

- **मीट शेफ**

यो किचन में उपलब्ध सभी प्रकार के मासों को पकाते हैं. मीट शेफ मासों को अलग-अलग डिशेस के लिए बढ़िया तरीके से कट देने में माहिर होता है. वे मांस से बनने वाली चीजों में कितना मांस लगेगा ये निर्धारित करते हैं.

- **फ्राई शेफ**

फ्राई शेफ के पास रसोई में मांस सब्जियों और कई प्रकार की आइटम्स को टालने का काम होता है. वे खाना पकाने के समय की निगरानी कर सकते हैं, जो खाना बचता है उन्हें सही तरह से फ्रीज करना भी फ्राई शेफ का कार्य है.

- **सॉसर शेफ**

सॉसर शेफ का काम भी किचन में सबसे बड़ा होता है. ये किचन में तीसरे बड़े शेफ में से एक गिने जा सकते हैं. ये हेड शेफ और सॉस शेफ के निर्देशों का पालन करते हैं और ग्राहकों को परोसे जाने वाले सभी व्यंजनों के लिए सॉस बनाते हैं. सलाद की ड्रेसिंग करना, पास्ता सॉस बनाना, ग्रेवी, और सूप के लिए एक सॉसर शेफ ही जिम्मेदार होता है. वे सॉस और सलाद से व्यंजनों को अंतिम रूप देते हैं ताकि ग्राहकों को परोसे जाने वाली डिश सुंदर और स्वाद लगे.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)